@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 4 अप्रैल 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 149 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

संक्षिप्त समाचार

तमिलनाडु चुनाव के लिए भाजपा के 27 उम्मीदवारों की सूची जारी

● केंद्रीय मंत्री डॉ. एल. मुरुगन को अवनाशी सीट से उम्मीदवार बनाया गया है।

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए 27 उम्मीदवारों की सूची शुक्रवार को जारी की। केंद्रीय मंत्री डॉ. एल. मुरुगन को अवनाशी सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा के मुताबिक मायलापुर सीट से तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन को टिकट दिया है। सूची में राष्ट्रीय महिला मोर्चा प्रमुख वनिथी श्रीनिवासन, प्रदेश अध्यक्ष नैनार नैनार नागेंद्रन के नाम भी शामिल हैं। हालांकि इस सूची में के. अन्नामलाई का नाम नहीं है। उन्होंने पहले ही चुनाव लड़ने से मना कर दिया था। तमिलनाडु में विधानसभा की 234 सीटें हैं। गठबंधन में समझौते के तहत भाजपा को कुल 27 सीटें मिली हैं। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को मतदान और 4 मई को मतगणना होगी।

धर्मेंद्र प्रधान सपत्नीक बाबा महाकाल की भस्म आरती में हुए शामिल

● नंदी हाल में बैठकर लगाया ध्यान

एजेंसी

उज्जैन। मप्र में उज्जैन की पावन धरा पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान शुक्रवार को तड़के विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे। उनके साथ उनकी धर्मपत्नी भी रहीं। दोनों ही गर्भगृह में प्रवेश कर महाकाल की विधिपूर्वक पूजन-अर्चन किया और भस्म आरती में सहभागी बनकर दिव्य दर्शन करते हुए देश और विश्व की शांति के लिए प्रार्थना की। दरअसल, शुक्रवार तड़के आयोजित होने वाली भस्म आरती में शामिल होकर धर्मेंद्र प्रधान लगभग दो घंटे तक नंदी हॉल में बैठे रहे और पूरे विधि-विधान से बाबा महाकाल के दर्शन किए। मंदिर परिसर में गूंजते वैदिक मंत्र, ढोल-नगाड़ों की गूंज और अलौकिक वातावरण ने इस आध्यात्मिक अनुभव को और अधिक दिव्य बना दिया। इस दौरान वे पूर्णतः भक्ति में लीन दिखाई दिए। आरती के उपरांत केंद्रीय मंत्री ने मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश कर विधिपूर्वक पूजन-अर्चन किया। उन्होंने भगवान महाकाल का अभिषेक कर राष्ट्र की उन्नति, समाज की समृद्धि और मानवता के कल्याण की कामना की।

मतदान के दिन सभी कर्मचारियों को मिलेगा सवेतन अवकाश : चुनाव आयोग

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने 2026 के राज्यों के विधानसभा चुनाव और उपचुनाव के दौरान मतदान के दिन सभी कर्मचारियों को सवेतन अवकाश देने का निर्देश जारी किया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह सुविधा दैनिक वेतनभोगी और आकस्मिक श्रमिकों पर भी लागू होगी और इस दिन के लिए किसी भी प्रकार की वेतन कटौती नहीं की जाएगी। आयोग ने शुक्रवार को कहा कि असम, केरल, पुडुचेरी, गोवा, कर्नाटक, नागालैंड और त्रिपुरा में 9 अप्रैल को मतदान होगा। वहीं तमिलनाडु, गुजरात और महाराष्ट्र में 23 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। पश्चिम बंगाल में मतदान दो चरणों में होगा– पहला चरण 23 अप्रैल और दूसरा चरण 29 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। आयोग ने बताया कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 135बी के तहत प्रत्येक मतदाता, जो किसी भी संस्थान, उद्योग या व्यवसाय में कार्यरत है, मतदान के दिन सवेतन अवकाश का हकदार होगा। यदि कोई नियोक्ता इस प्रावधान का उल्लंघन करता है, तो उस पर जुर्माना लगाया जा सकता है।

कर्नाटक देशभर में प्रति व्यक्ति आय में नंबर वन और कर संग्रह में द्वितीयः सिद्धारमैया

● सीएम ने कांग्रेस सरकार के कामकाज का बचाव किया

एजेंसी

बागलकोट। प्रदेश के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि प्रति व्यक्ति आय के मामले में कर्नाटक देश में पहले स्थान पर और कर संग्रह में दूसरे स्थान पर है। इन उपलब्धियों के आधार पर हम कह सकते हैं कि आज देश को कांग्रेस पार्टी की आवश्यकता है।बागलकोट जिले के बेविनमट्टी गांव में आयोजित उपचुनाव में प्रचार सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य की आर्थिक उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कांग्रेस सरकार के कामकाज का बचाव किया। उन्होंने कहा कि प्रति व्यक्ति आय के मामले में कर्नाटक देश में पहले स्थान पर है। इसके अलावा कर संग्रह के मामले में भी कर्नाटक देश में दूसरे स्थान पर है और इन उपलब्धियों को देखते हुए जनता को कांग्रेस का समर्थन करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा ने सत्ता में रहते हुए विकास कार्य नहीं किए और अब कांग्रेस सरकार के खिलाफ दुष्प्रचार कर रही है। राज्य के कर्ज को लेकर भाजपा की आलोचना पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने वित्तीय प्रबंधन के नियमों का उल्लंघन नहीं किया है। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार की अवैज्ञानिक नीतियों के कारण राज्य को मिलने वाला जीएसटी का हिस्सा कम

हुआ है, जिससे लगभग 10 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इसके बावजूद राज्य सरकार ने गारंटी योजनाओं और विकास कार्यों को जारी रखा है। हाल ही में हुए उपचुनावों में कांग्रेस की जीत का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि आगामी चुनाव में भी कांग्रेस को सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2028 में भी राज्य में कांग्रेस की सरकार दोबारा सत्ता में आएगी।

देश में एलपीजी की कोई कमी नहीं : इंडियन ऑयल

● 'करीब 28 लाख सिलेंडर प्रतिदिन हो रहे डिलीवर'

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने शुक्रवार को कहा कि देश में घरेलू गैस की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है और प्रतिदिन करीब 28 लाख एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति की जा रही है। सरकारी तेल कंपनी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर चुनौतियां होने के बावजूद परिचालन सामान्य बना हुआ है। इंडियनऑयल ने उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया कि कोई कमी नहीं है और घबराहट में बुकिंग या जमाखोरी न करने की सलाह दी। इंडियनऑयल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'इंडियनऑयल देशभर के घरों में एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित कर रहा है। प्रतिदिन लगभग 28 लाख एलपीजी सिलेंडर वितरित किए जा रहे हैं। भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद परिचालन सामान्य स्तर पर स्थिर बना हुआ है।' कंपनी ने बताया कि लगभग 87 प्रतिशत एलपीजी बुकिंग अब एसएमएस और आईवीआरएस जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से की जा रही हैं और सिलेंडर्स को ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए डीएसी ओटीपी के माध्यम से डिलीवरी को प्रमाणित किया जाता है। कंपनी ने यह भी कहा कि वह आधिकारिक सहायता चैनलों के माध्यम से ग्राहकों की चिंताओं का सक्रिय रूप से समाधान कर रही है। कंपनी ने आगे

स्पष्ट किया कि प्रवासी मजदूरों को वैध पहचान पत्र दिखाने पर तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) द्वारा 5 किलो एफटीएल सिलेंडर लगातार उपलब्ध कराए जा रहे हैं ताकि वितरण सुगम और सुलभ हो सके।

तेल कंपनी ने कहा, 'लगातार उपलब्धता बनाए रखने के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई है और आपूर्ति में कोई बाधा नहीं है। इसलिए, चिंता या घबराहट की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि स्थिति पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है और आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए प्रबंधन किया जा रहा है।

● कंपनी ने लोगों को सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक जानकारी पर विश्वास न करने की सलाह दी और कहा कि बोतलों या खुले कंटेनरों में पेट्रोल भरना न केवल असुरक्षित है बल्कि अवैध भी है।

'इंडियनऑयल ने आगे कहा, 'घरेलू एलपीजी उपभोक्ता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। पूरे देश में, अधिकृत वितरकों के माध्यम से निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है, और कालाबाजारी को रोकने के लिए कड़ी निगरानी रखी जा रही है। अपनी एलपीजी केवल आधिकारिक चैनलों के माध्यम से बुक करें और सुरक्षित और विश्वसनीय अनुभव के लिए ओटीपी-आधारित डिलीवरी का विकल्प चुनें।'

देश से घुसपैठियों को बाहर निकालने के लिए भाजपा सरकार प्रतिबद्ध : अमित शाह

● 'भाजपा असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर ले जाने का प्रयास कर रही है।'

एजेंसी

ग्वालपाड़ा (असम)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को असम पहुंचे थे। सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि भाजपा सरकार देश से अवैध विदेशी

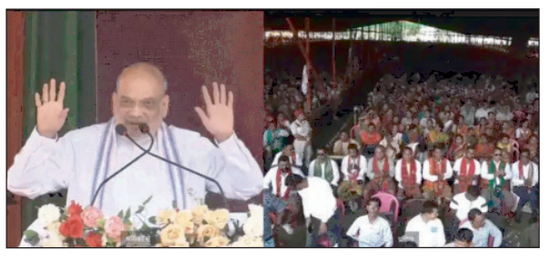

घुसपैठियों को बाहर निकालने के लिए प्रतिबद्ध है और राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने ग्वालपाड़ा जिले की सभी चारों विधानसभा सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करने की अपील की। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में असम को अशांत बनाए रखा और राज्य की संस्कृति के संरक्षण के लिए कोई ठोस कार्य नहीं किया। इसके विपरीत, उन्होंने कहा कि भाजपा असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर ले जाने का प्रयास कर रही है।

दुधनाई के कॉलेज ग्राउंड मैदान में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा उम्मीदवार टंकेश्वर राभा के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित किया। वह असम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर दो दिवसीय दौरे पर

हेलीकॉप्टर में खराबी के कारण गोलकगंज में शाह की सभा रद्द

गुवाहाटी। असम में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की गोलकगंज में प्रस्तावित चुनावी सभा शुक्रवार को हेलीकॉप्टर में आई तकनीकी खराबी के कारण रद्द कर दी गई। सूत्रों के अनुसार, अमित शाह दो दिवसीय असम दौरे पर हैं और शुक्रवार को उनके दौरे का दूसरा दिन है। आज दोपहर उन्हें गोलकगंज में एक जनसभा को संबोधित करना था, लेकिन हेलीकॉप्टर में खराबी के चलते कार्यक्रम को रद्द करना पड़ा। हालांकि, सभा रद्द होने के बावजूद अमित शाह फोन के माध्यम से जनता को संबोधित किया। उल्लेखनीय है कि, उनके दौरे के पहले दिन सभी निर्धारित कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न हुए थे। शुक्रवार को भी उनके कई चुनावी कार्यक्रम प्रस्तावित थे, जिनमें गोलकगंज की सभा शामिल थी।

तमिलनाडु चुनाव : कांग्रेस ने जारी की 27 उम्मीदवारों की सूची

● प्रदेश अध्यक्ष श्रीपेरुम्बुदुर सीट से प्रत्याशी

एजेंसी

चेन्नई । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को अपनी 27 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। इस सूची में तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के. सेल्वापेरुन्थगई का नाम भी शामिल है, जो श्रीपेरुम्बुदुर (एससी) सीट से चुनाव लड़ेंगे। जारी सूची के अनुसार, पॉन्नेरी (एससी) से दुरई चंद्रशेखर, वेलाचेरी से जेएमएच आस्सन मौलाना, श्रीपेरुम्बुदुर (एससी) से के. सेल्वापेरुन्थगई, शोलिंगुर से ए.एम. मुनिरतिनम, उथंगराई (एससी) से आर. कुप्पू सामी, कृष्णगिरि से डॉ. ए. चेल्ला कुमार, पेन्नागरम से जीकेएम तमिल कुमारन, अत्तूर (एससी) से एस.के. अर्थनारी, ईरोड (ईस्ट) से गोपीनाथ पलनियप्पन, उधगमंडलम से बी. रामचंद्रन, कवुंदम्पालयम से के.पी. सूर्या प्रकाश और सिंगनल्लूर से एम.वी. श्रीनिवास नायडू को उम्मीदवार बनाया गया है। इसके अलावा पार्टी ने थुरैयूर (एससी) से एम. विचु लेनीन प्रसाथ, कुड्डालोर से ए.एस. चंद्रशेखरन, मयिलादुथुरै से जमाल यूनुस मोहम्मद, अरंथांगी से टी. रामा चंद्रिरन, करैकुडी से एस. मंगुडी, उसिलम्पट्टी से टी. सरवाणा कुमार, सिवकासी से गणेसन अशोकन, तिरुवदाना से रामा करुमानिक्कम, श्रीवैकुंटम से एस. ओवंशी अमीरथराज, संकरनकोविल (एससी) से संगई गणेशन, अम्बासमुद्रम से वी.पी. दुरई, नंगुनेरी से रूबी मनोहरन, कोलाचेल से डॉ. थरागई कुथबर्ट, विलावनकोड से टी.टी. प्रवीण और किल्लियूर से एडवोकेट एस. राजेश कुमार को टिकट दिया है।

जनजातीय युवाओं की खेल प्रतिभा राष्ट्र की अमूल्य पूंजीः राष्ट्रपति

● 21वीं सदी में वैश्विक व्यवस्थाएं तेजी से बदल रही हैं और भारत भी उसी गति से आगे बढ़ रहा है : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देश के युवाओं, विशेषकर जनजातीय समुदाय के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राष्ट्र की अमूल्य सामाजिक पूंजी बताते हुए उन्हें खेलों में सक्रिय भागीदारी और उत्कृष्टता

● एकलव्य को प्रेरणा स्रोत बताते हुए कहा कि उनकी महानता आज भी देश के युवाओं को प्रेरित करती है। -राष्ट्रपति

की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया है। एक लेख के माध्यम से अपने विचार साझा करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि भारत के ग्रामीण और वन क्षेत्रों में मौजूद प्राकृतिक प्रतिभा को उचित प्रशिक्षण और संसाधनों के जरिए निखारकर देश खेल जगत में नए कीर्तिमान स्थापित कर सकता है। राष्ट्रपति ने जनजातीय क्षेत्रों के बच्चों की सहज खेल प्रतिभा का उल्लेख करते हुए कहा कि ये बच्चे सीमित संसाधनों के बावजूद प्रकृति के बीच अपने खेल संसार का निर्माण कर

लेते हैं। मिट्टी, पेड़ों, बीजों और अन्य प्राकृतिक वस्तुओं का उपयोग करके वे खेल के साधन तैयार करते हैं और पूरे उत्साह के साथ खेलते हैं। उन्होंने कहा कि यह स्वाभाविक रुझान और ऊर्जा यदि आधुनिक प्रशिक्षण और सुविधाओं से जुड़ जाए, तो यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता दिलाने में सक्षम है। उन्होंने उदाहरण देते हुए ओडिशा की 15 वर्षीय खिलाड़ी अंजलि मुंडा का उल्लेख किया, जिसने 'खेलो इंडिया जनजातीय खेल 2026' में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण पदक जीते और देशभर के युवाओं को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ऐसी उपलब्धियां यह साबित करती हैं कि जनजातीय क्षेत्रों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, जरूरत है तो उसे पहचानने और सही दिशा देने की। राष्ट्रपति ने ऐतिहासिक संदर्भों का उल्लेख करते हुए कहा कि जनजातीय समाज में तीरंदाजी जैसी खेल विधाओं की परंपरा अत्यंत प्राचीन और समृद्ध रही है। उन्होंने 'संताथ हूल' जैसे ऐतिहासिक आंदोलनों का जिक्र करते हुए बताया कि उस समय भी जनजातीय वीरों के युद्ध कौशल, विशेषकर तीरंदाजी की प्रशंसा की गई थी।

मेरी खामोशी को मेरी हार मत समझ लेना: राघव चड्ढा

● राघव चड्ढा ने आआपा हाईकमान पर दागे सवाल

एजेंसी

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राज्यसभा में उप नेता के पद से हटाए जाने से आहत सांसद राघव चड्ढा ने पार्टी हाईकमान के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए सवाल दागे हैं। आआपा ने राज्यसभा

● 'मैं वो दरिया हूं जो वक्त आने पर सैलाब बनता हैं'

सचिवालय से राघव के स्थान पर अशोक मित्तल को नियुक्त करने की सिफारिश की है। मित्तल जालंधर स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के संस्थापक हैं। पंजाब में वर्ष 2024 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान राघव आआपा का प्रमुख चेहरा रहे हैं। पिछले कुछ समय से वह पंजाब की राजनीति से दूर हैं। राघव चड्ढा ने आज सुबह एक वीडियो जारी किया। इसमें वह कहते नजर आ रहे हैं, '' खामोश करवाया गया हूं, हारा नहीं हूं। मुझे जब-जब बोलने का मौका मिलता है तो मैं आम आदमी के मुद्दे उठाता हूं। संसद में ऐसे मुद्दों

पर बोलता हूं जिन्हें आमतौर पर सदन में उठाया नहीं जाता।'' उन्होंने सवाल किया कि क्या जनता के मुद्दे उठाना, जनता के मुद्दों पर बात करना अपराध है। क्या मैंने कोई गुनाह कर दिया, कोई गलती कर दी? चड्ढा ने कहा कि यह सवाल इसलिए पूछ रहा हूं क्योंकि आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को यह लिखकर दिया है कि राघव चड्ढा के सदन में बोलने पर रोक लगा दी जाए। बोलने का मौका न दिया जाए। उन्होंने सवाल किया कि कोई मेरे बोलने पर रोक क्यों लगाना चाहेगा। मैं जब बात करता हूं तो देश के आम आदमी की बात करता हूं। संसद में एयरपोर्ट पर मिल रहे महंगे खाने की बात रखी, टोल व बैंक लूट का मुद्दा उठाया। मिडिल क्लास से हो रही लूट, टेलीकॉम कंपनियां कैसे 12 महीने में 13 बार रिचार्ज करवाती हैं आदि पर चर्चा की। उन्होंने कहा, '' यह मुद्दे उठाने के बाद आम आदमी का फायदा हुआ लेकिन आम आदमी पार्टी का क्या नुकसान हुआ। मेरी आवाज को कोई क्यों बंद करना चाहेगा। आप लोग मुझे असीमित प्यार देते हैं। मेरा हौसला बढ़ाते हैं। ऐसे ही मेरा हाथ और साथ थामे रखिएगा। छोड़िएगा मत। मैं आप से हूं, आपके लिए हूं।

डिजिटल गवर्नेंस, कौशल विकास और भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम पंजाब के भविष्य को बदल रही हैः मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 3 अप्रैल। आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की 'शानदार चार साल भगवंत मान दे नाल' श्रृंखला के तहत पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मुख्य क्षेत्रों में आप सरकार की कारगुजारी पर प्रकाश डालते हुये अपनी सरकार का रिपोर्ट कार्ड पेश करते हुए इसे पारदर्शी, जवाबदेह और जन-केंद्रित शासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव बताया। सरकारी क्षेत्र में रोजगार और प्रशासन में नया मानदंड स्थापित करते हुए भगवंत मान सरकार ने पिछली सरकारों की कमियों को दूर करते हुए युवाओं को आयु सीमा में 5 साल की छूट दी और केवल चार वर्षों में रिकॉर्ड 65,264 सरकारी नौकरियां प्रदान कीं, जो पंजाब के इतिहास में दी गई अब तक की सबसे अधिक नौकरियां हैं। शिक्षा, पुलिस, बिजली, स्वास्थ्य और स्थानीय निकायों सहित प्रमुख क्षेत्रों में पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के जरिए सरकार ने पक्षपात की पुरानी परंपराओं से दूरी बनाई है और अब आम नागरिकों को बिना रिश्वत या सिफारिश के नौकरियां दी जा रही हैं। इसके साथ ही सेवा केंद्रों में हर महीने 30 लाख लोगों की पहुंच और 8.20 करोड़ से अधिक सेवाओं की डिजिटल डिलीवरी के माध्यम से 'डिजिटल पंजाब' की दिशा में तेजी से प्रगति हो रही है, जो पारदर्शी प्रशासन, कौशल विकास और

प्रणालीगत सुधारों को दर्शाती है जिसका मकसद पंजाब के भविष्य को नई दिशा देना है। विभिन्न विभागों के रिपोर्ट कार्ड पेश करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब एक नए डिजिटल हब के रूप में उभर रहा है, जिसने अपने कामकाज में पारदर्शिता लाते हुए युवाओं के लिए सरकारी नौकरियों और अवसरों के नए रास्ते खोले हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि पंजाब के इतिहास में पहली बार चार सालों में 65,264 सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग में 16,308 नौकरियां, पंजाब पुलिस में 12,966 नौकरियां, बिजली विभाग में 8,765 नौकरियां, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और मेडिकल शिक्षा में 16,320 तथा स्थानीय निकाय विभाग में 5,771 लोगों को नौकरियां दी गई हैं। उन्होंने आगे कहा कि इससे राज्य में युवाओं की विदेशों की ओर पलायन की प्रवृत्ति पर रोक लगी है और पंजाब के हर गांव, कस्बे और शहर के युवाओं को इन नौकरियों का लाभ हुआ है। भर्ती में पारदर्शिता पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि सभी नौकरियां बिना किसी रिश्वत या पक्षपात के केवल मेरिट और योग्यता के आधार पर दी गई हैं। कोई पेपर लीक नहीं हुआ और न ही किसी भर्ती को अदालत में चुनौती दी गई है। उन्होंने आगे कहा कि कई उम्मीदवारों को तो अलग-अलग विभागों में कई-कई बार नौकरियां भी मिली हैं और इनमें से अधिकांश युवा ये नौकरियां लेने के लिए विदेशों से लौटकर वापस आए हैं। उन्होंने कहा कि पहले अदालतों में चुनौती के चलते भर्ती प्रक्रियाओं में देरी होना आम बात थी, जिसके चलते अक्सर कई उम्मीदवारों की उम्र निर्धारित सीमा को पार कर जाती थी। अब युवा आईईएलटीएस सेंटर्स में जाने की बजाय सरकारी नौकरियों की तैयारी को प्राथमिकता दे रहे हैं। मौजूदा गवर्नेंस मॉडल की पिछली सरकारों से तुलना करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पिछली सरकारों ने आम लोगों के बजाय अपने ही परिवारों का पक्ष लिया, लेकिन राज्य की सरकार ने सबकी भलाई के लिए काम किया है, जिसके चलते प्राइवेट कंपनियों में भी सात लाख के करीब युवाओं को नौकरियां मिली हैं।

शेष पृष्ठ 3 पर

सीमा हैदर ने अपने 6वें बच्चे का नाम भारत रखा... महिलाओं के साथ किया कुंआ पूजन

नोएडा (एजेंसी)। पाकिस्तान से भारत आईं सीमा हैदर ने अपने बेटे का नाम 'भारत' रख दिया है। गुरुवार को रबूपुरा स्थित घर पर बेटे का नामकरण हुआ। नामकरण संस्कार के पहले सीमा ने कुंआ पूजन किया। डीजे की धुन पर नाचती-गाती मोहल्ले की महिलाएं पूजन करने निकली। घर पर भी संगीत समारोह का आयोजन हुआ। इसके पहले रात में माता के जागरण का आयोजन किया गया था। सीमा ने कहा कि हिंदू धर्म बहुत खूबसूरत है। वे बहुत खुश हैं। उन्हें हिंदू होने पर गर्व है। सीमा हैदर ने कहा कि मैं क्रिकेट मैच में भारत को सपोर्ट करती हूं। भारत जब मैच जीतता है, तब मुझे खुशी होती है। मैच के दौरान भगवान से प्रार्थना करती हूं कि भारत की ही जीत हो। भारत के लोग बहुत ही अच्छे हैं। वापस पाकिस्तान नहीं जाना चाहती। हर समाज के लोग रबूपुरा में रहते हैं। मुझे प्यार करते हैं, सम्मान देते हैं। मुझे अपनी बहू मानते हैं। दरअसल, सीमा हैदर के छठवें बच्चे का नामकरण संस्कार हुआ। उन्होंने 18 फरवरी 2026 को नोएडा के एक अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया था। इससे पहले एक बेटी को भी जन्म दिया था। उसका नाम मीरा रखा था। सीमा के पाकिस्तानी पूर्व पति से चार बच्चे है। जबकि भारतीय पति सचिन मीणा से 2 बच्चे हैं। सीमा, पाकिस्तान छोड़कर चार साल पहले अपने प्रेमी सचिन के पास आ गई थी। यहां आकर उसने उससे शादी कर ली।

पटना में पीएमसीएच के पैथोलॉजी विभाग में भीषण आग... लाखों का सामना खाक

पटना (एजेंसी)। पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (पीएमसीएच) के पैथोलॉजी विभाग में भीषण आग लगने से पूरे अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। आग तेजी से फैलती हुई विभाग के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले गई, जिससे मरीजों, उनके परिजनों और अस्पताल कर्मियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थिति की गंभीरता को देखकर सभी को तुरंत सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे किसी बड़े जानमाल के नुकसान से बचाव हो सका। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 5-6 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। खबर लिखे जाने तक आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका था, हालांकि दमकलकर्मी लगातार आग पर नियंत्रण पाने में जुटे रहे। एहतियात के तौर पर अस्पताल परिसर को खाली करा लिया गया और प्रशासन व पुलिस की टीमें मौके पर तैनात रहीं। इस हादसे में पैथोलॉजी विभाग के लाखों रुपये के उपकरण, मशीनें और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जलकर राख हो गए। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, जिसकी पुष्टि अग्निशमन अधिकारी अजीत कुमार ने की है। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन भारी आर्थिक नुकसान की आशंका है। प्रशासन द्वारा नुकसान का आकलन किया जा रहा है और आगे की जांच जारी है।

भारत में एक्स्ट्रा-मैरिटल डेटिंग ऐप्स का बढ़ता चलन, 40 लाख यूज़र्स के आंकड़े ने चौंकाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत, जहाँ शादी को पारंपरिक रूप से एक पवित्र संस्था माना जाता रहा है, वहाँ अब रिश्तों की दुनिया में खामोश लेकिन बड़ा बदलाव दिख रहा है। एक्स्ट्रा-मैरिटल डेटिंग एप के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, देश में इसके यूजर्स की संख्या 40 लाख के पार पहुँच गई है। यह आँकड़ा शादी और वफादारी के प्रति बदलते सामाजिक दृष्टिकोण की ओर भी इशारा करता है। आंकड़ों के मुताबिक, बेंगलुरु 18 प्रतिशत यूजर्स के साथ सूची में सबसे आगे है। इसके बाद हैदराबाद (17 प्रतिशत), दिल्ली (11 प्रतिशत), मुंबई (9 प्रतिशत) और पुणे (7 प्रतिशत) का स्थान है। खास बात यह है कि अब यह चलन केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लखनऊ, सूरत, पटना और गुवाहाटी जैसे शहरों में भी तेजी से फैल रहा है। वर्ष 2024 में किए गए सर्वेक्षण में 25 से 50 वर्ष आयु वर्ग के 1,503 शादीशुदा लोगों को शामिल किया गया। इसके नतीजे बताते हैं कि 60 प्रतिशत से अधिक लोग गैर-पारंपरिक रिश्तों जैसे ओपन रिलेशनशिप को लेकर पहले से अधिक खुले हो गए हैं। यह संकेत देता है कि पारंपरिक वैवाहिक ढांचे को लेकर सोच में धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। जून 2025 के आंकड़ों के अनुसार, तमिलनाडु का कांचीपुरम जैसे शहर भी एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर्स के प्रमुख केंद्रों में उभर रहे हैं। यूजर के हिसाब से 65 प्रतिशत पुरुष और 35 प्रतिशत महिलाएँ इन प्लेटफार्म्स का इस्तेमाल कर रही हैं। हालांकि, महिलाओं की भागीदारी में पिछले दो वर्षों में 148 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। औसतन, यूज़र्स रोजाना 1 से 1.5 घंटे इन एप पर बिताते हैं, जिसमें दोपहर 12 से 3 बजे और रात 10 बजे से आधी रात तक सबसे अधिक सक्रियता देखी जाती है।

कांग्रेस से हटकर वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने पश्चिम एशिया संकट से निपटने के लिए मोदी सरकार की सराहना की

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने पश्चिम एशिया में हाल के संकट पर एनडीए सरकार की नीति की सराहना कर परिपक्व और कुशल कूटनीति बता दिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देकर स्थिति से निपटने के लिए राष्ट्रीय एकता जरुरी है। कांग्रेस नेता शर्मा ने लिखा कि भारत की प्रतिक्रिया ने संभावित जोखिमों से बचाव किया और इस राष्ट्रीय सहमति एवं दृढ़ संकल्प पर आधारित होना चाहिए। मोदी सरकार ने इस अनिश्चित और अस्थिर परिस्थिति में राजनीतिक दलों को नीतिगत निर्णयों से अवगत कराने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई है। शर्मा ने कहा कि यह राष्ट्रीय संवाद जारी रहना चाहिए और संकट के समाधान में परिपक्व प्रतिक्रिया समय की मांग करती है। उन्होंने भविष्यवाणी की कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के कारण रुपये का अवमूल्यन हो सकता है, और इस गिरावट को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। कांग्रेस नेता शर्मा ने कहा कि युद्ध ने ऊर्जा, आर्थिक और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों को और बढ़ा दिया है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अस्थिरता और रुपये तथा अन्य मुद्राओं के अवमूल्यन से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों से निपटना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संकट की गंभीरता को पूरी तरह समझना होगा और नियम-आधारित बहुपक्षीय व्यवस्था और वैश्विक संकट प्रबंधन तंत्र के पतन पर विश्व मूकदर्शक नहीं बन सकता।

डीएमके के गढ़ में चुनौती देकर खुद को राज्य की राजनीति में मुख्य प्रतिद्वंद्वी बना रहे थलापति

बीते कई सालों से चेन्नई की 16 सीटें डीएमके की गढ़ रही

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में एक नया तूफान उठ खड़ा हुआ है। सुपरस्टार थलापति विजय ने फरवरी 2024 में अपनी पार्टी तमिलगा वेट्री कड़गम (टीवीके) लांच की और विधानसभा चुनावों में चेन्नई को अपने अभियान का केंद्र बनाया है। चेन्नई का हर जिला लंबे समय से डीएमके का गढ़ रहा है, और यहाँ की 16 सीटें सत्ताधारी दल के कब्जे में रही हैं। विजय ने अपनी राजनीतिक रणनीति में दो सीटों से चुनाव लड़ने का फैसला किया है, तिरुचिरापल्ली (पूर्व) और पेरम्बूर। जहां तिरुचिरापल्ली उनके लिए सुरक्षित विकल्प है, वहीं पेरम्बूर सीट का महत्व इसलिए है क्योंकि यह मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के कोलाथुर क्षेत्र से करीब है। पेरम्बूर से चुनाव लड़कर विजय सीधे डीएमके के मुखिया के सामने चुनौती पेश कर रहे हैं और खुद को उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी के रूप में बता रहे हैं।

विजय की रणनीति केवल व्यक्तिगत चुनौती तक सीमित नहीं है। चेन्नई में टीवीके के अन्य मजबूत उम्मीदवार भी चुनाव मैदान में हैं। महासचिव एन आनंद टी नगर से, आधव अर्जुना विल्लिवक्कम से, उप-महासचिव के राजमोहन एग्मोर से और एआईएडीएमके के पूर्व विधायक बीएस बावू को कोलाथुर से उतारा गया है। बावू का मुकाबला सीधे मुख्यमंत्री स्टालिन से होगा। इन उम्मीदवारों के माध्यम से टीवीके चेन्नई के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में अपनी पहचान मजबूत करना चाहती है।

चेन्नई पर विजय का फोकस डीएमके के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। डीएमके का यह गढ़ सालों से सुरक्षित माना जाता रहा है और एमजीआर या जयललिता जैसी दिग्गज हस्तियों ने भी चेन्नई में डीएमके को पूरी तरह से मात नहीं दी थी। एमजीआर ने तमिलनाडु में लगातार तीन चुनाव जीतकर राज्य में अपना दबदबा बनाया था, लेकिन चेन्नई में डीएमके पर पूर्ण नियंत्रण नहीं कर सके। जयललिता की लगातार दस साल की कोशिशों ने 2006 और 2011 में डीएमके के गढ़ को कुछ हद तक कमजोर किया था, लेकिन 2016 में डीएमके ने अपना दबदबा फिर से मजबूत किया और 2021 के विधानसभा चुनावों में डीएमके गठबंधन ने चेन्नई की सभी 16 सीटें जीत लीं।

विजय का चेन्नई पर ध्यान सिर्फ़डीएमके की सत्ता को चुनौती देने तक सीमित नहीं है। यह एआईएडीएमके को भी हाशिये पर करने की रणनीति है। एआईएडीएमके ने भाजपा के साथ गठबंधन किया है, वहीं डीएमके ने कांग्रेस को अपने साथ जोड़कर चुनावी तैयारी की है। विजय का उद्देश्य यह दिखाना है कि उनकी पार्टी केवल नए विकल्प के रूप में नहीं है, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति में एक मुख्य विपक्षी दल के रूप में स्थापित हो सकती है। इसके लिए उन्होंने अपने प्रसिद्ध चेहरे और युवा समर्थकों को मैदान में उतारा है।

पेरम्बूर सीट का चुनाव विजय के राजनीतिक उदय का प्रतीक है। यह विधानसभा क्षेत्र सीधे डीएमके के वर्तमान विधायक आरडी शेखर के इलाके से लगता है, और यहां से विजय का मुकाबला मुख्यमंत्री स्टालिन से होगा। यह सीट विजय को डीएमके के गढ़ में अपनी ताकत दिखाने और सीधे मुकाबला करने का अवसर देती है। यह रणनीति उन्हें तमिलनाडु में करिश्माई और प्रभावशाली नेता के रूप में स्थापित करने में मदद कर सकती है।

संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने पर मैं पीएम मोदी का धन्यवाद करता हूं : चिराग पासवान

-उम्मीद करता हूं कि विपक्ष भी महिलाओं से जुड़े इस बिल का समर्थन करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने नारी शक्ति वंदना अधिनियम में संशोधन के संबंध में विशेष संसदीय सत्र बुलाने के एनडीए सरकार के फैसले की सराहना कर कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास), ने हमेशा इसतरह के मुद्दे को बहुत महत्व दिया है। केंद्रीय मंत्री पासवान ने कहा कि महिलाएं इसकी मांग करती रही हैं और हमारी पार्टी ने लगातार इस मांग का समर्थन किया है, हमारे दिवंगत नेता राम विलास पासवान जी के समय से ही। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा विशेष सत्र बुलाए जाने पर मैं प्रधानमंत्री मोदी जी को धन्यवाद देता हूं और आशा करता हूं कि विपक्ष भी इस बिल का समर्थन करेगा। सरकारी सूत्रों के अनुसार, मोदी सरकार अप्रैल के तीसरे सप्ताह में संसद का बजट सत्र पुनः बुलाने की तैयारी में है, ताकि लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 करने का प्रस्ताव करने वाला संशोधन विधेयक पेश किया जा सके। जिसमें महिलाओं के लिए 273 सीटें आरक्षित रहेगी। एजेंडा में 2023 के नारी शक्ति वंदना अधिनियम में संशोधन और परिसीमन आयोग विधेयक को पेश करना भी शामिल हो सकता है। केंद्र सरकार परिसीमन और सीट पुनर्वितरण के लिए 2011 की जनगणना को आधार बनाना चाहती है।

इजरायल यात्रा के दौरान सैन्य कार्रवाई को लेकर पीएम मोदी की नहीं हुई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। न प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया इजरायल यात्रा को लेकर संसद में उठे सवालों के बीच सरकार ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। राज्यसभा में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के सांसद अब्दुल वहाब द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए सरकार ने उन अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि भारत को ईरान पर होने वाले सैन्य हमले की पहले से जानकारी थी। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने सदन में लिखित जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री की 25-26 फरवरी की इजरायल यात्रा के दौरान ऐसी किसी सैन्य कार्रवाई या हमले को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई थी।

सांसद अब्दुल वहाब ने विदेश मंत्रालय से प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान हुए समझौतों का ब्यौरा मांगा था और साथ ही यह भी पूछा था कि क्या सरकार को यात्रा के अगले ही दिन ईरान पर होने वाले अमेरिकी और इजरायली हमलों का पूर्वानुमान था। विदेश राज्य मंत्री ने बताया कि इजरायल के प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर की गई इस राजकीय यात्रा का मुख्य उद्देश्य द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करना था। इस दौरान दोनों देशों के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, कृषि, मत्स्य पालन, शिक्षा, वित्तीय सेवाओं और डिजिटल भुगतान जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कई समझौतों और समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा संपन्न होने के ठीक बाद 28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका ने ईरान के भीतर कई ठिकानों पर बड़े हमले किए थे, जिससे पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर पहुंच गया। इस संयोग के कारण यह सवाल उठने लगे थे कि क्या रणनीतिक साझेदारी के चलते भारत को इसकी पूर्व सूचना दी गई थी। हालांकि, भारतीय विदेश मंत्रालय के साथ-साथ इजरायल ने भी इन दावों को गलत बताया है। इजरायली विदेश मंत्री गिदोन सार ने भी स्पष्ट किया कि ईरान पर हमले का निर्णय प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के बाद शनिवार तड़के लिया गया था, क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच चल रही वार्ता गुरुवार को विफल हो गई थी। सरकार ने दोहराया है कि भारत के इजरायल के साथ संबंध लोकतांत्रिक मूल्यों और आर्थिक प्रगति के साझा एजेंडे पर आधारित हैं। 2026 के लिए दोनों देशों ने आपसी सहयोग को और गहरा करने का एक व्यापक खाका तैयार किया है। फिलहाल, पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच भारत ने साफ कर दिया है कि उसका ध्यान क्षेत्रीय स्थिरता और द्विपक्षीय विकास पर केंद्रित है, न कि किसी सैन्य अभियान की पूर्व जानकारी या भागीदारी पर।

क्या वह विश्वस्तर के बाबा वेंगा हो गए हैं, जो इस तरह की भविष्यवाणी कर रहे

-एनसीपी के विधायक के बीजेपी में जाने का राउत ने फोड़ा बम, बीजेपी ने किया पलटवार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में ऑपरेशन टाइगर की आहट और शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के मंत्री की डिनर डिप्लोमेसी के बीच संजय राउत ने दावा किया था कि राज्य की सियासत में जल्द भूचाल आएगा। राउत ने भविष्यवाणी करते हुए कहा था कि आगामी दिनों में शिंदे गुट और एनसीपी (अजीत गुट) के 25 से 30 विधायक बीजेपी में शामिल हो जाएंगे। बीजेपी ने संजय राउत के बयान पर पलटवार किया है। इसमें बीजेपी ने उन्हें यूबीटी पर फोकस करने की नसीहत दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संजय राउत के इस बयान पर बीजेपी ने शिवसेना यूबीटी के राज्यसभा सदस्य संजय राउत पर हमला बोलते हुए पूछा है कि क्या वह विश्वस्तर के बाबा वेंगा हो गए हैं, जो इस तरह की भविष्यवाणी कर रहे हैं। दरअसल सांसद संजय राउत अपने फायरब्रांड अंदाज के लिए जाने जाते हैं। हाल ही उनकी एक किताब रिलीज हुई थी। इसमें उन्होंने अरविंद केजरीवाल समेत कपिल सिब्बल को बुलाया था। उन्होंने इस किताब में भी कई धमाके किए हैं, हालांकि ताजा भविष्यवाणी पर बीजेपी ने राउत को घेरा। बीजेपी ने कहा कि भोंदूबाबा खरात जैसे लोगों को ठगते थे, वैसे ही संजूबाबा राउत भविष्यवाणी के नाम पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। बीजेपी में कौन सा दल विलय होगा या कौन कहां जाएगा, इस पर बोलने के बजाय अपने गुट पर ध्यान दें।

नवनाथ बन ने कहा कि संजय राउत चाहते हैं कि उद्धव ठाकरे विधानमंडल में जाएं, लेकिन वे वास्तव में जाएंगे या नहीं, यह कांग्रेस तय करेगी। कांग्रेस की कृपा होगी तभी उद्धव ठाकरे को विधायकी मिलेगी। यूबीटी अस्तित्व में आने से पहले शिवसेना बीजेपी के साथ थी, तब स्वाभिमान और सम्मान था, लेकिन अब आपने अपना स्वाभिमान कांग्रेस के पास गिरवी रख दिया है। विधायकी के लिए सोनिया गांधी के सामने जाकर मुजरा करना पड़ेगा। बन ने कहा था कि देवेंद्र फडणवीस ने क्या बोलना चाहिए, यह बताने के चक्कर में राउत को नहीं पड़ना चाहिए। यूबीटी गुट कांग्रेस में विलय होने वाला है और इसकी जिम्मेदारी संजय राउत ने ली है, ऐसा आरोप भी उन्होंने लगाया।

ममता की बढ़ेगी चिंता... भाईजान औवेसी ने बंगाल चुनाव में उतार दिए 12 प्रत्याशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। (ईएमएस)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने शुक्रवार को आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए अपने 12 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है। औवेसी की पार्टी ने रघुनाथगंज से इमरान सोआंकी, आसनसोल उत्तर से दानिश अजीज, कंडी से मिस्बाहुल इस्लाम खान, सुजापुर से रेजाउल करीम और मोथाबारी से एडवोकेट मोहम्मद मुस्तहिद हक को चुनावी मैदान में उतारा है। नलहाटी से हाजी अंसार एसके साहब और मोरारी से तासीर एसके साहब को अपना प्रत्याशी बनाया है। बारासात से एआईएमआईएम ने मोनाएम सरदार को और करांडीघी से महबूब आलम को उम्मीदवार बनाया है। सूती से असदुल एसके, बसीरहाट दक्षिण से शबाना परवीन और हबरा से आसिक राज ममोंडल को मनोनीत किया गया है। बात दें कि एआईएमआईएम, तृणमूल कांग्रेस के पूर्व नेता हुमायूं कबीर द्वारा गठित आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही है। एआईएमआईएम-एजेयूपी गठबंधन से मुस्लिम बहुल निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान हिस्सेदारी पर असर पड़ने की उम्मीद है। आगामी चुनाव को मुख्य रूप से सत्तारूढ़ अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच सीधा मुकाबला माना जा रहा है।

गर्मी के बीच मौसम का यू-टर्न: उत्तर भारत में ओलावृष्टि और भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में जहां एक ओर गर्मी ने दस्तक दे दी है, वहीं दूसरी ओर कुदरत के बदलते मिजाज ने लोगों को हैरत में डाल दिया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने शुक्रवार को ताजा पूर्वानुमान जारी करते हुए देश के बड़े हिस्से में बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की है। इस मौसमी बदलाव का सबसे ज्यादा असर उत्तर-पश्चिम भारत के राज्यों में देखने को मिल रहा है, जहां आने वाले दिनों में मौसम काफी चुनौतीपूर्ण रहने वाला है।

मौसम विभाग के अनुसार, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्यों में 3 से 8 अप्रैल के बीच झमाझम बारिश के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। मैदानी इलाकों की बात करें तो पश्चिमी राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी अगले कुछ दिनों तक बादल बरसने के आसार हैं। दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 7 और 8 अप्रैल को हल्की से मध्यम बारिश होने की उम्मीद है। वहीं, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और मुजफ्फराबाद के ऊंचाई वाले इलाकों में इस दौरान बर्फबारी और निचले इलाकों में बारिश का दौर जारी रहेगा।

ओलावृष्टि को लेकर जारी चेतावनी खेती-किसानी के नजरिए से चिंताजनक है। मौसम विभाग ने बताया है कि 3 और 4 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के कुछ हिस्सों में ओले गिर सकते हैं। इसके अलावा उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में भी 4 और 5 अप्रैल को ओलावृष्टि की प्रबल संभावना है। दक्षिण और मध्य भारत के साथ-साथ पूर्वोत्तर राज्यों में भी बादलों का डेरा रहेगा। मध्य प्रदेश में 3 और 4 अप्रैल को ओले गिरने की संभावना है, जबकि छत्तीसगढ़ में 4 अप्रैल को मौसम बिगड़ सकता है। पश्चिम बंगाल, सिक्किम, ओडिशा और झारखंड में भी अगले 5 दिनों तक बारिश का दौर बना रहेगा। पूर्वोत्तर की ओर नजर डालें तो असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा और गुजरात के कुछ हिस्सों में भी छिटपुट बारिश की उम्मीद जताई गई है। गर्मी के इस मौसम में अचानक हुई इस बेमौसमी बरसात और ओलावृष्टि ने न केवल तापमान में गिरावट दर्ज की है, बल्कि फसलों के लिए भी संकट पैदा कर दिया है।

चुनाव परिणाम के बाद हिंसा रोकने के लिए चुनाव आयोग ने उठाया कदम

बंगाल में तैनात रहेंगी केंद्रीय पुलिस बल की 500 कंपनियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। इस बीच चुनाव आयोग ने बड़ा फैसला लिया है। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को घोषणा की कि बंगाल में वोटिंग पूरी होने के बाद भी कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स के जवान तैनात रहेंगे। एक प्रेस नोट में चुनाव आयोग ने कहा कि सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की 500 कंपनियां चुनाव के बाद कानून और व्यवस्था की ड्यूटी के लिए अगले निर्देश जारी होने तक राज्य में रहेंगी।

चुनाव आयोग ने ये कदम चुनाव नतीजों की घोषणा के बाद शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उठाया है। चुनाव आयोग ने कहा कि मतगणना पूरी होने के बाद भी अगले आदेश तक सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की 500 कंपनियां चुनाव के बाद कानून और व्यवस्था की ड्यूटी के लिए पश्चिम बंगाल में तैनात रहेंगी। इसके अलावा चुनाव आयोग ने खास तौर पर चुनाव के इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा के लिए सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की 200 कंपनियों को बनाए रखने का भी फैसला किया है। इन फोर्स को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, स्ट्रॉन्ग रूम और काउंटिंग सेंटर की सुरक्षा का काम सौंपा जाएगा, और ये काउंटिंग प्रोसेस पूरी तरह से पूरा होने तक वहीं रहेंगी। बयान में आगे कहा गया, ईवीएम/स्ट्रांग रूम और काउंटिंग सेंटर की सुरक्षा व्यवस्था के लिए सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की 200 कंपनियां राज्य में रहेंगी और राज्य में काउंटिंग पूरी होने तक तैनात रहेंगी।

उम्र के आधार पर तय होगा नाबालिग सोशल मीडिया पर सक्रिए रहेंगे या नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार बच्चों और किशोरों द्वारा सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल और उससे जुड़े जोखिमों को देखते हुए नए दिशा-निर्देश तैयार करने पर विचार कर रही है। सरकार का उद्देश्य सोशल मीडिया पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के बजाय एक ऐसा संतुलित मॉडल विकसित करना है, जिसमें उम्र के आधार पर अलग-अलग स्तर की पहुंच और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इस महत्वपूर्ण विषय पर उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ गहन चर्चा का दौर जारी है।

प्रस्तावित नियमों के तहत मुख्य रूप से पेरेंटल कंट्रोल यानी अभिभावकों के नियंत्रण को मजबूत करने, स्क्रीन टाइम की एक निश्चित सीमा तय करने और कुछ संवेदनशील फीचर्स पर रोक लगाने जैसे सुझावों पर ध्यान दिया जा रहा है। वर्तमान में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर उम्र की जांच के पुख्ता इंतजाम न होने के कारण बच्चे गलत जानकारी देकर आसानी से अकाउंट बना लेते हैं, जिसे रोकने के लिए सरकार अब अधिक प्रभावी और तकनीकी रूप से उन्नत पहचान प्रणालियों पर विचार कर रही है। हालांकि, अभी यह तय होना बाकी है कि न्यूनतम उम्र सीमा 13 वर्ष रखी जाए या इसे बढ़ाकर 16 वर्ष किया जाए। इस योजना के क्रियान्वयन में सबसे बड़ी चुनौती ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बीच देखी जा रही है, जहां अक्सर एक ही मोबाइल फोन पूरे परिवार द्वारा साझा किया जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी स्थिति में उपयोगकर्ता की सटीक उम्र की पहचान करना और नियमों को कड़ाई से लागू करना काफी जटिल होगा। साथ ही, यदि उम्र सीमा 16 या 18 वर्ष तय की जाती है, तो डिजिटल पहुंच सीमित होने और गोपनीयता (प्राइवेसी) से जुड़े नए कानूनी सवाल भी खड़े हो सकते हैं। सरकार का प्राथमिक लक्ष्य बच्चों को ऑनलाइन उपलब्ध हानिकारक सामग्री और साइबर खतरों से सुरक्षित रखना है। इसके लिए आईटी नियमों में आवश्यक संशोधन किए जा सकते हैं ताकि प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही तय की जा सके। फिलहाल, सभी संबंधित पक्षों से राय ली जा रही है और एक व्यापक विचार-विमर्श के बाद ही इस दिशा में अंतिम निर्णय लिया जाएगा, ताकि डिजिटल सुरक्षा और सूचना तक पहुंच के बीच एक सही संतुलन बना रहे।

चयनित ग्रुप-डी उम्मीदवारों का होगा बायोमीट्रिक सत्यापन

चंडीगढ़, 30 मार्च- हरियाणा सरकार ने विज्ञापन संख्या 01/2023 के तहत चयनित कॉमन कैडर ग्रुप-डी के 13,246 कर्मचारियों का बायोमीट्रिक सत्यापन कराने का निर्णय लिया है। इन कर्मचारियों का बायोमीट्रिक सत्यापन राज्य के विभिन्न मंडलों में मंडल आयुक्तों तथा पंचकूला में उपायुक्त, पंचकूला के स्तर पर किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अंबाला मंडल में 20 अप्रैल, 2026 को 1,451 उम्मीदवारों का बायोमीट्रिक सत्यापन किया जाएगा। इनमें 1,417 कर्मचारी विभिन्न विभागों में तैनात हैं जबकि 34 कर्मचारी मंडल आयुक्त कार्यालय से संबद्ध हैं। करनाल मंडल में 21 अप्रैल, 2026 को कुल 1,662 उम्मीदवारों का सत्यापन किया जाएगा। इनमें से 1,584 कर्मचारी विभागों में कार्यरत हैं जबकि 78 कर्मचारी मंडल आयुक्त कार्यालय से संबद्ध हैं। रोहतक मंडल में 22 और 23 अप्रैल, 2026 को 3,750 उम्मीदवारों का सत्यापन किया जाएगा। इनमें से 3,389 कर्मचारी विभागों में कार्यरत हैं तथा 361 कर्मचारी मंडल आयुक्त कार्यालय से संबद्ध हैं। हिसार मंडल में 24 और 27 अप्रैल, 2026 को 2,918 उम्मीदवारों का बायोमीट्रिक सत्यापन किया जाएगा। इनमें 2,585 कर्मचारी विभागों में कार्यरत हैं जबकि 333 कर्मचारी मंडल आयुक्त कार्यालय से संबद्ध हैं। फरीदाबाद मंडल में 28 अप्रैल, 2026 को 960 अभ्यर्थियों का सत्यापन किया जाएगा, जिनमें 954 विभागों में कार्यरत हैं तथा 6 कर्मचारी मंडल आयुक्त कार्यालय से संबद्ध हैं। गुरुग्राम मंडल में 29 अप्रैल, 2026 को 1,841 अभ्यर्थियों का उम्मीदवारों का सत्यापन किया जाएगा, जिनमें 1,801 विभागों में कार्यरत हैं तथा 40 कर्मचारी मंडल आयुक्त कार्यालय से संबद्ध हैं। पंचकूला में 30 अप्रैल, 2026 को 664 अभ्यर्थियों का बायोमीट्रिक सत्यापन किया जाएगा। इनमें चंडीग ?, पंचकूला तथा विभिन्न विभागों एवं मंडल आयुक्त कार्यालयों से सम्बद्ध शेष अभ्यर्थी शामिल होंगे। सभी मंडल आयुक्तों तथा उपायुक्त, पंचकूला से अनुरोध किया गया है कि वे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बायोमीट्रिक सत्यापन के सुचारू संचालन हेतु आवश्यक स्टाफ एवं संसाधन उपलब्ध करवाएं। साथ ही सत्यापन के उपरांत उपस्थित, अनुपस्थित तथा सत्यापित उम्मीदवारों की संख्या संबंधी रिपोर्ट भी उपलब्ध करवाने को कहा गया है। सभी विभागाध्यक्षों से भी अनुरोध किया गया है कि वे विज्ञापन संख्या 01/2023 के तहत चयनित कॉमन कैडर ग्रुप-डी कर्मचारियों को निर्धारित तिथियों के अनुसार बायोमीट्रिक सत्यापन के लिए भेजना सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त विभागवार एवं मंडलवार नोडल अधिकारी नामित करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

हनुमान जन्मोत्सव पर राजेन्द्र नगर में सेवादार ट्रस्ट द्वारा भव्य विशाल भंडारे का आयोजन, श्रद्धालुओं ने लिया प्रसाद हनुमान जन्मोत्सव में उमड़ा भक्तों का जनसैलाब

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ सह सयोजक प्रमुख समाजसेवी एवं बीजेपी नेता रामदास मलिक तथा सेवादार ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल मलिक द्वारा दिल्ली न्यू राजेन्द्र नगर, पम्पोश रोड, स्थित क्षेत्रवासियों ने हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर इस वर्ष सेवादार संस्था का भव्य विशाल भंडारे का आयोजन देखने को मिला। पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा, जहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु भगवान हनुमान के दर्शन करने और प्रसाद ग्रहण करने के लिए पहुंचे। आयोजन स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जिससे हर तरफ उत्सव की छटा बिखरी हुई थी। सुबह से ही मंदिरों में पूजा-अर्चना का दौर शुरू हो गया था। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भगवान हनुमान की पूजा की, चोला चढ़ाया और सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन का आयोजन भी किया गया, जिसमें भक्तगण पूरे उत्साह के साथ शामिल हुए। जय बजरंगबली, के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। इस अवसर पर दिल्ली प्रदेश भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ सह सयोजक प्रमुख समाजसेवी एवं बीजेपी नेता रामदास मलिक ने कहा कि विशाल भंडारे में पूड़ी, सब्जी, हलवा और अन्य प्रसाद की व्यवस्था की गई थी। श्रद्धालुओं को भारी भी ? के बावजूद व्यवस्थाएं काफी सुव्यवस्थित रहीं। स्वयंसेवकों की टीम लगातार सेवा में लगे रहे और हर आने वाले व्यक्ति को प्रेमपूर्वक प्रसाद वितरित किया गया। भाजपा क्षेत्रीय युवा नेता राहुल मलिक ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी भंडारे का आयोजन पूरे श्रद्धा भाव के साथ किया गया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से समाज में एकता और भाईचारे की भावना को ब ?ावा मिलता है। उन्होंने यह भी बताया कि इस कार्यक्रम में युवाओं की भागीदारी विशेष रूप से सराहनीय रही, जिन्होंने बढ़-चढ़कर सेवा कार्यों में हिस्सा लिया। भक्तों ने भी इस आयोजन की सराहना की। अंत में क्षेत्रीय भाजपा युवा

नेता और सेवादार ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल मलिक ने कि ऐसे आयोजन हमें आध्यात्मिक ऊर्जा देते हैं और समाज को जो ?ने का कार्य करते हैं। वहीं, कई लोगों ने इसे अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए हर वर्ष इसमें शामिल होने की इच्छा जताई। महिलाओं और बच्चों की भी बडी संख्या इस आयोजन में देखने को मिली। महिलाओं ने भजन-कीर्तन में भाग लिया, वहीं बच्चों ने भी प्रसाद वितरण और सेवा कार्यों में सहयोग किया। आर.डी. मलिक ने समापन में कहा कि राजेंद्र नगर में आयोजित यह भव्य हनुमान जन्मोत्सव कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक एकता का प्रतीक बनकर उभरा। भक्तों के उत्साह और आयोजकों की मेहनत ने इस आयोजन को यादगार बना दिया। इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से न केवल आध्यात्मिक शांति मिलती है, बल्कि समाज में सहयोग, सेवा और समर्पण की भावना भी मजबूत होती है। राजेंद्र नगर का यह आयोजन इसी का एक सुंदर उदाहरण प्रस्तुत करता है।

डिजिटल गवर्नेंस, कौशल विकास और भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम पंजाब के भविष्य को बदल रही है: मुख्यमंत्री मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने आगे कहा कि हुनर विकास मिशन शुरू किया गया है, जिसके तहत अमृतसर, बठिंडा, होशियारपुर, जालंधर और लुधियाना में पांच बहु-हुनर विकास केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों में अब तक 1.25 लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया है, जिनमें से 73,250 को रोजगार भी मिल गया है। उन्होंने बताया कि माइक्रोसॉफ्ट और आईबीएम जैसी कंपनियों के साथ एआई, साइबर सिक्योरिटी और क्लाउड टेक्नोलॉजी में प्रशिक्षण के लिए एमओयू साइन किए गए हैं। रोजगार पहलों का विवरण देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि 1,799 स्वरोजगार कैंपों ने 1,99,000 युवाओं को व्यवसाय शुरू करने के लिए ऋण हासिल करने में मदद की और 6,724 प्लेसमेंट कैंपों तथा नौकरी मेलों ने लाखों युवाओं को रोजगार हासिल करने में मदद की। उन्होंने आगे कहा कि 11 प्रशिक्षण केंद्रों का आधुनिकीकरण करने के साथ-साथ तीन नए कैंप स्थापित किए गए हैं और 36,342 युवाओं को फौज, जल सेना, वायु सेना और अर्धसैनिक बलों में भर्ती के लिए प्रशिक्षण दिया गया है, जिनमें से 5,509 भर्ती हो चुके हैं। रक्षा प्रशिक्षण संस्थानों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्से ? प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट ने 218 ल ?कों को प्रशिक्षण दिया है, जिनमें से 106 एनडीए और अन्य अकादमियों के लिए चयनित हुए हैं तथा 85 कमीशंड अधिकारी बन चुके हैं। वहीं माई भागो आर्म्ड फोर्से ? प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट ने 199 ल ?कियों को प्रशिक्षण दिया है, जिनमें से 24 कमीशंड अधिकारी बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि होशियारपुर में जल्द ही एक नया इंस्टीट्यूट शुरू किया जाएगा। डिजिटल गवर्नेंस पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब डिजिटल पंजाब बनने की ओर कदम ब ?ा रहा है क्योंकि 544 सेवा केंद्र 465 से अधिक सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि लगभग 30 लाख लोग इन केंद्रों से हर महीने सेवाएं ले रहे हैं, यानी रोजाना एक लाख लोग सेवाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हैं और अब तक 8,20 करो ? डिजिटल सेवाएं प्रदान की जा चुकी हैं। उन्होंने आगे कहा कि जन्म, मृत्यु और विवाह जैसे प्रमाण-पत्र एसएमएस और व्हाट्सएप के माध्यम से भेजे जा रहे हैं तथा एक करो ? से अधिक प्रमाण-पत्र डिजिटल रूप में भेजे गए हैं। उन्होंने कहा कि सेवाओं की बकाया दर में भारी कमी आई है, जो 14 प्रतिशत से घटकर सिर्फ 0.52 प्रतिशत रह गई है। नागरिक-केंद्रित पहलकमियों को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि 'भगवंत मान सरकार तुम्हारे द्वार' स्कीम दिसंबर 2023 में लुधियाना से शुरू की गई थी, जिसके तहत नागरिक 1076 हेल्पलाइन के माध्यम से घर बैठे 437 सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह स्कीम खास तौर पर बुजुर्गों और दफ्तरों में जाकर अपना काम करवाने में असमर्थ लोगों के लिए अधिक मददगार साबित हो रही है तथा अब तक 2.66 लाख लोग इसका लाभ ले चुके हैं। आपदा राहत सुधारों के बारे में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब ने देश में अपनी तरह की पहली डिजिटल बा ? मुआवजा प्रणाली पेश की है। उन्होंने आगे कहा कि 3,700 गांवों में डिजिटल तरीके से मुआवजे का वितरण किया गया है, जिसने पूरी पारदर्शिता के साथ सही लोगों तक राहत पहुंचाने को सुनिश्चित किया है। जमीन सुधारों के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि 'ईजी रजिस्ट्री' ने तहसील दफ्तरों से भ्रष्टाचार को खत्म कर दिया है और जुलाई 2025 से अब तक छह लाख से अधिक दस्तावेज रजिस्टर किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि बिचौलिया प्रणाली को खत्म कर दिया गया है और रजिस्ट्रेशन अब एक क्लिक से ऑनलाइन करवाई जा सकती है। उन्होंने आगे कहा कि सब-रजिस्ट्रार 48 घंटों के अंदर-अंदर आपत्ति उठा सकते हैं और उच्च अधिकारी इसकी समीक्षा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि लोग जिले के किसी भी सब-रजिस्ट्रार दफ्तर से अपनी संपत्ति रजिस्टर करवा सकते हैं और व्हाट्सएप के माध्यम से रीयल-टाइम अपडेट्स प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि रिश्वतखोरी के लिए शिकायत दर्ज करवाने का ऑप्शन और 'ड्राफ्ट माई डीड' विशेषता भी प्रदान की गई है। ट्रांसपोर्ट सुधारों को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब में पहली बार फेसलेस आरटीओ सेवाएं पेश की गई हैं, जो एक ब ?ी डिजिटल तब्दीली को दर्शाती हैं। उन्होंने आगे कहा कि अब आरटीओ दफ्तरों में जाने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि लाइसेंस और आरसी समेत 56 सेवाएं पूरी तरह फेसलेस कर दी गई हैं, जो हेल्पलाइन 1076 और सेवा केंद्रों के माध्यम से उपलब्ध हैं, जिससे अब तक 25,236 लोगों को लाभ मिला है। सरकार के भ्रष्टाचार विरोधी रुख को दोहराते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध 'कतई ना बर्दाश्त' नीति अपनाई है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में 23 मार्च, 2022 को भ्रष्टाचार विरोधी एक्शन लाइन भी शुरू की गई थी। उन्होंने आगे कहा कि इस हेल्पलाइन पर 12,218 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 10,820 संबंधित विभागों को और 1,398 विजीलेंस ब्यूरो को भेजी गई हैं। उन्होंने आगे कहा कि सही मामलों में कार्रवाई करते हुए 275 एफआईआर दर्ज की गई हैं और 341 मुलजिमों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें 16 गजेटेड अधिकारी, 161 सरकारी कर्मचारी, 88 पुलिस कर्मचारी और 77 आम व्यक्ति शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि विजीलेंस ब्यूरो ने 487 छापेमारी करते हुए 1,215 मुलजिमों के विरुद्ध 534 केस दर्ज किए हैं। इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बताया कि 112 गजेटेड अफसरों, 162 सरकारी मुलाजिमों और 83 निजी व्यक्तियों समेत 357 व्यक्तियों के खिलाफ जांच चल रही है। उन्होंने आगे कहा कि 143 केसों में दोषियों को सजा सुनाई गई है और कई मुलाजिमों को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सिर्फ चार साल का रिपोर्ट कार्ड है और आने वाले समय में भी ऐसे लोग भलाई प्रयास जारी रहेंगे। एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि देश की हालत इस हद तक अजीबोगरीब बन गई है और देश में जो भी बुरा हुआ है, उसके लिए नेहरू को, दिल्ली के लिए अरविंद केजरीवाल को और पंजाब व चंडीग ? के लिए मुझे जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा सब कुछ सियासी विरोधियों के नाम पर थोपकर अपनी जिम्मेदारी से भाग रही है, जबकि 15 लाख रुपये के वादे से लेकर एमएसपी तक कुछ भी नहीं दिया गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा शब्दों की खेल और कठपुतलियों की तरह विरोधियों को निशाना बनाकर अपनी जिम्मेदारी से भाग नहीं सकती। किसान भलाई के बारे में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि सरकार किसानों की जमीनों के नीचे हाई टेंशन तारें डालने की संभावना की प ?ताल कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि यह प्रभावशाली योजना किसानों को लाभ पहुंचाने और फसलों के जोखिम को कम करने के लिए जल्द ही लागू की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि यह प्रोजेक्ट मेरे पैतृक गांव से शुरू होगा जहां 2,000 एक ? में 413 ट्यूबवेल मोटरें और 1,100 बिजली के खंभे मौजूद हैं, जिन्हें जमीनदोज करने का काम जल्द ही शुरू हो जाएगा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि 'जगत ज्योत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सतिकार एक्ट, 2008' में संशोधन के लिए बैसाखी के मौके पर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि इस एक्ट के तहत बेअदबी की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति को न्यूनतम 10 साल से लेकर उम्र कैद तक की सख्त सजा का सामना करना प ?ेगा। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित संशोधनों के बारे में संत समाज और कानूनी विशेषज्ञों से सलाह-मशविरा चल रहा है। आढतियों की चिंताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि आ ?तियों को हरियाणा में कारोबार करने की पूरी छूट है और वे यह भी बताना चाहते हैं कि उनके मुद्दे सिर्फ केंद्र द्वारा ही हल किए जा सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि मैंने उनकी जायज मांगों को भारत सरकार के सामने कई बार उठाया है लेकिन केंद्र की ओर से इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया।

NAME CHANGE
I hitherto known as Rajkumari W/o Jatin Kumar R/o Ghodi Bachheda, Ghori, Dadri, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201310 have changed my name and shall hereafter be known as Renu.

NAME CHANGE
I hitherto known as VIJAY KUMAR SHARMA S/o LALIT MOHAN SHARMA R/o FLAT NO.- 1061, TOWER NO.:- 4, BLOCK - A, GH - 7, CROSSING REPUBLIC, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH - 201016 have changed my name and shall hereafter be known as AJAY BHARDWAJ.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sartaj Khan S/o Reyaz Uddin R/o R-925, Near Rabbani Masjid, Aryanagar, Loni, Loni S.O. Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 have changed my name and shall hereafter be known as Sarfaraz.

NAME CHANGE
I hitherto known as Manish S/o Raja Ram R/o H No-189, H Block, Jawahar Nagar, Loni Dehat, Loni, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 have changed my name and shall hereafter be known as Manish Kumar.

सार्वजनिक सूचना
यह सार्वजनिक रूप से सूचित किया जाता है कि **श्रेया आई सेंटर, डी-163, सूरजमल विहार, दिल्ली-110092, 31 मार्च 2021** तक आंतरिक चिकित्सा विभाग (आईपीडी) और ओपीडी (ओपीडी) दोनों के **चिकित्सा रिकॉर्ड नष्ट** कर रहा है। इच्छुक व्यक्ति सूचना विज्ञापन प्रकाशित होने के **7 दिनों** के भीतर संपर्क कर सकते हैं।
प्राधिकरण
(डॉ. रुबी गुप्ता)
चिकित्सा अधीक्षक, श्रेया आई सेंटर

NAME CHANGE
I, Mangay Khan S/o Nazir Khan R/o H.No.B-14/34, Gali No.14, Subhash Vihar, North Ghonda, Garhi Mendu, Delhi-110053 have changed my name to Mangey Khan.

NAME CHANGE
I, Dinesh Jain S/o Girja Prasad Jain R/o Dayanand Gali, 9/5685, Main Road Old Seelampur, Gandhi Nagar, Delhi-110031 have changed my name to Dinesh Kumar Jain.

NAME CHANGE
I ABDUL JABBAR QURESHI S/O ABDUL SHAKOOR R/O Kh.no-115, 100 futa road, Near fazle Karim Masjid Prem Nagar Loni Ghaziabad Uttar Pradesh 201102 HAVE CHANGED MY NAME TO ABDUL JABBAR

NAME CHANGE
I ISHRAT JAHAN W/O ABDUL JABBAR R/O Kh -115, 100 Futa Road, Near Fazle Karim Masjid, Prem Nagar Loni Ghaziabad Uttar Pradesh 201102 HAVE CHANGED MY NAME TO ISHRAT

NAME CHANGE
I Mohammad Smile S/o Sharafat khan R/o S/O Sharafat Khan, H no C 39 A, Gali no 2 kh. no. 350, guru nank dev colony, Bhalswa dairy, Libas Pur, PO: Libas Pur, DIST: North West Delhi, Delhi-110042 have changed my name to Md Smile Khan for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
I, AMAN KHAN S/O TASLIM R/O H.NO. 245, GALI NO.-6, SHYAM COLONY, SEHATPUR, AMARNAAR, PO: AMARNAAR, DIST: FARIDABAD, HARYANA-121003, hereby undertake that I AMAN KHAN want to change my name to SANA KHAN and gender as FEMALE I AMAN KHAN henceforth be known as SANA KHAN D/O TASLIM. The above statement made by me is true & correct to the best of my knowledge and belief. If any arises in this regard at any stage, I will be personally responsible for the same and, the of Publication will not be liable for any consequences arising therefrom. I hitherto known as AMAN KHAN S/O TASLIM R/O H.NO. 245, GALI NO.-6, SHYAM COLONY, SEHATPUR, AMARNAAR, PO: AMARNAAR, DIST: FARIDABAD, HARYANA-121003, have changed my name and shall hereafter be known as SANA KHAN. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, SOHON PANIKA S/O DAU PANIKA R/O H NO-628, FLAT NO-D-2, BANK COLONY, VILLAGE DEVLI, DELHI-110062, have changed my name to SOHAN PANIKA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Mohd. Ashraf, s/o Mohd. Sami. R/o H No. D-25, 3rd floor Lane No. 7, Noor Nagar Extn, Johri Farm, sukhdev vihar South Delhi. Declared that my father name mentioned on various documents—as Mohammad Sami, Mohd. Sami, and Mohd. Shami however, these all refer to one and the same person

NAME CHANGE
I, PURUSHAUTAM VERMA S/O KANHAIYA LAL R/O H NO- J-118/8 NEAR BY DURGA MANDIR GALI NO -8 SAURABH VIHAR JAITPUR BADARPUR NEW DELHI 110044, have changed my name to PURUSOTTAM VERMA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, DINESH CHAUHARY S/O DEVENDER KUMAR R/O H NO 110 GALI NO 57A NEAR SABJI MANDI MOLARBAND EXTN BADARPUR SOUTH DELHI - 110044, have changed my name to DINESH CHAUDHARY for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SANJEEV MATHUR S/O ITWARI LAL R/O H NO-141, FIRST FLOOR, GAUTAM PURI, PHASE -1, BADARPUR, SOUTH DELHI-110044, have changed my name to SANJEEV KUMAR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, PUSHPAANJLI D/O SANTOSH KUMAR R/o 27 SHEETLA COLONY BLOCK-D 5 MAIN ROAD GURGAON-122001 HARYANA HAVE CHANGED MY NAME TO PUSHPAANJALI FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE
I, KAKARLA NAVEENA wife of No.-14661532K, Rank-HAV, Name-GUMMADI DHILLESWARA RAO residing at 6-44, PRAGADA PUTTUGA, KAVITI, SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532322, have changed my name from KAKARLA NAVEENA to GUMMADI NAVEENA for all future purposes vide Affidavit dated 03/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, CHANDAN PANDAY S/O RAMDEV PANDAY R/O B-85, GALI NO-2 HARDEV NAGAR, JHARODA MAJRA, BURARI, DELHI-110085, have changed my name to CHANDAN PANDEY for all future purpose.

NAME CHANGE
I, NITU PANDEY / NEETU PANDAY W/O CHANDAN PANDEY R/O B-85, GALI NO-2 HARDEV NAGAR, JHARODA MAJRA, BURARI, DELHI-110085, have changed my name to NEETU PANDEY for all future purpose.

NAME CHANGE
It is for general information that I HAYAT SINGH S/O BHIM SINGH BHANDARI R/O G-114, Plot No. 34, Galaxy Apartment, Street No-5, Near Dda Park, Palam Colony, Raj Nagar Part-2, Raj Nagar Part-2, South West Delhi, Delhi-110077 declare that name of mine and my wife has been wrongly written as HAYAT SINGH BHANDARI and DHANESHWARI in my minor son namely MILAN SINGH BHANDARI aged 15 years in his Birth Certificate No-MCDOLIR-0110-004548295 and name of mine and my wife has been wrongly written as HS BHANDARI and DHANESHWARI DEVI in his School Records. The actual name of mine and my wife are HAYAT SINGH and DHANESHWARI BHANDARI respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, No-14831075W Rank-HAV/MT, Name-VINOD KUMAR YOGI Presently residing VILL-LANGER BAS, TEH-KISHANGER BAS, DIST-ALWAR, RAJASTHAN-301405, have changed my father's name from SHRI RAMJILAL to RAMJI LAL for all future purposes vide Affidavit dated 03/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I No-14870711P Rank-SEP/MT Name-CHANDRA BADAN Presently residing at VILL-BARAYABHAR URF NAKHA, PO-BIGHI, TEH-KHAJNI, DIST-GORAKHPUR, UTTAR PRADESH-273212, have changed my mother's name from MEWATI DEVI to MEVATI for all future purposes vide Affidavit dated 03/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, BHUMIKA SACHIN SARVE Wife of No-14852524N Rank-L/NK Name-SARVE SACHIN TUKARAM Presently residing at VPO-PIPRI, TEH+DIST-BHANDARA, MAHARASHTRA-441906, have changed my name from BHUMIKA SACHIN SARVE to BHUMIKADEVI SACHIN SARVE for all future purposes vide Affidavit dated 03/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-14852524N Rank-L/NK Name-SARVE SACHIN TUKARAM Presently residing at VPO-PIPRI, TEH+DIST-BHANDARA, MAHARASHTRA-441906, have changed my father's name from TUKARAM to TUKARAM LAXMAN SARVE for all future purposes vide Affidavit dated 03/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I No-14852524N Rank-L/NK Name-SARVE SACHIN TUKARAM Presently residing at VPO-PIPRI, TEH+DIST-BHANDARA, MAHARASHTRA-441906, have changed my mother's name from SARVE LASHMI TUKARAM to LAXMI TUKRAM SARVE for all future purposes vide Affidavit dated 03/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Indu Rani D/o Prakash Chand W/o Mohd Javed R/o D-52, Gali No-18, Chauhan Bangar, Brahmpuri -110053 have Changed my name and shall hereafter be known as Zainab.

NAME CHANGE
I, SITA RAM SWAMI Father of JC-393712L Rank-NB SUB Name-GANESH MAL SWAMI Presently residing at PANI PLANT AREA, BUDHWALI, PO-BHOJASAR, DIST-CHURU, RAJASTHAN-331505, have changed my name from SITA RAM SWAMI to SITA RAM for all future purposes vide Affidavit dated 03/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SANTOSH SWAMI Mother of JC-393712L Rank-NB SUB Name-GANESH MAL SWAMI Presently residing at PANI PLANT AREA, BUDHWALI, PO-BHOJASAR, DIST-CHURU, RAJASTHAN-331505, have changed my name from SANTOSH SWAMI to SANTOSH DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 03/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-6501176L Rank-NK/CHEF Name-BHADAURIYA AJIT SINGH Presently residing at HOUSE NO 1, RAVI ROW HOUSE SOCIETY KUBER NAGAR, AHMEDABAD, GUJARAT, have changed my son's name from KAYRA to KAYRA AJIT SINGH BHADAURIYA for all future purposes vide Affidavit dated 03/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-14858767P Rank-SEP/MT Name-MARIMUTHU P Presently residing at VPO-A AMMAPATTI, TEH-TIRUMANGALAM, DIST-MADURAI, TAMIL NADU-625706, have changed my mother's name from P PANDI YAMMAL to PANDIYAMMAL PRAMASIVAM for all future purposes vide Affidavit dated 03/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ARMA SASTIYA Wife of No-14859369A Rank-SEP/MT Name-NILESHBHAI NAJRUBHAI Presently residing at VILL-SIMALKUVA, PO-BHORDA, TEH+DIST-CHHOTAUDEPUR, GUJARAT-391165, have changed my name from ARMA SASTIYA to RATHVA ARMABEN NILESHBHAI for all future purposes vide Affidavit dated 03/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-14855983X Rank-SEP/MT Name-DEEPAK S KAMIRE Presently residing at VPO-MANGUR, TEH-CHIKKODI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591215, have changed my father's name from SHASHIKANT to SHASHIKANT APPA KAMIRE for all future purposes vide Affidavit dated 03/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-14855983X Rank-SEP/MT Name-DEEPAK S KAMIRE Presently residing at VPO-MANGUR, TEH-CHIKKODI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591215, have changed my mother's name from KUSHALI to KUSHALI SHASHIKANT KAMIRE for all future purposes vide Affidavit dated 03/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, K ANDAMAL Mother of No-2615127K Rank-LHAV Name-BHARATI RAJA Presently residing at VILL-AYYAPATI, PO-OTTAKOILPATTI, TEH-MELUR, DIST-MADURAI, TAMIL NADU-625101, have changed my name from K ANDAMAL to ANDAMMA for all future purposes vide Affidavit dated 03/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, YALLAVVA Mother of No-2618582X Rank-HAV Name-BASAPPA VITTAL DIDAGANNAVAR Presently residing at VPO+TEH-YARAGATTI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591129, have changed my name from YALLAVVA to YALLAVVA VITTALA DIDAGANNAVARA for all future purposes vide Affidavit dated 03/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, VITTAL DIDAGANNAVAR Father of No-2618582X Rank-HAV Name-BASAPPA VITTAL DIDAGANNAVAR Presently residing at VPO+TEH-YARAGATTI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591129, have changed my name from VITTAL DIDAGANNAVAR to VITTAL BASAPPA DIDAGANNAVAR for all future purposes vide Affidavit dated 03/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, M ANJAMMAL Wife of JC-442002A Rank-SUB Name-S MANIKANNAN Presently residing at VPO-ERAVANGUDI, TEH-UDAYARPALAYAM, DIST-ARIYALUR, TAMIL NADU-621803, have changed my name from M ANJAMMAL to ANJAMMAL M for all future purposes vide Affidavit dated 03/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ESWARAMMA Mother of No-2607390A Rank-CHM Name-B CHANDRA PRABHAKAR Presently residing at VILL-KRISTAM PALLI, PO-NARASIMHUNI PALLI, TAL-GIDDALUR, DIST-PRAKASAM, ANDHRA PRADESH-523369, have changed my name from ESWARAMMA to BANALA ESWARAMMA for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 22/09/1959 instead of my correct date of birth as 01/01/1971 vide Affidavit dated 17/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, BRAHMAIAH Father of No-2607390A Rank-CHM Name-B CHANDRA PRABHAKAR Presently residing at VILL-KRISTAM PALLI, PO-NARASIMHUNI PALLI, TAL-GIDDALUR, DIST-PRAKASAM, ANDHRA PRADESH-523369, have changed my name from BRAHMAIAH to BANALA BRAHMAIAH for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 22/12/1956 instead of my correct date of birth as 28/02/1959 vide Affidavit dated 17/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MAHESWARI DEVI Wife of No-4084314H Rank-HAV Name-ANOOP SINGH Presently residing at VPO-PALETHI, TEH-DEVPRAYAG, DIST-TEHRI GARHWAL, UTTARAKHAND-249122, have changed my name from MAHESWARI DEVI to MAHESHWARI DEVI for all future purposes vide Affidavit Certificate No-IN-DL86614923225765Y dated 03/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-709628W Rank-NB SUB Name-DHOLE KISHOR VASANTRAO Father of ADVIK Presently residing at VPO-ANDHALGAON, TEH-MOHADI, DIST-BHANDARA, MAHARASHTRA-441914, have changed my minor son's name from ADVIK to ADVIK KISHOR DHOLE for all future purposes vide Affidavit dated 03/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-779662N Rank-NB SUB Name-JANI KRUNAL KUMAR CHIMAN LAL Father of DHRUV JANI Presently residing at 44 PANCHVATI PARK, NEAR ANUPAM VIDYALAY, NARODA, SAIJPUR BOGHA, AHMEDABAD, GUJARAT-382345, have changed my minor son's name from DHRUV JANI to DHRUV KRUNALKUMAR JANI for all future purposes vide Affidavit dated 03/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-779662N Rank-NB SUB Name-JANI KRUNAL KUMAR CHIMAN LAL Father of JANI KRUPALI Presently residing at 44 PANCHVATI PARK, NEAR ANUPAM VIDYALAY, NARODA, SAIJPUR BOGHA, AHMEDABAD, GUJARAT-382345, have changed my minor daughter's name from JANI KRUPALI to KRUPALI KRUNALKUMAR JANI for all future purposes vide Affidavit dated 03/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-779662N Rank-NB SUB Name-JANI KRUNAL KUMAR CHIMAN LAL Presently residing at 44 PANCHVATI PARK, NEAR ANUPAM VIDYALAY, NARODA, SAIJPUR BOGHA, AHMEDABAD, GUJARAT-382345, have changed my mother's name from MANJULA BEN to JANI MANJULABEN for all future purposes vide Affidavit dated 03/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-779662N Rank-NB SUB Name-JANI KRUNAL KUMAR CHIMAN LAL Presently residing at 44 PANCHVATI PARK, NEAR ANUPAM VIDYALAY, NARODA, SAIJPUR BOGHA, AHMEDABAD, GUJARAT-382345, have changed my wife's name from JANI DEVAL to DEVALBEN KRUNALKUMAR JANI for all future purposes vide Affidavit dated 03/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NOTICE
Public at large is hereby informed that Sh. Rajender Kumar Rathore S/o Late Sh. Sukh Lal Rathore is the owner of Property Bearing No. 2385, admeasuring 65 Sq. Yds., Situated at Basti Punjabian, Subzi Mandi, Delhi-110007 vide Relinquishment Deed dated 24.09.2025 executed by (1) Smt. Manju Rathore W/o Sh. Rajesh Rathore, (2) Sh. Ravinder Kumar Rathore S/o Late Sh. Sukh Lal Rathore, (3) Sh. Mahender Kumar Rathore S/o Late Sh. Sukh Lal Rathore and (4) Sh. Vijay Kumar Rathore S/o Late Sh. Sukh Lal Rathore in favour of Sh. Rajender Kumar Rathore S/o Late Sh. Sukh Lal Rathore in respect of undivided 4/5th Share Property Bearing No. 2385, admeasuring 65 Sq. Yds., as Doc No. 2025/19/I/12140, Book No. I, Volume No. 12774, on Page No. 47-58, SRO-I, Kashmere Gate, That (1) Original Conveyance Deed dated 07.09.1981 executed by POI through Department of Rehabilitation in favour of Sh. Jogender Singh S/o Sh. Ladha Singh in respect of Plot No. XII/2385, as Doc No. 4852, Book no. I, Volume No. 4053, SRO-Delhi. was lost 03/01/2026 duly reported to police as per police complaint dated 02/04/2026 in the police station North District/Crime Branch, Delhi, L.R No: 205978/2026. If anyone found the same may return to undersigned and if the same is misused shall be at his/her own risk. That my client intends to mortgage the said immovable property for her bonafide requirements to Cholamandalam Investment and Finance Company Ltd. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.
NEW DELHI
DATE: 3/4/2025
PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोहम्मद शकील पुत्र** लियाकत अली, **निवासी** ए-45, डीएलएफ साहिबाबाद, गाजियाबाद (उ0प्र0), ने **FIR No. 179/2025, U/S 21/61/85 NDPS Act, पुलिस स्टेशन क्राइम ब्रांच, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद शकील** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद शकील** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 179/2025, U/S 21/61/85 NDPS Act, पुलिस स्टेशन क्राइम ब्रांच, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **मोहम्मद शकील** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **07.05.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।
आदेशानुसार
श्री विरेन्द्र सिंह
DP/4352/Crime/2026 (Court Matter)
विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस), सैंट्रल जिला, कमरा नं0-222, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सीटी स्कैन और एमआरआई का रिकॉर्ड रखेंगे सभी जिला अस्पताल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक द्वारा राज्य के सभी सिविल सर्जनों और प्रधान चिकित्सा अधिकारियों को सीटी स्कैन और एमआरआई सेवाओं का रिकॉर्ड बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने इस बारे में निर्देश जारी करते हुए जिला नागरिक अस्पतालों में पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मोड पर संचालित सीटी स्कैन और एमआरआई सेवाओं के सुचारू संचालन एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया है। महानिदेशक के अनुसार, राज्य के जिला नागरिक अस्पतालों में वर्ष 2016 से सीटी स्कैन और एमआरआई सेवाएं पीपीपी मॉडल के तहत संचालित हो रही हैं। इन सेवाओं का लाभ बड़ी संख्या में जरूरतमंद मरीज प्रतिदिन उठा रहे हैं। वर्तमान में ये सुविधाएं बीपीएल कार्ड धारकों, दिव्यांग भत्ता प्राप्त करने वाले व्यक्तियों, अनुसूचित जाति वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, लावारिस सडक़ दुर्घटना पीड़ितों, हरियाणा सरकार के कर्मचारियों, पेंशनरों एवं उनके आश्रितों तथा एचआईवी से पीड़ित व्यक्तियों के लिए निःशुल्क उपलब्ध हैं।उन्होंने कहा है कि इन सुविधाओं के दुरुपयोग को रोकने और उचित रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि संबंधित श्रेणी के किसी भी मरीज को जांच की सलाह दिए जाने पर उसका इंडोर एडमिशन या डे-केयर फाइल अवश्य बनाई जाए।

हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष को हाईकोर्ट से मिली राहत

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने नारनौल की जिला अदालत में हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह के खिलाफ चल रहे कथित सीडी कांड मामले की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। इससे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को राहत मिली है। यह मामला नारनौल की अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हर्षाली चौधरी की अदालत में सूचीबद्ध था। इस मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) गुरुग्राम की ओर से अदालत में चार्जशीट दाखिल की गई थी। चार्जशीट को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी, जिस पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की आगे की कार्यवाही पर रोक लगा दी। यह मामला पलवल की 30 एकड़ जमीन के सीएलयू (चेंज ऑफ लैंड यूज) के बदले कथित तौर पर पैसों की मांग से जुड़े स्टिंग ऑपरेशन से संबंधित है। वर्ष 2013 में धर्मेंद्र नामक व्यक्ति ने इस मामले में स्टिंग ऑपरेशन किया था। बाद में वर्ष 2016 में इस संबंध में एफआईआर दर्ज की गई थी। इनेलो नेता रामपाल माजरा ने इस मामले की शिकायत लोकायुक्त को भी दी थी। कुछ समय पहले इनेलो द्वारा चंडीगढ़ में इस मामले से जुड़ी सीडी भी जारी की गई थी और इस पर पत्रकार वार्ता भी की गई थी। राव नरेंद्र सिंह के वकील ओपी यादव ने बताया कि चार्जशीट को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी, जिस पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने नारनौल की ट्रायल कोर्ट में चल रही कार्यवाही पर फिलहाल रोक लगा दी है। मामले की अगली सुनवाई हाईकोर्ट में होगी।

श्रम विभाग में वर्कस्लिप अनियमितताओं की जांच में वैलिड मिले श्रमिकों के लिए खुलेगा पोर्टल, री-एक्टीवेट होगी आईडी

चंडीगढ़। हरियाणा के श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि उनके द्वारा हरियाणा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में वर्कस्लिप (90 दिन कार्य रसीद) से जुड़ी अनियमितताओं कि जांच के लिए गठित की गई 22 जिलों की कमिटियों से रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है जिसमें लगभग 90 प्रतिशत वर्क स्लिप फर्जी पाई गई है। लेकिन 10 प्रतिशत वैध पाई गई वर्क स्लिप के श्रमिकों को बोर्ड द्वारा दिए जाने वाले लाभों के लिए जल्द ऐसे श्रमिकों की आईडी एक्टिवेट/पोर्टल खोला जाएगा। इसके अलावा, अवैध पाई गई वर्क स्लिप/श्रमिकों को सुनवाई का मौका दिया जाएगा, उसके लिए ऐसे श्रमिकों को अपना प्रतिवेदन बनाई जाने वाली समिति या ऑथोरिटी को देना होगा। इस संबंध में श्रम मंत्री अनिल विज द्वारा एक प्रस्ताव मुख्यमंत्री को भेजा गया था जिसे स्वीकृति दे दी है और अब श्रम मंत्री अनिल विज ने इस प्रस्ताव को सरकार द्वारा गठित की गई उच्च स्तरीय समिति को अनुशंसा हेतु भेजा गया है। विज ने बताया कि सरकार द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति की स्वीकृति प्राप्त होने के पश्चात ही इस प्रस्ताव में दी गई सिफारिशों को लागू किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि श्रम मंत्री की सतर्कता और पैनी निगाह के चलते गत दिनों श्रम विभाग के अंतर्गत संचालित हरियाणा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में लंबे समय से चली आ रही वर्कस्लिप (कार्य रसीद) से जुड़ी गंभीर अनियमितताओं का खुलासा गया था और प्रारंभिक जांच में यह घोटाला लगभग संभवतः 1500 करोड़ रूपए तक का होने की आशंका जताई गई है।

निवेश के नाम पर 79 लाख की ठगी में साइबर क्राइम थाना ने आरोपी दबोचा

कैथल। जिले में साइबर ठगी के मामलों पर पुलिस लगातार शिकंजा कस रही है। इसी कड़ी में थाना साइबर क्राइम की टीम ने इन्वेस्टमेंट के नाम पर करीब 79 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक मनप्रीत सिंह सूदन के निर्देश पर एएसआई विनोद कुमार की टीम द्वारा मामले की जांच की जा रही थी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजस्थान के दौसा जिले के गांव छतरी वाली ढाणी निवासी अशोक कुमार के रूप में हुई है।

मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर पंजीकरण के बिना नहीं मिलेगा किसानों को पास : डीसी

एजेंसी

गुरुग्राम। सरसों और गेहूं की खरीद व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए उपायुक्त अजय कुमार ने फर्रुखनगर अनाज मंडी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंडी में गेट पास व्यवस्था, वाहनों की एंट्री, बायोमेट्रिक सत्यापन प्रणाली और सुरक्षा इंतजामों की बारीकी से जांच की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान डीसी ने स्वयं एक किसान से बातचीत कर गेट पास बनवाने की पूरी प्रक्रिया की जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रक्रिया को और अधिक सरल व पारदर्शी बनाया जाए। उपायुक्त अजय कुमार ने निरीक्षण के दौरान कहा कि मंडी में किसानों की संख्या को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त संख्या में बायोमेट्रिक मशीनें लगाई जाएं ताकि किसानों को लंबा इंतजार न करना पड़े। इसके साथ ही उन्होंने मंडी के प्रवेश द्वार पर लगे सीसीटीवी कैमरों की कार्यक्षमता जांची और निर्देश दिए कि कैमरों का रुख आने-जाने वाले वाहनों की

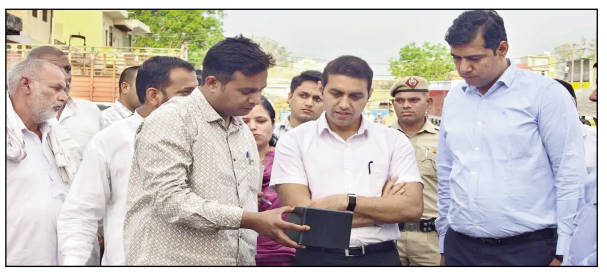

दिशा में सुनिश्चित किया जाए तथा वे 24 घंटे चालू स्थिति में रहें। डीसी अजय कुमार ने मार्केट कमेटी सचिव को निर्देश दिए कि मंडी में अनाज लेकर आने वाले प्रत्येक ट्रैक्टर-ट्रॉली के सामने उसका पंजीकरण नंबर स्पष्ट रूप से अंकित किया जाए। उन्होंने कहा कि गेट पास केवल निर्धारित समय सुबह छह बजे से रात आठ बजे तक ही जारी किए जाएं। इसके अलावा किसी भी स्थिति में पास जारी न किए जाएं। गेट पास मेरी फसल-मेरा ब्योरा पोर्टल पर दर्ज किसानों के सत्यापित रिकॉर्ड के आधार पर ही जारी करने के निर्देश भी दिए गए। हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के जिला प्रबंधक विनय यादव ने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार 28 मार्च से सरसों की खरीद 6200 रुपये प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर शुरू हो चुकी है, जबकि 1 अप्रैल से गेहूं की खरीद 2585 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी पर प्रारंभ कर दी गई है। उन्होंने बताया कि मंडी परिसर में किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए शिकायत रजिस्टर स्थापित किया गया है, जहां प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निवारण सुनिश्चित किया जा रहा है। इस अवसर पर पटौदी के एसडीएम दिनेश लुहाच, फर्रूखनगर के नायब तहसीलदार प्रतीक, जिला प्रबंधक विनय यादव, मार्केट कमेटी के चेयरमैन दौलतराम, सचिव विजय कुमार सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

उचाना चुनाव विवाद: आईएएस अधिकारी विवेक आर्य ने हाईकोर्ट में दी गवाही

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के उचाना विधानसभा चुनाव विवाद पर पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट में आईएएस अधिकारी विवेक आर्य की गवाही हुई। उन्होंने बताया कि पोस्टल बैलेट का रिवेरिफिकेशन कराया था। उस समय वहां पर सिर्फ अधिकारीगण, जीतने वाले पक्ष के लोग ही मौजूद थे। हारने वाले पक्ष का कोई भी व्यक्ति उस समय वहां मौजूद नहीं था। विधानसभा चुनाव के परिणाम के खिलाफ मार्च में बृजेंद्र सिंह ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। कहा था कि जो कैंसिल या रिजेक्ट वोट होते हैं, यदि उसका अंतर इलेक्शन की हार-जीत के अंतर से ज्यादा है, तो गिनती खत्म होने के बाद उन सभी कैंसिल वोटों की दोबारा से जांच रिटर्निंग अधिकारी को मौके पर करनी होती है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कांग्रेस प्रत्याशी बृजेंद्र सिंह ने कहा था कि 150 वोट केवल इसलिए कैंसिल किए गए हैं, क्योंकि पोस्टल बैलेट के लिफाफे के ऊपर जो स्कैनर था, उनकी स्कैनिंग नहीं हो पा रही थी, इसलिए वो रिजेक्ट के डिब्बे में डाले गए। जिन वोटों की स्कैनिंग नहीं होती, तो उन लिफाफों को कैसे खोलना है, इसकी भी प्रक्रिया है, जो गिनती के दौरान नहीं की गई। वोटों की जीत-हार का अंतर मात्र 32 वोटों का है, इसलिए यह काउंटिंग जरूरी थी। जुलाई 2025 में हाईकोर्ट में याचिका पर सुनवाई हुई। अत्री के वकील ने याचिका पर सवाल उठाए, लेकिन जज ने कहा कि अत्री को इतना डर क्यों लग रहा है। आईएएस अधिकारी से सवाल किया गया कि क्या उनके द्वारा हारने वाले प्रत्याशी को बुलाया गया था। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि उनके द्वारा माइक पर अनाउंस कराया था कि हम इस विधानसभा के पोस्टल बैलेट का रिवेरिफिकेशन करा रहे हैं, लेकिन इसका हमारे पास अभी कोई लिखित रिकार्ड नहीं है। गवाही पूरे होने के बाद अब पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट की ओर से दूसरे पक्ष यानी बीजेपी विधायक देवेंद्र अत्री से गवाहों की लिस्ट मांगी है।

हरियाणा में आठ नई पीएचसी के लिए 37.60 करोड़ मंजूर : आरती सिंह राव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में आठ नए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) के निर्माण के लिए 37.60 करोड़ की मंजूरी दी गई है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि इन नए पीएचसी के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। यह पीएचसी फतेहाबाद जिले के बनगांव और समैण, हिसार जिले के लाडवा, रोहतक जिले के गिरावड़ और समर गोपालपुर, सोनीपत जिले के फरमाणा और सरगथल तथा सिरसा जिले के मल्लेकन गांव में स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सिरसा जिले के मल्लेकन गांव में मौजूदा पीएचसी भवन को जर्जर और असुरक्षित घोषित किया जा चुका है, जिसके स्थान पर अब आधुनिक सुविधाओं से युक्त नया भवन बनाया जाएगा। वहीं अन्य गांवों में पहली बार पीएचसी भवनों का निर्माण किया जाएगा, जिससे आसपास के क्षेत्रों के लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उनके नजदीक ही मिल सकेंगी। आरती सिंह राव ने कहा कि इस परियोजना के लिए 1144 लाख की राशि 15वें वित्त आयोग के तहत और 2616.72 लाख राज्य बजट हेड 4210 से खर्च किए जाएंगे। इस प्रकार कुल परियोजना लागत 37.60 करोड़ आंकी गई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इन पीएचसी के निर्माण कार्य को पूरा करने में लगभग 18 से 24 महीने का समय लगेगा। परियोजना के सुचारु क्रियान्वयन के लिए धनराशि चरणबद्ध तरीके से जारी की जाएगी।

रेवाड़ी में शहीद फ्लाइट लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ यादव की स्मृति में 'स्मृति वाटिका' का लोकार्पण

एजेंसी

रेवाड़ी। हरियाणा सरकार में स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने जिले के गांव माजरा में शहीद फ्लाइट लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ यादव की स्मृति में निर्मित 'स्मृति वाटिका' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने वीर शहीद को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी शहादत पर पूरे देश और प्रदेश को गर्व है।

मंत्री आरती राव ने कहा कि सिद्धार्थ यादव ने अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि ऐसे वीर सपूतों की वजह से ही देश की सीमाएं सुरक्षित हैं और नागरिकों का जीवन सुरक्षित है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने शहीद के परिजनों पिता सुशील यादव, माता

सुशीला और बहन दिव्या से भेंट कर उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने आश्वस्त किया कि सरकार हर समय उनके साथ खड़ी है और शहीद परिवारों का सम्मान एवं उनकी देखभाल सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। आरती सिंह राव ने युवाओं से आह्वान किया कि वे शहीद सिद्धार्थ यादव के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं और राष्ट्र सेवा के लिए सदैव तत्पर रहें। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा और विकास में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और उन्हें सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। इस अवसर पर ग्रामीणों ने गांव माजरा में प्रस्तावित एम्स संस्थान के किसी विभाग का नाम शहीद सिद्धार्थ यादव के नाम पर रखने की मांग रखी। इस पर स्वास्थ्य मंत्री ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए कहा कि इस मांग को सरकार के समक्ष रखा जाएगा और इसे पूरा करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। कार्यक्रम में बावल के विधायक डॉ. कृष्ण कुमार ने भी शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बलिदान को नमन किया।

गेहूं खरीद नीति के नए नियमों के विरोध में किसानों का प्रदर्शन

एजेंसी

कैथल। शहर में भारतीय किसान यूनियन (एकता सिद्धपुर) के बैनर तले जिले भर से आए किसानों ने लघु सचिवालय में प्रदर्शन किया। किसानों ने सरकार की गेहूं खरीद नीति के नए दिशा-निर्देशों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को लेकर विरोध जताया।

प्रदर्शन से पहले सैकड़ों किसान गुरुवार सुबह लघु सचिवालय परिसर के पार्क में एकत्रित हुए। इसके बाद सभी किसान एकजुट होकर रैली के रूप में डीसी कार्यालय के बाहर पहुंचे और सरकार के नाम डीसी अपराजिता को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान किसानों ने कहा कि नए नियम उनकी समस्याएं बढ़ाने वाले हैं और फसल बेचने में अनावश्यक बाधाएं पैदा करेंगे। भारतीय किसान यूनियन (एकता सिद्धपुर) के प्रधान होशियार गिल प्योदा ने कहा कि इस बार सरकार ने गेहूं खरीद प्रक्रिया में ट्रैक्टर की एंट्री, बायोमेट्रिक सत्यापन और गेट पास प्रणाली लागू की है।

यह प्रक्रिया काफी जटिल और समय लेने वाली है, जिससे किसानों को घंटों इंतजार करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इससे मंडियों के बाहर लंबी कतारें लगेंगी और सड़कों पर जाम की स्थिति बनेगी।

किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि जो किसान किराए पर ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर आते हैं, उन्हें ज्यादा समय तक मंडी में खड़े रहने के कारण दोगुना किराया देना पड़ेगा, जिससे उनकी लागत और बढ़ जाएगी।

मंडी समय सीमित करने पर भी नाराजगी

किसानों ने मंडियों का समय सुबह छह बजे से रात आठ बजे तक सीमित रखने के फैसले पर भी नाराजगी जताई। उनका कहना है कि गेहूं सीजन के दौरान 24 घंटे गेट पास जारी किए जाने चाहिए ताकि फसल की निर्बाध आवक और बिक्री सुनिश्चित हो सके। किसानों ने उठान प्रक्रिया को तेज करने की भी मांग की, जिससे मंडियों में भीड़भाड़ कम हो सके। किसान नेताओं होशियार गिल, रमेश और बलवान ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द ही उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

हिसार में रोडवेज बस बंद होने से 250 बच्चों की पढ़ाई प्रभावित, अभिभावकों ने उपायुक्त से लगाई गुहार

एजेंसी

हिसार। केंद्रीय विद्यालय कैंट हिसार में पढ़ने वाले करीब 250 विद्यार्थियों के सामने आने-जाने की बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। हिसार रोडवेज द्वारा वर्षों से संचालित बस सेवा बंद किए जाने के बाद अभिभावकों ने उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर बसें दोबारा शुरू करने की मांग की है। अभिभावकों ने बताया कि हिसार डिपो की ओर से केंद्रीय विद्यालय कैंट के लिए दो बसें चलाई जाती थीं, जो पिछले करीब 20 वर्षों से नियमित रूप से सेवा दे रही थीं। इन बसों के माध्यम से शहर के विभिन्न क्षेत्रों आज़ाद नगर, कैमरी रोड, बस स्टैंड, मॉडल टाउन, जिंदल चौक, सेक्टर 9-11, सूर्य नगर, विद्युत नगर व सातरोड आदि से बच्चे स्कूल पहुंचते थे लेकिन हाल ही में इन बसों को बंद कर दिया गया, जिससे बच्चों और अभिभावकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में बताया गया कि स्कूल में पढ़ने वाले कई बच्चों के परिवार आर्थिक रूप से कमजोर हैं। कई अभिभावक नौकरी के सिलसिले में बाहर रहते हैं, जिसके चलते बच्चों को स्कूल छोड़ने और लाने की जिम्मेदारी बुजुर्गों पर रहती है। बस सेवा बंद होने के कारण अब बुजुर्गों के लिए बच्चों को स्कूल पहुंचाना मुश्किल हो गया है। छोटे बच्चों की उम्र भी महज 6 वर्ष के आसपास होने से उनकी सुरक्षा को लेकर अभिभावकों में चिंता बढ़ गई है। अभिभावकों ने चेतावनी दी कि यदि बस सेवा जल्द बहाल नहीं की गई तो बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो सकती है और कई विद्यार्थियों का भविष्य खतरे में पड़ सकता है। अभिभावकों ने प्रशासन से मांग की है कि बच्चों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हिसार रोडवेज की बसों को जल्द से जल्द दोबारा शुरू कराया जाए।

हरियाणा के चार विश्वविद्यालयों में भ्रष्टाचार की जांच शुरू

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने चार विश्वविद्यालयों के तीन मौजूदा व एक पूर्व कुलपति के खिलाफ जांच के आदेश दे दिए हैं। विश्वविद्यालयों में भ्रष्टाचार, भर्तियों में गड़बड़ी और नियमों के अनुपालन में कोताही के आरोप में राज्य सरकार ने आंतरिक जांच आरंभ कर दी है। राज्य सरकार को आरोपों के मजबूत दस्तावेज और प्रमाण मिले तो जांच का दायरा बढ़ाकर इसे स्टेट विजिलेंस एवं एंटी करप्शन ब्यूरो के पास भेजा जा सकता है।

हरियाणा एंटी करप्शन ब्यूरो के महानिदेशक अरशिंद्र सिंह चावला ने विश्वविद्यालयों में कुलपतियों के विरुद्ध आई शिकायतों की राज्य सरकार के स्तर पर जांच होने की पुष्टि की है, लेकिन इस बात से इनकार किया है कि एंटी करप्शन ब्यूरो के स्तर पर जांच हो रही है। राज्य में यह पहला मौका है, जब एक साथ प्रदेश के चार विश्वविद्यालयों में भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच राज्य सरकार के स्तर पर चल रही है। राज्य सरकार की जांच के दायरे में रोहतक स्थित महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी, हिसार स्थित गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी, मुरथल स्थित दीनबंधु छोटू राम यूनिवर्सिटी आफ साइंस एंड टेक्नोलाजी और कुरुक्षेत्र स्थित

●तीन मौजूदा व एक पूर्व वीसी के खिलाफ आई शिकायतों पर कार्रवाई

श्रीकृष्णा आयुर्वेदिक यूनिवर्सिटी शामिल हैं।महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी रोहतक के पूर्व कुलपति डा. राजबीर सिंह पर आरोप है कि उनके कार्यकाल के दौरान करीब 20 हजार पौधों की खरीद में गड़बड़ी और नियुक्तियों में अधिकार का गलत इस्तेमाल किया गया है। उनके विरुद्ध विश्वविद्यालय में विभिन्न कारणों के चलते बड़े आंदोलन भी चले। अपनी राजनीतिक पहुंच के चलते वह इनेलो, कांग्रेस और भाजपा तीनों सरकारों में लाबीइंग करने में कामयाब रहे। गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार में कुलपति प्रोफेसर नरसी राम पर भर्तियों में गड़बड़ी के बड़े पैमाने पर आरोप हैं। खासकर नान-टीचिंग स्टाफ से जुड़ी भर्तियों में उनकी कार्यप्रणाली पर अंगुली उठ रही है। मुरथल स्थित दीनबंधु छोटू राम यूनिवर्सिटी आफ साइंस एंड टेक्नोलाजी में स्टूडेंट फंड से लगभग 50 करोड़ रुपये के गबन से जुड़ी शिकायत राज्य सरकार के पास पहुंची है। फंड का फिक्स्ड डिपाजिट ज्यादा रिटर्न देने वाले सरकारी बैंक में रखने की बजाय दो साल के लिए कम ब्याज दर पर प्राइवेट बैंक में करवाया गया, जिससे काफी वित्तीय नुकसान हुआ। यह शिकायत एक छात्र की तरफ से की गई थी। एक फैक्ट-फाइंडिंग कमेटी ने पहले ही इस मामले की जांच कर ली थी और यूनिवर्सिटी प्रशासन को अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। कुरुक्षेत्र स्थित श्रीकृष्णा आयुर्वेदिक यूनिवर्सिटी के कुलपति पर नियमों की अनदेखी कर नियुक्तियां करने का आरोप है।

हरियाणा में आंधी-बारिश और ओलों का महा-सावधान अलर्ट, 50 की रफ्तार से चलेंगी तूफानी हवाएं

एजेंसी

हिसार/चंडीगढ़। हरियाणा के आसमान पर छाई 'काली घटाओं' ने राज्य में एक बार फिर खौफनाक सस्पेंस पैदा कर दिया है। पश्चिमी विक्षोभ (Western Disturbance) की 'विलेन' जैसी एंट्री के साथ ही मौसम विभाग ने पूरे प्रदेश में येलो और ऑरेंज अलर्ट का सायरन बजा दिया है। आज हरियाणा के अधिकांश जिलों में कुदरत का 'रौद्र रूप' देखने को मिल सकता है। दक्षिण हरियाणा के इलाकों में तो 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है, जिसका मतलब है कि यहाँ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलने वाली 'तूफानी' हवाएं और ओलावृष्टि (Hailstorm) तबाही मचा सकती हैं। बिजली कड़कने की घटनाएं भी किसी थ्रिलर फिल्म के सीन जैसी डरावनी हो सकती हैं।

फ्लैशबैक: हिसार, सिरसा और फतेहाबाद में मचा हाहाकार

बीती रात हिसार में जो मंजर दिखा, उसने सबको चौंका दिया। तेज हवाओं के साथ हुई 'जोरदार बारिश' ने रात के सन्नाटे को चीर दिया। सिरसा और फतेहाबाद में भी 'धूल भरी आंधी' ने अपना जलवा दिखाया। इससे पहले 31 मार्च को हुई बारिश ने प्रदेश के करीब 100 गांवों में गेहूं और सरसों की फसलों को भारी नुकसान पहुँचाया है।

लोकेशन डायरी: कहां होगा सबसे ज्यादा असर?

हॉटस्पॉट (दक्षिण व पश्चिम) : हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, भिवानी और महेंद्रगढ़ में आंधी और ओलों का 'डबल अटैक' होने वाला है।

थंडरस्टॉर्म (उत्तर व पूर्व) : अंबाला, पंचकूला और यमुनानगर में आसमानी बिजली गिरने का खतरा मंडरा रहा है।

मिडिल जोन : रोहतक, झज्जर और सोनीपत में हल्की से मध्यम बारिश की 'एंट्री' होगी। तापमान की बात करें तो गुरुग्राम 37.8°C के साथ सबसे 'हॉट' लोकेशन बना हुआ है।

हरियाणा के अस्पतालों में पानी के टैंकों की होगी सफाई

● नूंह की घटना के बाद स्वास्थ्य सचिव ने जारी किए आदेश

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के नूंह स्थित सरकारी अस्पताल में पानी की टंकियों में मृत बंदर मिलने की घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आयुष, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने राज्य के सरकारी मेडिकल संस्थानों, विश्वविद्यालयों और स्वास्थ्य केंद्रों में पानी के सभी टैंकों की तत्काल जांच और सफाई के निर्देश जारी किए हैं।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि समय-समय पर संज्ञान में आया है कि कई संस्थानों में पानी के टैंकों की नियमित रूप से सफाई नहीं की जा रही है, जिससे स्वास्थ्य का गंभीर खतरा पैदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि मरीजों, कर्मचारियों और आगंतुकों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ पानी उपलब्ध करवाना बेहद जरूरी है और

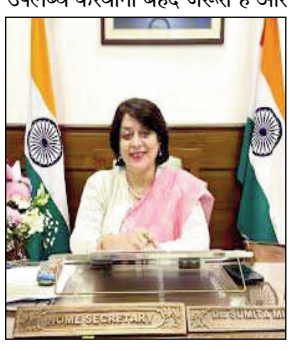

इस मामले में कोई समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने सभी संस्थानों को निर्देश दिए गये है कि वे जमीन के ऊपर और जमीन के नीचे बने, दोनों तरह के पानी के टैंकों की तत्काल और पूरी तरह से जाँच करें। इस जांच में टैंकों की मौजूदा स्थिति का आकलन किया जाना चाहिए, जिसमें किसी भी तरह के प्रदूषण, रिसाव या ढांचे को हुए नुकसान के संकेतो की पहचान करना भी शामिल है, ताकि संभावित खतरों को रोका जा सके। उन्होंने टैंकों में जमा गाद को हटाना, अंदर की सतहों को ठीक से धोना और निर्धारित सुरक्षा व स्वच्छता मानकों के अनुसार कीटाणु-मुक्त करना शामिल है।

डॉ. मिश्रा ने संस्थानों को निर्देश दिया है कि वह हर तीन माह में पानी के टैंकों की सफाई का प्रबंध करें। सभी संबंधित अधिकारियों को इन निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने और 5 अप्रैल, 2026 तक इसकी अनुपालन रिपोर्ट (पालन की रिपोर्ट) जमा करने के लिए कहा गया है। इसके अलावा उपायुक्तों को निर्देश दिये गये है कि वे जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के माध्यम से इन निर्देशों के कार्यान्वयन की निगरानी करें और सात दिनों के भीतर अपनी निगरानी रिपोर्ट जमा करें।

मॉनसून से पहले कर लें मैनपावर, मशीनरी व संसाधनों की पर्याप्त व्यवस्था

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा आगामी मानसून सीजन की तैयारियों को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस संबंध में निगमायुक्त प्रदीप दहिया की अध्यक्षता में सेक्टर-34 स्थित निगम कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में बैठक इंजीनियरों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान मानसून से जुड़ी विभिन्न महत्वपूर्ण तैयारियों की समीक्षा की गई, जिनमें प्रमुख रूप से शहर के मानसून हॉटस्पॉट का वर्तमान विश्लेषण, प्रत्येक हॉटस्पॉट के लिए संपर्क अधिकारियों का फिर से निर्धारण, नालों की सफाई और डीसिल्टिंग की स्थिति, मशीनरी एवं संसाधनों की योजना और वार्ड/जेई स्तर पर मैपिंग, मानसून से संबंधित सुरक्षा ऑडिट, आईटी प्लेटफॉर्म पर मानसून मैनेजमेंट सेल मॉड्यूल, स्ट्रीट लाइट की तैयारियों की समीक्षा, स्वच्छता टीमों का मानसून प्रबंधन में सहयोग, संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण आदि शामिल थे। निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में मानसून से पहले सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर लें, ताकि बारिश के दौरान जलभराव और अन्य समस्याओं से नागरिकों को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि मैनपावर, मशीनरी व संसाधनों की पर्याप्त व्यवस्था पहले से करें साथ ही ड्रेनेज व सिवरेज की सफाई एवं मरम्मत कार्य मानसून से पहले ही पूरा कर लें। निगमायुक्त ने स्पष्ट किया कि इस बार मानसून के दौरान कोई भी जनहानि न हो, इसके लिए सभी मेनहोल कवर, स्लैब आदि दुरुस्त होने चाहिएं। साथ ही स्ट्रीट लाइट की कोई भी तार खुली न रहे और पैनल बॉक्स पूरी तरह से दुरुस्त हो। अधिकारियों ने बताया कि सभी स्ट्रीट लाइट बॉक्स तथा बिजली तारों को दुरुस्त करने का कार्य चल रहा है। साथ ही मुख्य सडक़ों की स्ट्रीट लाइट को सीसीएमएस पैनल से जोड़ा जा रहा है। निगमायुक्त ने अधिकारियों से कहा कि बरसात रुकने के बाद सडक़ किनारों व कोनों पर जमा पानी को हटाने के लिए सक्शन टैंकरों की व्यवस्था करें। मुख्य ड्रेनों के साथ छोटी ड्रेनों की कनेक्टिविटी रखें तथा वीप होल्स व जीटी को साफ रखें।

भारत के एलपीजी आयात में मार्च में तेज गिरावट, अमेरिका बड़ा आपूर्तिकर्ता बना

– पिछले दो महीनों की तुलना में आयात में 40 फीसदी से अधिक की कमी आई

नई दिल्ली ।

भारत के एलपीजी (एलपीजी) आयात में मार्च 2026 में अचानक गिरावट दर्ज की गई है। शिप-ट्रैकिंग डेटा के अनुसार पिछले दो महीनों की तुलना में आयात में 40 फीसदी से अधिक की कमी आई है। इस कमी ने देश की ऊर्जा सुरक्षा पर असर पड़ने की आशंका पैदा कर दी है। मार्च में भारत का कुल एलपीजी आयात लगभग 1.22 मिलियन टन रहा, जो जनवरी की तुलना में 46 फीसदी और फरवरी की तुलना में 40 फीसदी कम है। इस बीच, अमेरिका ने भारत को मार्च में सबसे अधिक एलपीजी सप्लाई की, कुल 420 हजार टन। संयुक्त अरब अमीरात और कतर ने समान रूप से 226 हजार टन आपूर्ति की, जबकि सऊदी अरब 130 हजार टन और कुवैत 90 हजार टन योगदान दे सके। ईरान ने करीब सात साल बाद आपूर्ति फिर से शुरू की और 43 हजार टन भेजा। विशेषज्ञों के अनुसार, फरवरी के अंत में ईरान से जुड़ा सैन्य तनाव बढ़ने के बाद स्ट्रेट आफ होर्मुज के रास्ते समुद्री यातायात प्रभावित हुआ।

इससे एलपीजी आपूर्ति पर असर पड़ा और आयात में कमी आई। ऊर्जा विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यदि वैश्विक आपूर्ति अस्थिर बनी रहती है, तो भारत को वैकल्पिक स्रोतों और रणनीतिक भंडारण पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इससे किसी भी आपातकालीन स्थिति में घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

बजाज ऑटो की बिक्री मार्च में 20 प्रतिशत बढ़कर 4,45,377 इकाई

नई दिल्ली ।

बजाज ऑटो लिमिटेड ने मार्च 2026 में कुल बिक्री 4,45,377 इकाई दर्ज की, जो पिछले साल इसी महीने 3,69,823 इकाई थी। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि घरेलू बिक्री भी 2,66,290 इकाई तक बढ़ी। दोपहिया वाहनों की घरेलू बिक्री मार्च में 20 फीसदी बढ़कर 2,21,021 इकाई हुई, जबकि निर्यात 21 फीसदी बढ़कर 1,59,452 इकाई रहा। वाणिज्यिक वाहन भी मजबूत प्रदर्शन करते हुए

कुल बिक्री में 20 फीसदी वृद्धि दर्ज की, जो 64,904 इकाई तक पहुंची। घरेलू वाणिज्यिक बिक्री 45,269 इकाई और निर्यात 19,635 इकाई रही। कंपनी के मुताबिक, मजबूत मांग और निर्यात में तेजी से मार्च 2026 बजाज ऑटो के लिए बेहतर महीना साबित हुआ।

भारत के एलपीजी आयात में मार्च में तेज गिरावट, अमेरिका बड़ा आपूर्तिकर्ता बना

- पिछले दो महीनों की तुलना में आयात में 40 फीसदी से अधिक की कमी आई

नई दिल्ली ।

भारत के एलपीजी (एलपीजी) आयात में मार्च 2026 में अचानक गिरावट दर्ज की गई है। शिप-ट्रैकिंग डेटा के अनुसार पिछले दो महीनों की तुलना में आयात में 40 फीसदी से अधिक की कमी आई है। इस कमी ने देश की ऊर्जा सुरक्षा पर असर पड़ने की आशंका पैदा कर दी है। मार्च में भारत का कुल एलपीजी आयात लगभग 1.22 मिलियन टन रहा, जो जनवरी की तुलना में 46 फीसदी और फरवरी की तुलना में 40 फीसदी कम है। इस बीच, अमेरिका ने भारत को मार्च में सबसे अधिक एलपीजी सप्लाई की, कुल 420 हजार टन। संयुक्त अरब अमीरात और कतर ने समान रूप से 226 हजार टन आपूर्ति की, जबकि सऊदी अरब 130 हजार टन और कुवैत 90 हजार टन योगदान दे सके। ईरान ने करीब सात साल बाद आपूर्ति फिर से शुरू की और 43 हजार टन भेजा। विशेषज्ञों के अनुसार, फरवरी के अंत में ईरान से जुड़ा सैन्य तनाव बढ़ने के बाद स्ट्रेट आफ होर्मुज के रास्ते समुद्री यातायात प्रभावित हुआ। इससे एलपीजी आपूर्ति पर असर पड़ा और आयात में कमी आई। ऊर्जा विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यदि वैश्विक आपूर्ति अस्थिर बनी रहती है, तो भारत को वैकल्पिक स्रोतों और रणनीतिक भंडारण पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इससे किसी भी आपातकालीन स्थिति में घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

बजाज ऑटो की बिक्री मार्च में 20 प्रतिशत बढ़कर 4,45,377 इकाई

नई दिल्ली ।

बजाज ऑटो लिमिटेड ने मार्च 2026 में कुल बिक्री 4,45,377 इकाई दर्ज की, जो पिछले साल इसी महीने 3,69,823 इकाई थी। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि घरेलू बिक्री भी 2,66,290 इकाई तक बढ़ी। दोपहिया वाहनों की घरेलू बिक्री मार्च में 20 फीसदी बढ़कर 2,21,021 इकाई हुई, जबकि निर्यात 21 फीसदी बढ़कर 1,59,452 इकाई रहा। वाणिज्यिक वाहन भी मजबूत प्रदर्शन करते हुए कुल बिक्री में 20 फीसदी वृद्धि दर्ज की, जो 64,904 इकाई तक पहुंची। घरेलू वाणिज्यिक बिक्री 45,269 इकाई और निर्यात 19,635 इकाई रही। कंपनी के मुताबिक, मजबूत मांग और निर्यात में तेजी से मार्च 2026 बजाज ऑटो के लिए बेहतर महीना साबित हुआ।

हिंदुस्तान जिंक का खनन और परिष्कृत धातु उत्पादन बढ़ा

- चांदी और पवन ऊर्जा में मामूली गिरावट

नई दिल्ली ।

वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में खनन और परिष्कृत धातु उत्पादन में वृद्धि दर्ज की है, जबकि चांदी और पवन ऊर्जा उत्पादन में थोड़ी गिरावट देखी गई। जनवरी से मार्च तक खनन धातु उत्पादन 3,15,000 टन यानी पिछले साल की इसी अवधि से 2 फीसदी अधिक रहा। परिष्कृत धातु उत्पादन 2,82,000 टन, जो 5 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। खनन धातु में कच्चे अयस्क से संकेंद्रित धातु तैयार की जाती है, जबकि परिष्कृत धातु 99 फीसदी से अधिक शुद्धता तक पहुंचती है। चौथी तिमाही में चांदी का उत्पादन 176 टन रहा, जो पिछले साल की तुलना में 0.2 फीसदी कम है। वहीं, पवन ऊर्जा उत्पादन 11 फीसदी घटकर 5.6 करोड़ यूनिट रह गया। एचजेडएल भारत में जस्ता बाजार में लगभग 75 फीसदी हिस्सेदारी रखती है और विश्व स्तर पर शीर्ष पांच चांदी उत्पादकों में शामिल है। कंपनी अपने उत्पादों को 40 से अधिक देशों में आपूर्ति करती है।

टायर कंपनियों पर बढ़ती लागत का दबाव, कीमतों में तेजी संभव

मुंबई ।

मार्च 2026 में कच्चे तेल और प्राकृतिक रबर की कीमतों में तेजी से टायर कंपनियों के लिए लागत बढ़ गई है। भारत की प्रमुख कंपनियां जैसे एमआरएफ, अपोलो, जेके टायर और सीएट टायर की कीमतों में बढ़ोतरी पर विचार कर रही हैं। टायर बनाने में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की कीमत में भारी उछाल इसकी मुख्य वजह है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमत से सिंथेटिक रबर, कार्बन ब्लैक और प्रोसेसिंग ऑयल 15 -40 फीसदी तक महंगे हो गए हैं। प्राकृतिक रबर, जो टायर लागत का लगभग 40-45 फीसदी हिस्सा है, 18,500 से बढ़कर 21,600 रुपए प्रति 100 किलो हो गया है। विश्लेषकों का कहना है कि इस लागत वृद्धि से कंपनियों के मार्जिन पर लगभग 4 फीसदी तक असर पड़ सकता है। इसलिए कई कंपनियां अप्रैल 2026 से 2-5 फीसदी तक कीमतें बढ़ाने की योजना बना रही हैं। बाइक और स्कूटर के टायर 200-500 रुपए, कार के टायर 1,000-3,000 रुपए तक महंगे हो सकते हैं। ट्रक-बस और ट्रैक्टर टायर महंगे होने से ट्रांसपोर्ट और खेती की लागत भी बढ़ सकती है।

गुड फाइडे पर चांदी के भाव में 5,000 रुपये की गिरावट

– दिल्ली और दक्षिण भारत में कीमतों में अंतर

नई दिल्ली ।

गुड फाइडे के अवसर पर भारत के बुलियन मार्केट में शुक्रवार को चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। दिल्ली, मुंबई, राजस्थान, यूपी और मध्यप्रदेश में एक किलोग्राम चांदी का भाव 2,49,100 रुपये पर रहा, जबकि दक्षिण भारत में यह 2,54,900 रुपये तक पहुंच गया। बाजार में क्षेत्रीय अंतर और मामूली उतार-चढ़ाव देखने को मिला। दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, जयपुर, भोपाल, लखनऊ और चंडीगढ़ में 10 ग्राम चांदी का भाव 2,491 रुपये और 1 किलोग्राम 2,49,100 रुपये रहा। निवेशकों ने बताया कि पिछले दिन की तुलना में शुक्रवार को लगभग 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट देखने को मिली। दिल्ली के सर्राफा बाजार में एक दिन पहले चांदी का भाव 2,37,000 रुपये था, जो अब थोड़ा सुधारते हुए 2,49,100 रुपये तक आ गया। चेन्नई और हैदराबाद में चांदी का भाव उत्तर भारत से अधिक रहा। यहां 10 ग्राम चांदी का भाव 2,549 रुपये और 1 किलोग्राम 2,54,900 रुपये रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि दक्षिण भारत में मांग और वितरण लागत के कारण यहां चांदी की कीमतें ऊंची बनी रहती हैं। गुड फाइडे के चलते शुक्रवार को एमसीएक्स और शेयर बाजार दोनों बंद रहे। इस दौरान निवेशक और व्यापारी बाजार की गतिविधियों पर नजर रखेंगे और अगले खुलने वाले दिन के लिए रणनीति बनाएंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चांदी का हाजिर भाव 69.57 डॉलर प्रति औंस है। इस साल जनवरी में चांदी की कीमत 4 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर को पार कर चुकी थी। इसके बाद बाजार में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। विशेषज्ञों का कहना है कि आगामी सप्ताह में वैश्विक और घरेलू दोनों बाजार की स्थितियां चांदी के रेट को प्रभावित करेंगी।

आरबीआई ने एमिरेट्स एनबीडी को आरबीएल में 74 फीसदी हिस्सेदारी की मंजूरी दी

– विदेशी निवेश से आरबीएल बैंक विदेशी बैंक के रूप में वर्गीकृत होगा

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने दुबई स्थित एमिरेट्स एनबीडी बैंक को आरबीएल बैंक में 74 प्रतिशत तक हिस्सेदारी खरीदने की अनुमति दे दी है। यह कदम बैंक को विदेशी बैंक के रूप में संचालित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। आरबीएल बैंक ने शेयर बाजार को जानकारी दी कि आरबीआई ने यह मंजूरी 1 अप्रैल 2026 को दी थी, और इसकी वैधता एक वर्ष तक रहेगी। अक्टूबर 2025 में ईएनबीडी ने आरबीएल बैंक में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी लगभग 26,853 करोड़ रुपये में खरीदने का प्रस्ताव रखा था। मंजूरी के तहत, ईएनबीडी को बैंक की चुकता पूंजी का कम से कम 51 प्रतिशत* बनाए रखना होगा। इसके बाद बैंक को सब्सिडी मॉडल के तहत विदेशी बैंक के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। इसके अलावा, बैंक को फुल स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी मॉडल के नियमों के अनुसार संचालित करना होगा। आरबीआई ने कहा कि निदेशक मंडल में कम से कम आधे स्वतंत्र निदेशक होने की शर्त लागू नहीं होगी। बैंक को अपने ऑर्टिकल्स आफ एसोसिएशन में आवश्यक संशोधन कर आरबीआई से मंजूरी लेनी होगी। वेशक के मताधिकार को आरबीएल बैंक के कुल मतदान अधिकारों का 26 प्रतिशत

तक सीमित रखा जाएगा। 'सिंगल मोड ऑफ प्रेजेंस' की शर्त पर अस्थायी छूट दी गई है, जब तक कि भारत में शाखाओं का विलय या अधिकतम एक वर्ष की अवधि पूरी नहीं हो जाती। सके अलावा, इस प्रस्तावित निवेश को भारत सरकार फेमा, सेबी नियमों और अन्य लागू कानूनों के अनुपालन में पूरा करना होगा। जनवरी में, प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने भी इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। इस निवेश के बाद, आरबीएल बैंक अब विदेशी बैंक के रूप में वर्गीकृत होगा और एमिरेट्स एनबीडी का बहुलांश स्वामित्व रहेगा, जो भारत में विदेशी निवेश और बैंकिंग क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है।

भारत में डिजिटल पेमेंट क्रांति, यूपीआई ने बनाया नया रिकॉर्ड

– मार्च 2026 में यूपीआई के माध्यम से कुल 22.64 अरब ट्रांजैक्शन दर्ज किए गए

नई दिल्ली ।

भारत में डिजिटल पेमेंट का नया कीर्तिमान स्थापित हो गया है। मार्च 2026 में यूपीआई के माध्यम से कुल 22.64 अरब ट्रांजैक्शन दर्ज किए गए, जो अब तक का उच्चतम स्तर है। पिछले साल मार्च 2025 में यह आंकड़ा 18.3 अरब था, जिससे सालाना आधार पर लगभग 24 फीसदी की वृद्धि हुई है। फरवरी 2026 में ट्रांजैक्शन की संख्या 20.39 अरब थी, जिससे स्पष्ट है कि हर महीने यूपीआई का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। यूपीआई की सफलता का मुख्य कारण इसकी सरलता और सुरक्षा है। यह आरबीआई के दो-स्तरीय सुरक्षा सिस्टम पर काम करता है, मोबाइल नंबर और यूपीआई पिन। इस डबल सुरक्षा उपाय के कारण ट्रांजैक्शन सुरक्षित रहते हैं और धोखाधड़ी का खतरा न्यूनतम होता है। यही कारण है कि लोग भरोसे के साथ कैशलेस भुगतान करना पसंद कर रहे हैं। ज भारत में डिजिटल ट्रांजैक्शन का लगभग 85 फीसदी हिस्सा यूपीआई के जरिए किया जाता है। वैश्विक स्तर पर रियल-टाइम डिजिटल पेमेंट्स में इसका योगदान लगभग 50 फीसदी तक पहुंच गया है। यूपीआई अब केवल भारत तक सीमित नहीं रहा।

यह यूएई, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस और मॉरीशस जैसे देशों में भी उपलब्ध

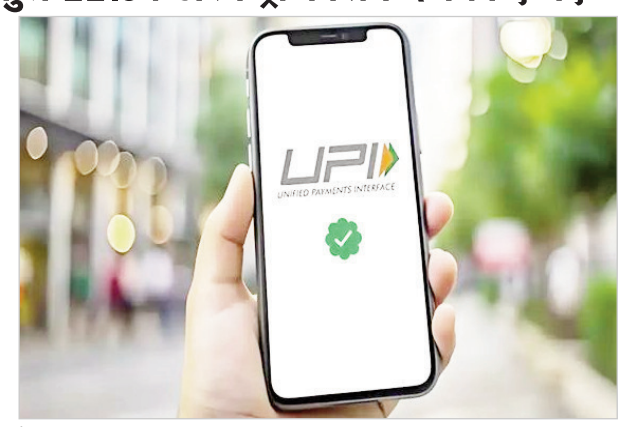

है। विशेष रूप से फ्रांस में इसका लॉन्च यूरोप में पहला कदम माना जा रहा है। इससे विदेश में रहने वाले भारतीय आसानी से पैसे ट्रांसफर और भुगतान कर सकते हैं।

यूपीआई का संचालन नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) करता है

, जो आरबीआई और इं

डियन बैंक एसो सिएशन की पहल से संचालित है।

अमेरिका में पेटेंट दवाओं पर भारी टैरिफ का खतरा, ट्रंप का बड़ा फैसला

– समझौता न करने वाली फार्मा कंपनियों पर 100 फीसदी तक शुल्क संभव

नई दिल्ली ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पेटेंट दवाओं के आयात को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए नया कार्यकारी आदेश जारी किया है, जिससे वैश्विक फार्मा उद्योग में हलचल मच गई है। अमेरिका में दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करने और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक अहम कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। इस आदेश के तहत उन फार्मा कंपनियों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाया जा सकता है, जो अमेरिकी सरकार के साथ ÷मोस्ट फेवर्ड नेशन÷ प्राइसिंग समझौता नहीं करेंगी। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, जो कंपनियां अमेरिका में पेटेंट दवाओं और उनके कच्चे माल का उत्पादन शुरू करेंगी और कीमत समझौते पर सहमत होंगी, उन्हें टैरिफ से छूट दी जाएगी। वहीं, जो कंपनियां उत्पादन तो शुरू करेंगी लेकिन समझौता नहीं करेंगी, उन पर शुरुआती 20 प्रतिशत टैरिफ लगेगा, जो चार वर्षों में बढ़कर 100 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। कंपनियों को समझौते के लिए समय भी दिया गया है, बड़ी कंपनियों को 120 दिन और अन्य को 180 दिन। बताया गया है कि सरकार पहले ही कई बड़ी कंपनियों के साथ समझौते कर चुकी है। इस फैसले के पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला दिया गया है, क्योंकि सरकार का मानना है कि दवाओं के आयात पर अत्यधिक निर्भरता जोखिम पैदा कर सकती है।

मार्च 2026 में बाजार की गिरावट के बीच आर्बिट्राज फंड ने दिखाया संतुलन

– निफ्टी, मिडकैप और स्मॉलकैप में भारी गिरावट के बावजूद आर्बिट्राज सेगमेंट रहा स्थिर

नई दिल्ली ।

मार्च 2026 का महीना शेयर बाजार के लिए चुनौतीपूर्ण रहा। वैश्विक अनिश्चितता और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के चलते बाजार में व्यापक गिरावट देखने को मिली। इस उथल-पुथल के बीच आर्बिट्राज फंड सेगमेंट ने अपेक्षाकृत स्थिर प्रदर्शन किया, हालांकि निवेशकों की सतर्कता साफ नजर आई। रिपोर्ट के अनुसार निफ्टी 50 में 12 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में भी करीब 10 प्रतिशत तक कमजोरी देखी गई। बाजार के लगभग सभी सेगमेंट इस दबाव से प्रभावित रहे। इसके बावजूद आर्बिट्राज फंड सेगमेंट ने संतुलन बनाए रखा। इस श्रेणी के फंड बाजार की दिशा पर दांव लगाने के बजाय कैश और फ्यूचर्स बाजार के बीच मूल्य अंतर का लाभ उठाते हैं, जिससे गिरावट के दौर में भी इनका प्रदर्शन अपेक्षाकृत स्थिर रहता है। रिपोर्ट के मुताबिक, एडेलवे सिस ओ बिंट्रेज फंड के डायरेक्ट प्लान ने 1 साल में 6.73 प्रतिशत और 3 साल में 7.72 प्रतिशत का रिटर्न दिया, जो इसकी स्थिरता को दर्शाता है। डेरिवेटिव डेटा भी मिश्रित संकेत देता है। सिंगल स्टॉक फ्यूचर्स में रोलओवर करीब 93 प्रतिशत रहा, जो बताता है कि

बड़े निवेशक बाजार में बने हुए हैं। हालांकि रोल स्प्रेड सीमित दायरे में रहे, जिससे कमाई के अवसर सीमित रहे। दूसरी ओर, अप्रैल सीरीज के लिए ओपन इंटरेस्ट में 11 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। कुल आर्बिट्राज निवेश घटकर लगभग 3.16 लाख करोड़ रुपये रह गया। विदेशी और घरेलू निवेशकों दोनों ने एक्सपोजर कम किया, जो घटती जोखिम लेने की क्षमता को दर्शाता है। कम वोलैटिलिटी के चलते आर्बिट्राज स्प्रेड भी सीमित रहे, जिससे रिटर्न पर दबाव बना। कुल मिलाकर, गिरते बाजार में आर्बिट्राज फंड ने स्थिरता तो दी, लेकिन ऊंचे रिटर्न की उम्मीदें पूरी नहीं हो सकीं।

होर्मुज जलडमरूमध्य का संकट वैश्विक कूटनीति,ऊर्जा सुरक्षा और भारत की संतुलित रणनीति

बिनोद कुमार सिंह

संक्षेप में होर्मुज जलडमरूमध्य का यह संकट हमें यह सिखाता है कि आज की दुनिया में स्थिरता केवल राष्ट्रीय सीमाओं तक सीमित नहीं रह सकती।जब तक वैश्विक स्तर पर सहयोग, संवाद और संतुलन नहीं होगा, तब तक इस प्रकार के संकट बार-बार सामने आते रहेंगे।

वर्तमान परिपेक्ष में दुनिया में यदि कोई एक समुद्री मार्ग वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कन को नियंत्रित करता है, तो वह है होर्मुज जलडमरूमध्य।फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला यह संकरा मार्ग केवल भौगोलिक सीमाओं का हिस्सा नहीं,बल्कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का सबसे संवेदनशील द्वार बन चुका है।जब भी इस क्षेत्र में हलचल होती है, उसकी गूंज केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहती, बल्कि एशिया, यूरोप और अफ्रीका तक महसूस की जाती है। हाल के घटनाक्रमों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि होर्मुज में उत्पन्न संकट किसी एक देश या क्षेत्र का मसला नहीं,बल्कि पूरी दुनिया की आर्थिक स्थिरता से जुड़ा हुआ प्रश्न है।यही कारण है कि ब्रिटेन की पहल पर 60 से अधिक देशों की भागीदारी के साथ एक उच्चस्तरीय ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई। यह केवल एक कूटनीतिक औपचारिकता नहीं थी,बल्कि वैश्विक चिंता और सामूहिक समाधान की तलाश का संकेत भी था।इस बैठक में भारत की भागीदारी विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही। भारत की उपस्थिति ने यह स्पष्ट किया कि वह अब केवल एक क्षेत्रीय शक्ति नहीं,बल्कि वैश्विक विमर्श को दिशा देने वाला जिम्मेदार देश बन चुका है।भारत का प्रतिनिधित्व विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने किया,जिन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में निर्बाध आवागमन और नौवहन की स्वतंत्रता किसी भी वैश्विक व्यवस्था की आधारशिला है।सच्चाई यह है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाला तेल केवल ईंधन नहीं, बल्कि विश्व अर्थव्यवस्था का प्रवाह है।प्रतिदिन लगभग 20 प्रतिशत वैश्विक तेल आपूर्ति इसी मार्ग से गुजरती है।ऐसे में जब इस क्षेत्र में जहाजों पर हमले होते हैं,नाविक फंसते हैं और आवागमन बाधित होता है, तो उसका असर सीधे वैश्विक बाजारों पर दिखाई देता है।आज की स्थिति में 25 से अधिक जहाजों को निशाना बनाए जाने और हजारों नाविकों के फंसे होने की घटनाएं केवल आंकड़े नहीं, बल्कि वैश्विक असुरक्षा की कहानी कहती हैं।इस बैठक की अध्यक्षता करते हुए यवेट कूपर ने इस संकट के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया और इसे वैश्विक आर्थिक सुरक्षा पर सीधा आघात बताया।उनके अनुसार, इस स्थिति ने न केवल तेल और गैस

की आपूर्ति को प्रभावित किया है,बल्कि जेट ईंधन,उर्वरक और अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता को भी संकट में डाल दिया है।इस वैश्विक्र संकट का सबसे बड़ा प्रभाव उन देशों पर पड़ रहा है,जो इस संघर्ष का हिस्सा नहीं हैं,लेकिन इसकी कीमत चुका रहे हैं। एशिया और अफ्रीका के विकासशील देश,जिनकी अर्थव्यवस्था पहले से ही दबाव में है,इस अस्थिरता के कारण और अधिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं।भारत के लिए यह स्थिति और भी अधिक गंभीर है।देश की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से आता है और होर्मुज उसका प्रमुख मार्ग है।ऐसे में इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की बाधा भारत की ऊर्जा सुरक्षा को सीधे प्रभावित करती है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भी यह स्पष्ट किया कि भारत इस संकट को केवल एक क्षेत्रीय विवाद नहीं, बल्कि अपनी आर्थिक स्थिरता और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ा विषय मानता है।वर्तमान की स्थिति संवेदनशीलता इस बात से भी समझी जा सकती है कि हाल के हमलों में भारतीय नाविकों की जान गई है।यह केवल एक मानवीय त्रासदी नहीं,बल्कि भारत की समुद्री सुरक्षा और वैश्विक उपस्थिति के लिए एक गंभीर चेतावनी भी है।ऐसे समय में भारत ने जिस परिपक्वता का परिचय दिया है,वह उसकी विदेश नीति की गहराई को दशार्ता है।भारत ने स्पष्ट रूप से कहा है कि इस संकट का समाधान युद्ध या सैन्य कार्रवाई में नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीति में निहित है।यह दृष्टिकोण भारत की ह्लरणनीतिक स्वायत्तताह्व की नीति के अनुरूप है,जिसमें वह किसी शक्ति गुट का हिस्सा बने बिना अपने हितों को संतुलित ढंग से साधता है।कीर स्टार्मर की पहल पर आयोजित इस बैठक में भारत ने यह संदेश दिया कि तनाव को कम करना और सभी पक्षों को वार्ता की मेज पर लाना ही इस संकट से बाहर निकलने का एकमात्र रास्ता है।यह रुख न केवल व्यावहारिक है,बल्कि अंतरराष्ट्रीय मानकों और सिद्धांतों के अनुरूप भी है।अंर्तराष्ट्रीय समुद्री कानून, विशेषकर संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन (UNCLOS),यह सुनिश्चित करता है कि किसी भी देश को अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में बाधा उत्पन्न करने का अधिकार नहीं है।ऐसे में होर्मुज का संकट इन सिद्धांतों की भी परीक्षा ले रहा है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है,तो यह वैश्विक व्यापार व्यवस्था के लिए खतरनाक उदाहरण बन सकती है।इस संकट का प्रभाव केवल तेल और गैस तक सीमित नहीं है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला,जो पहले ही कई झटकों से कमजोर हो चुकी है, अब एक और बड़े दबाव का सामना कर रही है। परिवहन लागत में वृद्धि,वस्तुओं की कमी और महंगाई का बढ़ता दबाव-ये सभी संकेत एक व्यापक आर्थिक संकट की ओर इशारा कर रहे हैं।भारत के सामने इस चुनौती से निपटने के लिए बहुस्तरीय रणनीति अपनाने की आवश्यकता है।ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण, सामरिक भंडारण को मजबूत करना,अर्न्तराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाना और समुद्री सुरक्षा क्षमताओं को सुदृढ़ करना - ये सभी कदम समय की मांग हैं।

संक्षेप में होर्मुज जलडमरूमध्य का यह संकट हमें यह सिखाता है कि आज की दुनिया में स्थिरता केवल राष्ट्रीय सीमाओं तक सीमित नहीं रह सकती।जब तक वैश्विक स्तर पर सहयोग, संवाद और संतुलन नहीं होगा, तब तक इस प्रकार के संकट बार-बार सामने आते रहेंगे।

भारत ने इस कठिन समय में जिस संयम,संतुलन और दूरदर्शिता का परिचय दिया है, वह उसे एक जिम्मेदार और परिपक्व वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करता है। अब आवश्यकता इस बात की है कि पूरा विश्व एकजुट होकर इस संकट का स्थायी समाधान खोजे, ताकि होर्मुज जलडमरूमध्य जैसी जीवनरेखा भविष्य में किसी भी प्रकार के तनाव का शिकार न बने और वैश्विक शांति व समृद्धि का मार्ग अविरल बना रहे।

संपादकीय

जिंदगी निगलती भीड़

पिछले दिनों वाराणसी में मोबाइल चोरी के संदेह में एक किशोर की पीट-पीट कर हत्या करने की हृदयविदारक घटना सामने आई। घटना कानून व्यवस्था पर तो सवाल है ही, साथ ही भीड़ की बर्बरता की कहानी भी कहती है। क्या एक बच्चे की जिंदगी मोबाइल से सस्ती है? सवाल समाज की बढ़ती आक्रामकता पर भी है। एक ओर हम समाज में कानून का शासन चाहते हैं, वहीं दूसरी ओर कानून हाथ में लेकर किसी की भी जान लेने पर उतारू हो जाते हैं। निस्संदेह, यदि किसी व्यक्ति की अपराध में शामिल होने की आशंका भी है तो उसे पुलिस को सौंपा जाना चाहिए। उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। अराजक तरीके से मार-पीटकर किसी की हत्या कर देने का अधिकार भीड़ को कैसे मिल सकता है? सवाल ऐसी घटनाओं पर शेष समाज की उदासीनता का भी है। जब उस किशोर को पीटा जा रहा था तो आसपास से गुजरने वाले लोग क्यों उसे बचाने नहीं आए? हाल के दिनों में महज शक के आधार पर लोगों को मौत के घाट उतारने व घायल करने की घटनाएं आम हो गई हैं। यह हमारे समाज के लिये भी चिंता का विषय है क्योंकि निहित स्वार्थी तत्व अकसर निर्दोष लोगों को जाति व संप्रदाय के नाम पर अपने बहुलता वाले इलाके में शिकार बना लेते हैं। प्रश्न यह भी है कि इस तरह की बढ़ती घटनाओं के बीच सरकारों की तरफ से जमीनी स्तर पर कारगर कदम उठाने की पहल क्यों नहीं होती? जाहिर बात है कि व्यक्ति विशेष को शक के आधार पर निशाना बनाने वाले लोगों में कानून का डर न के बराबर ही होता है। साथ ही आसपास के लोगों का महज तमाशबीन बना रहना भी भीड़ के अराजक व्यवहार को बढ़ावा देता है। वाराणसी की घटना में जिस तरह किशोर को घर से बुलाकर सड़क पर पीटा गया और लोग खामोश रहे, परेशान करने वाला घटनाक्रम ही है। निश्चित रूप से भीड़ द्वारा संदेह के आधार पर किसी की हत्या करना, किसी भी सभ्य समाज के माथे पर कलंक जैसा है। ऐसे मामलों में पुलिस को भी अपना सूचना तंत्र मजबूत करने और संवेदनशील ढंग से कार्रवाई करने की जरूरत है। खासकर उस क्षेत्र के थाने की पुलिस व अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की आवश्यकता है। हमारे समाज में संदेह के आधार पर किसी की जान लेने की प्रवृत्ति जिस तेजी से बढ़ रही है, वह हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। आये दिन हम सड़कों पर रोड रेज की घटनाएं सुनते और देखते हैं। सड़क में आगे निकलने की होड़ में गोली चलाने और हिंसक प्रतिरोध की घटनाएं अकसर सामने आती हैं। पिछले दिनों देहरादून में आगे निकलने की होड़ में दो कारों में सवार लोगों की गोलीबारी में सड़क पर सैर कर रहे सेना के एक सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर की हत्या की घटना उत्तराखंड में व्यापक जनाक्रोश का विषय बनी। ऐसी घटनाएं इस बात की ओर इशारा कर रही हैं कि नई पीढ़ी के लोग अपना धैर्य, विवेक तथा संवेदनशीलता खोते जा रहे हैं।

चिंतन-मनन

द्वंद्व के बीच शांति की खोज

केवल ज्ञान की बातें करों। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ। जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मो को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो। जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अन्नत काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वतः समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर हदय को शान्त रखकर। संसार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो जाता है। उदाहरण के लिए जैसे ही रूस की समस्या समाप्त हुई, बोस्निया की समस्या खड़ी हो गई। एक समस्या हल होती है, तो दूसरी शुरू हो जाती है। तुम्हें जुकाम हुआ। वह जरा ठीक हुआ नहीं कि फिर कमर में दर्द शुरू हो गया। फिर यह ठीक हो गया। और तो और, शरीर ठीक ठाक है तो मन अशान्त हो जाता है। बिना किसी इरादे के गलतफहमियां पैदा होती हैं, उलझन पैदा होती है। यह तुम्हारे ऊपर नहीं कि तुम उनका समाधान करो। तुम तो बस उन पर ध्यान न दो, बस जीवन्त रहो।

ईरान ने सारी दुनिया को बताई अपनी ताकत

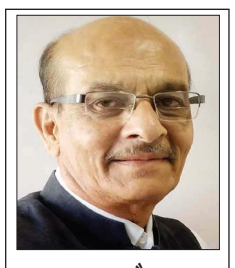

सनत जैन

ईरान ने यूएई में स्थापित अमेजॉन का सर्विस डाटा सेंटर चेतावनी देने के दूसरे दिन ही उड़ा दिया। ईरान ने यह हमला ड्रोन से किया था, जो बिल्कुल सटीक था। इसमें कंपनी को काफी नुकसान हुआ। सरवर नष्ट हो जाने के कारण कंपनी की सारी सेवाएं प्रभावित हो गईं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हाल ही में घोषणा कर चुके हैं कि वह युद्ध को खत्म करने जा रहे हैं, लेकिन इसके साथ ही जिस तरह से ईरान के ऊपर हमले हो रहे हैं उसको लेकर ईरान ने काफी आक्रामक रुख अपनाया हुआ है। जहां-जहां पर अमेरिकी सेवाएं संचालित हो रही हैं वहां-वहां पर ईरान ड्रोन से हमले कर रहा है। ईरान की इस कार्यवाही से सारी दुनिया के देश हैरान हैं। ईरान का शाहिद नामक ड्रोन इस समय चचाओं में है। इस ड्रोन को लेकर सारी दुनिया के देशों में जिज्ञासा बनी हुई है। इसने वेब सेंटर में घुसकर जिस तरह से सटीक निशाने पर हमला किया वह आश्चर्यजनक था। ईरान अब खुलकर चेतावनी देकर जिस तरह से हमले कर रहा है उसके सामने अमेरिका और इजरायल का सुरक्षा तंत्र पूरी तरह से विफल साबित हो रहा है। सारी दुनिया के देशों में तेल संकट के साथ-साथ अब खाद्य संकट की भी चर्चा हो रही है। करीब 96 देश अभी तेल संकट से जूझ रहे हैं। जो खबरें आ रही हैं उसमें 125 से अधिक देशों में हार्मोज से जहाजों की आवाजाही में रुकावट से जो संकट पैदा हुआ है उससे अब तेल के साथ-साथ खाद्य संकट भी देखने को मिल रहा है। रही सही कसर जिस तरह से ईरान अमेरिकी कंपनियों पर हमला कर रहा है उससे खाड़ी देशों के साथ-साथ अन्य देशों को भी उसका नुकसान उठाना पड़ रहा है। जिस तरह के समाचार आ रहे हैं उसमें 100 से अधिक देश अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध के कारण बुरी तरह से परेशान हैं। अमेरिका और इजरायल ने अपनी सभी शक्तियों का प्रदर्शन करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। बी-2 बंबर से सेकड़ों स्थानों पर हमला करके ईरान को भारी नुकसान पहुंचाया। अब ईरान खुलकर इसका बदला ले रहा है। ईरान के ड्रोन और मिसाइल जिस तरह से सटीक निशाना लगाकर खाडी के देशों में अमेरिका और इजरायल के सैन्य ठिकानों के साथ-साथ अब उनके महत्वपूर्ण कारोबार को नष्ट कर रहे हैं इसके कारण सारी दुनिया के देशों में एक नई दहशत फैल गई है। ईरान ने जिस तरह से अमेरिका के संचार माध्यमों को नष्ट किया है तथा जिस तरह से ईरान हमले करके तकनीकी आधार पर अमेरिका और इजरायल को धता बता रहा है उससे सारी दुनिया के देश हैरान हैं। ईरान की तकनीकी जिस तरह से इजरायल और अमेरिका का मुकाबला करते हुए जो ईरानी नवीन प्रयोग हो रहे हैं उससे सबसे ज्यादा परेशानी टेक कंपनियों को हो रही है। उनके सुरक्षित कंप्यूटर नेटवर्क को हैक करते हुए ईरान द्वारा हमले किए जा रहे हैं, जिसके कारण ईरान का दबदबा बढ़ता चला जा रहा है जिस तरह से ईरान ने अब सरवर और इंटरनेट के जरिए सेवाओं पर निशाना साधना शुरू कर दिया है उसके कारण सभी देशों की परेशानी बढ़ती चली जा रही है। वर्तमान में बैंकिंग एवं अन्य सेवाएं इंटरनेट से जुड़ी हुई हैं। एक बहुत बड़ा डाटा सर्वर से जुड़ा हुआ है। यदि उसमें कोई खराबी आती है तो करोड़ों लोगों पर इसका प्रभाव पड़ता है। ईरान ने पिछले एक माह में जिस तरह से इस युद्ध को लड़ा है उसने सारी दुनिया के देश हैरानी में हैं। ईरान के सस्ते ड्रोन और मिसाइलें अत्याधुनिक संचार माध्यमों से लैस स्थलों को जिस तरह से वह अपने निशाने पर लेकर नुकसान पहुंचा रहे हैं उसने पूरी दुनिया के युद्ध समीकरण को बदल दिया है। तकनीकी क्षेत्र में इजराइल और अमेरिका को चुनौती, ईरान द्वारा दी जा रही है। इसकी कल्पना भी इस युद्ध के पहले किसी देश ने नहीं की थी। पिछले एक माह में ईरान ने जिस तरह से वैश्विक राजनीति और सोच को परिवर्तित किया है उसके बाद ऐसा लगता है सारी दुनिया में अब नए समीकरण बनना शुरू हो गए हैं। इसमें अमेरिका अलग-अलग पड़ता चला जा रहा है। हार्मोज को खुलवाने के लिए भारत, फ्रांस, ब्रिटेन इत्यादि लगभग 45 देश जिस तरह से ईरान के साथ बात कर रहे हैं उससे एक बात स्पष्ट है भविष्य में अमेरिका का जो एकाधिकार था वह अब नहीं रहेगा। अमेरिका और इजरायल में जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप और नेतन्याहु के खिलाफ जनता सड़कों पर आ रही है, यूरोप और नाटो देश जिस तरह से अमेरिका से दूरियां बना रहे हैं, ईरान के साथ उनकी नजदीकियां बढ़ रही हैं। ऐसी स्थिति में अभी तक अमेरिका का जो वर्चस्व सारी दुनिया में था, वह वर्चस्व अब समाप्त होते हुए दिख रहा है। ईरान भी एक प्रमुख राष्ट्र के रूप में अपनी जगह बनाता हुआ नजर आ रहा है।

विवाह संस्था और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच नई खाई

ललित गर्ग

आधुनिकता के संक्रमणकालीन दौर में सबसे अधिक यदि कोई संस्था प्रश्नों के घेरे में है, तो वह विवाह और रिश्तों की पारंपरिक अवधारणा है। बदलती जीवनशैली, आर्थिक आत्मनिर्भरता, तकनीक, वैश्वीकरण और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती चेतना ने रिश्तों की परिभाषा, अपेक्षाएँ और संरचना-सब कुछ बदल दिया है। यही कारण है कि आज रिश्तों से जुड़े प्रश्न केवल सामाजिक विमर्श का विषय नहीं रहे, बल्कि अदालतों तक पहुँच रहे हैं। हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो फैसलों ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और विवाह संस्था के बीच उत्पन्न हो रही नाजुक खाई को उजागर किया है। एक निर्णय में न्यायालय ने कहा कि वयस्कों के बीच आपसी सहमति से बना लिव-इन रिलेशनशिप, भले ही एक साथी विवाहित हो, अपराध नहीं है; वहीं दूसरे मामले में न्यायालय ने ऐसे ही एक जोड़े को संरक्षण देने से इनकार कर दिया और कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर पति या पत्नी के कानूनी अधिकारों को कमजोर नहीं किया जा सकता। यह विरोधाभास वास्तव में न्यायिक असंगति से अधिक एक कानूनी रिक्तता और सामाजिक संक्रमण का संकेत है। वास्तव में एक हकीकत यह भी है कि भारतीय समाज में वैवाहिक अधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाने वाले एक प्रभावी ढांचे की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जाती रही है। हमें मौजूदा परिदृश्य में यह बात स्वीकार करनी होगी कि यद्यपि विवाह संस्था संरक्षण की हकदार है, फिर भी पुरुष या स्त्री की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को अनिश्चित काल तक इसके अधीन बंधक बनाकर नहीं रखा जा सकता है। निश्चित ही भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है और इसी के दायरे में न्यायालयों ने समय-समय पर लिव-इन रिलेशनशिप को अपराध की श्रेणी से बाहर माना है। लेकिन दूसरी ओर, भारतीय कानून विवाह को एक कानूनी और सामाजिक संस्था के रूप में सर्वोच्च प्राथमिकता देता है, जिसमें अधिकार और दायित्व दोनों शामिल हैं। यही वह बिंदु है जहाँ व्यक्तिगत स्वतंत्रता और वैवाहिक अधिकारों के बीच टकराव उत्पन्न होता है। न्यायालय लिव-इन संबंधों को अपराध नहीं मानता, परंतु उनके सभी परिणामों को वैध मानने में संकोच करता है। यह स्थिति न केवल कानूनी भ्रम उत्पन्न करती है, बल्कि सामाजिक असुरक्षा भी पैदा करती है। वास्तव में समस्या न्यायिक निर्णयों की नहीं, बल्कि स्पष्ट विधायी ढाँचे की कमी की है। यदि व्यापक सामाजिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो भारतीय समाज इस समय एक बड़े संक्रमणकाल से गुजर रहा है। एक ओर सदियों से स्थापित पारंपरिक जीवन मूल्य हैं, जिनमें विवाह केवल एक अनुबंध नहीं बल्कि एक संस्कार, सामाजिक स्वीकृति और पारिवारिक व्यवस्था का आधार है; दूसरी ओर आधुनिक जीवन की वास्तविकता है, जहाँ व्यक्ति की स्वतंत्रता, आत्म-विकास, करियर, आर्थिक स्वायत्तता और व्यक्तिगत संतुष्टि को भी समान महत्व दिया जा रहा है। विशेष रूप से महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता ने रिश्तों की शक्ति-संतुलन व्यवस्था को बदल दिया है। अब रिश्ते केवल सामाजिक दबाव से नहीं, बल्कि आपसी समझ और संतुष्टि के आधार पर टिके रहते हैं। परिणामस्वरूप, रिश्तों की स्थायित्व की अवधारणा बदल रही है और प्रतिबद्धता अब आजीवन वचन से अधिक एक निरंतर पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया बनती जा रही है।

पिछली पीढ़ियों में विवाह जीवन का अनिवार्य चरण माना जाता था। हमारे माता-पिता और दादा-दादी के लिए विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का संबंध था और जीवन भर साथ निभाना ही उसका लक्ष्य था। लेकिन आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को अलग दृष्टि से देख रही है। आज के युवा पहले शिक्षा, करियर और आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता देते हैं, उसके बाद रिश्तों के बारे में निर्णय लेते हैं। कुछ लोग विवाह से पहले साथ रहने का विकल्प चुनते हैं, कुछ रिश्तों को नाम देने से भी बचते हैं और कुछ लोग विवाह के बजाय साझेदारी को अधिक उपयुक्त मानते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को महत्व नहीं देती, बल्कि इसका अर्थ यह है कि वे रिश्तों में स्वतंत्रता, सम्मान, संवाद और समानता को अधिक महत्व देते हैं। रिश्तों में सबसे बड़ा परिवर्तन लिंग भूमिकाओं के बदलाव से भी आया है। पहले पुरुष कमाने वाला और महिला घर संभालने वाली मानी जाती थी, लेकिन आज दोनों काम करते हैं, दोनों निर्णय लेते हैं और दोनों भावनात्मक सहयोग चाहते हैं। आधुनिक रिश्तों में समानता, खुलकर संवाद और साझा जिम्मेदारियों पर जोर है। हालांकि पुरुष और महिलाओं की अपेक्षाएँ पूरी तरह समान नहीं होतीं-अक्सर महिलाएँ भावनात्मक सहयोग और संवाद को अधिक महत्व देती हैं, जबकि पुरुष स्वतंत्रता और बौद्धिक जुड़ाव को महत्वपूर्ण मानते हैं लेकिन इन अंतरों को समझकर ही मजबूत रिश्ते बनाए जा सकते हैं।

आज आत्म-प्रेम और आत्म-देखभाल को स्वार्थ नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन का आधार माना जाने लगा है। तकनीक और सोशल मीडिया ने भी रिश्तों की प्रकृति को गहराई से प्रभावित किया है। सोशल मीडिया ने लोगों को जोड़ने का काम किया है, लेकिन इसके साथ तुलना की संस्कृति भी बढ़ी है। अब लोग अपने रिश्तों की तुलना दूसरों की ऑनलाइन तस्वीरों और पोस्ट से करने लगे हैं, जिससे असंतोष और अवास्तविक अपेक्षाएँ बढ़ती हैं। कई बार डिजिटल दुनिया में मिलने वाला ध्यान वास्तविक रिश्तों की आत्मीयता को कम कर देता है। ऑनलाइन फ्लर्टिंग, डिजिटल बेवफाई और लगातार उपलब्ध रहने की अपेक्षा जैसी नई समस्याएँ भी सामने आई हैं। इसलिए आज डिजिटल सीमाएँ भी उतनी ही आवश्यक हो गई हैं जितनी व्यक्तिगत सीमाएँ।

ऑनलाइन डेटिंग ने रिश्तों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। जीवनसाथी ढूँढना पहले परिवार, समाज या परिचितों के माध्यम से होता था, लेकिन अब मोबाइल एप और वेबसाइटों के माध्यम से लोग साथी ढूँढते हैं। इससे विकल्प बढ़े हैं, लेकिन साथ ही रिश्तों की स्थिरता कम हुई है। ह्लस्वाइप संस्कृतिह्व ने रिश्तों को कई बार उपभोक्ता वस्तु की तरह बना दिया है, जहाँ विकल्प हमेशा खुले रहते हैं और प्रतिबद्धता कठिन हो जाती है। इसके बावजूद, यह भी सत्य है कि कई सफल विवाह और रिश्ते भी ऑनलाइन माध्यम से ही बने हैं। इसलिए समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग की मानसिकता में है। आज की तेज रफ्तार दुनिया में रिश्तों को समय देना भी एक बड़ी चुनौती बन गया है। करियर, प्रतिस्पर्धा, आर्थिक दबाव, सोशल मीडिया और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएँ-इन सबके बीच रिश्ते अक्सर प्राथमिकता सूची में नीचे चले जाते हैं। लेकिन यह भी एक सत्य है कि अंततः मनुष्य को भावनात्मक सहारा, अपनापन और संबंधों की ही आवश्यकता होती है। इसलिए आधुनिक जीवन में रिश्तों को बनाए रखने के लिए संवाद, समय, सम्मान और समझ पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गए हैं।

विभिन्न पीढ़ियों के बीच रिश्तों को लेकर दृष्टिकोण में भी बड़ा अंतर दिखाई देता है। पुरानी पीढ़ी स्थायित्व और त्याग को महत्व देती है, जबकि नई पीढ़ी संतुष्टि और स्वतंत्रता को। पुरानी पीढ़ी रिश्ते बचाने के लिए समझौता करती थी, नई पीढ़ी रिश्ते में सम्मान और खुशी नहीं मिलने पर उसे छोड़ने का साहस रखती है। दोनों दृष्टिकोणों में अपनी-अपनी सच्चाई है। इसलिए आवश्यकता पीढ़ियों के संघर्ष की नहीं, बल्कि संवाद और समझ की है। वास्तव में विवाह बनाम स्वतंत्रता का प्रश्न किसी एक पक्ष की जीत या हार का प्रश्न नहीं है। यह समाज के विकास और परिवर्तन का स्वाभाविक चरण है। विवाह संस्था समाज के लिए आवश्यक है, क्योंकि वह स्थिरता, परिवार और सामाजिक व्यवस्था का आधार है। लेकिन व्यक्तिगत स्वतंत्रता भी उतनी ही आवश्यक है, क्योंकि बिना स्वतंत्रता के कोई भी रिश्ता केवल बंधन बन जाता है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि कानून, समाज और परिवार-तीनों मिलकर ऐसा संतुलन बनाएं, जिसमें विवाह संस्था भी सुरक्षित रहे और व्यक्ति की स्वतंत्रता भी सुरक्षित रहे। निश्चिततौर पर यह स्वीकार करना होगा कि जब रिश्ते टूट जाते हैं, तो व्यक्तियों को गरिमा के साथ आगे बढ़ने की अनुमति देना समाज के लिए खतरा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक व्यवस्था का एक आवश्यक अनुकूलन है। दुनिया तेजी से बदल रही है, संस्कृतियाँ एक-दूसरे से जुड़ रही हैं और सोच भी बदल रही है। ऐसे समय में हमें परंपरा और आधुनिकता के बीच संघर्ष नहीं, बल्कि समन्वय का मार्ग खोजना होगा। रिश्तों का भविष्य न पूरी तरह परंपरागत होगा, न पूरी तरह आधुनिक, बल्कि दोनों के संतुलन से ही एक नई सामाजिक व्यवस्था का निर्माण होगा, जहाँ विवाह भी सम्मानित होगा और स्वतंत्रता भी सुरक्षित होगी।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में आईईडी धमाका, चार पुलिसकर्मियों समेत नौ लोग घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक बड़ा धमाका हुआ है, जिसमें चार पुलिसकर्मियों समेत कुल नौ लोग घायल हो गए। यह घटना लक्की मरवत जिले के सेराई नौरंग इलाके में एक व्यस्त सड़क पर हुई। पुलिस के अनुसार, हमलावरों ने पुलिस की गश्ती टीम को निशाना बनाया था। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने एक मोटरसाइकिल में आईईडी फिट कर रखा था। जैसे ही पुलिस की गाड़ी वहां से गुजरी, धमाका कर दिया गया। इस विस्फोट में पुलिस की गाड़ी को भी नुकसान पहुंचा है। घटना के तुरंत बाद सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने अस्पताल जाकर घायलों का हाल जाना और बेहतर इलाज के निर्देश दिए। पुलिस ने इस हमले को कायराना बताया है और कहा है कि ऐसे हमलों से सुरक्षा बलों का मनोबल नहीं टूटेगा। अधिकारियों ने यह भी कहा कि आतंकियों के मंसूबों को नाकाम करने के लिए पुलिस पूरी तरह तैयार है और इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

सिंगापुर में सिंगर जुबीन गर्ग की मौत, पुलिस ने बताई वजह

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर पुलिस ने भारतीय गायक जुबीन गर्ग की मौत की जांच पूरी कर ली है और साफ किया है कि इसमें किसी भी तरह की साजिश या गड़बड़ी नहीं थी। जांच के अनुसार, उनकी मौत दुर्घटनावश डूबने से हुई थी। पुलिस के मुताबिक, जुबीन गर्ग सितंबर 2025 में एक यॉट ट्रिप पर गए थे। उन्होंने पहले लाइफ जैकेट पहनकर पानी में तैराकी की, लेकिन बाद में उसे उतार दिया। दूसरी बार जब वे पानी में उतरे, तो अकेले और बिना लाइफ जैकेट के तैरने लगे। इसी दौरान वे अचानक बेहोश हो गए। उन्हें तुरंत बचाकर यॉट पर लाया गया और सीपीआर दिया गया, लेकिन अस्पताल ले जाने के बाद उनकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी डूबने को ही मौत का कारण बताया गया है। जांच में यह भी सामने आया कि उनके खून में अल्कोहल की मात्रा ज्यादा थी, जिससे उनकी स्थिति और खराब हो सकती थी। पुलिस ने कहा कि यह पूरी तरह एक हादसा था। उन्होंने परिवार के प्रति संवेदना भी जताई है।

जजीरा एयरवेज ने भारत के चार नए शहरों के लिए शुरू की उड़ानें

कुवैत सिटी, एजेंसी। कुवैत की एयरलाइन जजीरा एयरवेज ने भारत में अपने नेटवर्क का विस्तार करते हुए चार नए शहरों, कोझिकोड, तिरुचिरापल्ली, मंगलूरू और कन्नूर, को जोड़ा है। इस विस्तार के बाद अब एयरलाइन भारत के कुल 12 शहरों के लिए उड़ानें संचालित कर रही है और हर हफ्ते 49 फ्लाइट्स चला रही है। यह पहल 'प्रोजेक्ट वंदे भारत' के तहत की गई है, जिसका उद्देश्य कुवैत में रहने वाले भारतीयों को बेहतर यात्रा सुविधा देना है। इससे पहले एयरलाइन अहमदाबाद, दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद और अन्य शहरों के लिए उड़ानें चला रही थी। कंपनी के सीईओ ने कहा कि भारत उनका महत्वपूर्ण बाजार है और वे भारतीय समुदाय को बेहतर कनेक्टिविटी देना चाहते हैं। नए रूट्स से खासकर दक्षिण भारत के यात्रियों को अपने घर तक पहुंचने में आसानी होगी। यह विस्तार ऐसे समय में हुआ है जब अंतरराष्ट्रीय यात्रा में कई तरह की बाधाएं आ रही हैं। इससे न केवल यात्रियों को फायदा होगा, बल्कि व्यापार और कार्गो सेवाओं को भी मजबूती मिलेगी।

नेपाल ने कुवैत से 318 नागरिकों को निकाला, नौ शव भी लाए गए

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने एक बड़े राहत अभियान के तहत कुवैत में फंसे अपने 318 नागरिकों को सुरक्षित वापस देश लाया है। इसके साथ ही नौ प्रवासी मजदूरों के शव भी नेपाल लाए गए। यह अभियान बुधवार रात को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। सरकार ने इसके लिए एक विशेष चार्टर्ड विमान का इस्तेमाल किया, जो कुवैत एयरवेज का बोइंग 777-300 था। यह विमान भैरहवा स्थित गौतम बुद्ध अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। बताया जा रहा है कि ये सभी लोग कई कारणों से कुवैत में फंसे हुए थे और उन्हें वापस लाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही थी। इस ऑपरेशन के जरिए न केवल जीवित नागरिकों को सुरक्षित घर पहुंचाया गया, बल्कि मृतकों के शव भी उनके परिवारों तक पहुंचाए गए। सरकार ने इस मिशन को मानवीय दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण बताया है। अधिकारियों का कहना है कि भविष्य में भी विदेशों में फंसे नागरिकों की मदद के लिए ऐसे प्रयास जारी रहेंगे, ताकि किसी भी नेपाली नागरिक को मुश्किल हालात में अकेला न छोड़ा जाए।

ईरान के सर्वोच्च नेता ने लोगों से युद्ध पीड़ितों के सम्मान में पौधे लगाने का किया आग्रह

तेहरान , एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने ईरानी लोगों से अपील की है कि वे अमेरिका-इज़राइल हमलों में मारे गए लोगों की स्मृति में पौधे लगाएं और इसे समृद्धि, आशा और 'दुश्मनों' के खिलाफ एक राष्ट्रीय प्रतिक्रिया का प्रतीक बनाएं। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि उन्होंने ये बातें दिए गए एक संदेश में कहीं, जो इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान की स्थापना की 47वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में था। साथ ही यह पारंपरिक अवसर 'सिज़दाह बेदार' या 'नेचर डे' से पहले दिया गया, जो नवरोज़ त्योहार के समापन का प्रतीक है और 2 अप्रैल को मनाया जाता है। खामेनेई ने अमेरिका और इज़रायल के खिलाफ संघर्ष में ईरानी जनता की बहादुरी की सराहना करते हुए कहा कि 'निर्दयी दुश्मन' अपनी क्रूरता में कोई सीमा नहीं जानते और उन्होंने अपने हमलों में ईरान की प्रकृति और पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाया है।

उन्होंने सभी ईरानी शहरों और गांवों के लोगों से अपील की कि वे संबंधित सरकारी संस्थानों के सहयोग से नेचर डे से लेकर वसंत ऋतु के अंत (21 जून) तक पौधे लगाने का अभियान जारी रखें। 28 फरवरी को इज़रायल और अमेरिका ने तेहरान और ईरान के कई अन्य शहरों पर संयुक्त हमले किए थे, जिसमें ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई सहित वरिष्ठ सैन्य कमांडरों और नागरिकों की मौत हो गई थी। इसके जवाब में ईरान ने इज़राइल

और मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों और संपत्तियों को निशाना बनाते हुए मिसाइल और ड्रोन हमलों की श्रृंखला शुरू की। इस बीच, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन ने कहा कि ईरानी जनता अमेरिकी लोगों के प्रति कोई दुश्मनी नहीं रखती है जबकि उन्होंने अमेरिकी प्रशासन पर ईरान के खिलाफ 'इज़राइल के प्रॉक्सी' के रूप में लड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने ये टिप्पणियां अमेरिकी जनता को संबोधित एक पत्र में कीं, जिसमें उन्होंने अमेरिका और इज़रायल के साथ चल रहे युद्ध को लेकर ईरान के रुख को विस्तार से बताया। पेज़ेशकियन ने कहा, 'ईरानी लोग अमेरिका, यूरोप या पड़ोसी देशों के लोगों सहित किसी भी अन्य राष्ट्र के प्रति दुश्मनी नहीं रखते।' उन्होंने कहा, 'अपने गौरवशाली इतिहास के दौरान बार-बार विदेशी हस्तक्षेप और दबावों का सामना करने के बावजूद ईरानियों ने हमेशा सरकारों और उनके लोगों के बीच स्पष्ट अंतर किया है।' पेज़ेशकियन ने कहा कि ईरान ने 'अपने आधुनिक इतिहास में कभी भी आक्रामकता, विस्तारवाद, उपनिवेशवाद या प्रभुत्व का रास्ता नहीं चुना,' जबकि उसे वैश्विक शक्तियों द्वारा कब्जे, आक्रमण और दबाव का सामना करना पड़ा है।

उन्होंने कहा कि ईरान को खतरे के रूप में प्रस्तुत करना इज़रायल द्वारा गढ़ी गई कहानी है, जिसका उद्देश्य 'फिलिस्तीनियों के खिलाफ अपने अपराधों से वैश्विक ध्यान हटाना' है। पेज़ेशकियन ने ईरान के आसपास अमेरिकी सैन्य जमावड़े और ठिकानों का ज़िक्र करते हुए कहा कि इन ठिकानों से शुरू हुई अमेरिकी 'आक्रामकताएं' यह दिखाती हैं कि ऐसी सैन्य मौजूदगी कितनी खतरनाक हो सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आने वाले दिनों में ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमले की धमकी के जवाब में उन्होंने कहा कि देश के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हमला सीधे ईरानी जनता को निशाना बनाता है। उन्होंने जोर दिया कि ऐसे कदम 'युद्ध अपराध' हैं और इनके प्रभाव ईरान की सीमाओं से बाहर तक जाएंगे। उन्होंने सवाल किया, 'क्या 'अमेरिका फर्स्ट' वास्तव में आज अमेरिकी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है? उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय 'एक चौराहे पर खड़ी है,' जहां उसे टकराव और संवाद के बीच चयन करना होगा।

अमेरिका ने वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति पर से प्रतिबंध हटाए

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज पर लगे प्रतिबंध हटा दिए हैं। यह फैसला अमेरिकी ट्रेजरी विभाग की ओर से लिया गया है। माना जा रहा है कि यह कदम इस बात का संकेत है कि अमेरिका अब रोड्रिगेज को वेनेजुएला की वैध नेता मान रहा है। इससे पहले भी अमेरिका उन्हें कई कूटनीतिक और कानूनी मामलों में देश का प्रमुख मान चुका है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब ट्रंप प्रशासन वेनेजुएला की अंतरिम सरकार के साथ लगातार बातचीत कर रहा है। इसी साल 3 जनवरी को अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को कराकास से गिरफ्तार किया था। दोनों पर ड्रग तस्करी के आरोप लगे हैं और उन्हें न्यूयॉर्क ले जाया गया, जहां उन्होंने खुद को निर्दोष बताया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले से वेनेजुएला की राजनीति में बड़ा बदलाव आ सकता है। अमेरिका का समर्थन मिलने से रोड्रिगेज की स्थिति मजबूत होगी और देश में स्थिरता लाने की कोशिश तेज हो सकती है। हालांकि, यह कदम अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भी नए समीकरण बना सकता है और आने वाले समय में इसके बड़े असर देखने को मिल सकते हैं।

इंडोनेशिया में आया 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप, तटीय क्षेत्रों में सुनामी की चेतावनी

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया में जबरदस्त भूकंप आया है। संयुक्त राज्य अमेरिका के भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने बताया कि गुरुवार तड़के पूर्वी इंडोनेशिया के तट से दूर समुद्र में 7.4 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप आया। इसके बाद एक अमेरिकी निगरानी एजेंसी ने भूकंप के केंद्र से 1,000 किलोमीटर के दायरे में सुनामी की संभावना को लेकर चेतावनी जारी की। यूएसजीएस के अनुसार, भूकंप का केंद्र 1.20 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 126.35 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। चीन के भूकंप नेटवर्क केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक, यह भूकंप लगभग 30 किलोमीटर की गहराई पर आया। यूएसजीएस ने आगे बताया कि यह भूकंप, जिसकी तीव्रता शुरू में 7.8 मापी गई थी, स्थानीय समय के अनुसार सुबह लगभग 6:48 बजे मोलुक्का सागर में आया। हवाई स्थित पैसिफिक सुनामी वार्निंग सेंटर ने एक अलर्ट जारी करते हुए कहा कि भूकंप के केंद्र से 1,000 किलोमीटर के दायरे में खतरनाक सुनामी लहरें उठ सकती हैं, खासकर इंडोनेशिया, फिलीपींस और मलेशिया के तटीय इलाकों में। यूएसजीएस ने भी भूकंप के केंद्र से उतनी ही दूरी पर स्थित क्षेत्रों में खतरनाक सुनामी लहरों की संभावना के संबंध में चेतावनी दी। इंडोनेशिया दुनिया के सबसे अधिक भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्रों में से एक है, क्योंकि यह 'प्रशांत अग्नि वलय' पर स्थित है। यह

ज्वालामुखियों और भ्रंश रेखाओं का एक विशाल 40,000 किलोमीटर लंबा चाप है, जो टेक्टोनिक प्लेटों की आपसी हलचल से बना है। प्रशांत महासागर को घेरने वाली यह घोड़े की नाल के आकार की बेल्ट दुनिया के लगभग 90 प्रतिशत भूकंपों का कारण बनती है और यह अपनी लगातार होने वाली भूकंपीय और ज्वालामुखी गतिविधियों के लिए जानी जाती है। यूएसजीएस के अनुसार, अभी पिछले महीने ही 3 मार्च को सुमात्रा के तट से दूर समुद्र में 6.1 तीव्रता का भूकंप आया था। इससे वहां के लोग सहम गए थे, लेकिन कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ था। वह भूकंप सुमात्रा के उत्तर-पूर्वी सिरे के पास समुद्र में उत्पन्न हुआ था, जिसके कारण उस क्षेत्र में, जहां अक्सर भूकंप के झटके आते रहते हैं, कई लोग घबराकर अपने घरों से बाहर भाग निकले थे। इसी बीच, इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी ने इस भूकंप की तीव्रता 6.4 दर्ज की और बताया कि यह 13 किलोमीटर की गहराई पर आया था।

अपने ही घर में घिरे ट्रंप: डेमोक्रेटिक सांसदों ने यूएस के भविष्य पर उठाए सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद की विदेश मामलों की समिति के वरिष्ठ डेमोक्रेटिक सांसदों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान नीति पर कड़े सवाल उठाए हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि आगे चलकर इस युद्ध की मानवीय, आर्थिक और भू-राजनीतिक कीमत बहुत भारी पड़ रही है। राष्ट्रपति के राष्ट्र के नाम संबोधन से पहले सांसदों ने एक साझा बयान जारी कर अपनी चिंताएं जाहिर की। सांसद ग्रेगरी मीक्स, एडम स्मिथ और जिम हाइम्स ने कहा राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी मर्जी से ईरान के खिलाफ यह युद्ध शुरू किया था। इसे शुरू हुए एक महीने से ज्यादा का समय बीत चुका है, लेकिन ट्रंप अपने लक्ष्यों को हासिल करने के करीब भी नहीं पहुंचे हैं। सांसदों का तर्क है कि इस सैन्य कार्रवाई से ईरान के शासन में कोई बुनियादी बदलाव नहीं आया है। ईरान अब भी परमाणु कार्यक्रम चलाने, मिसाइलें बनाने और आतंकी समूहों की मदद करने में सक्षम है। इसके अलावा, ट्रंप ईरान के आम लोगों को भी कोई राहत नहीं दे पाए हैं। सांसदों ने इस युद्ध में हुए जान-माल के मानवीय और भौतिक नुकसान को उजागर करते हुए बयान में आगे कहा, अब तक 13 अमेरिकी सैनिक अपनी जान गंवा चुके हैं और सैकड़ों घायल हुए हैं।

युद्ध में अरबों डॉलर के हथियार और सैन्य उपकरण या तो बर्बाद हो गए हैं या उन्हें भारी नुकसान पहुंचा है। मानवीय नुकसान का जिक्र करते हुए सांसदों ने कहा कि हजारों ईरानी नागरिक मारे गए हैं, जिनमें 150 से ज्यादा स्कूली छात्राएं भी शामिल हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ट्रंप की इस विनाशकारी कार्रवाई की वजह से बहुत से लोग अमेरिका के खिलाफ हो गए हैं और कट्टरपंथ बढ़ रहा है। बयान में कहा गया कि इस युद्ध की वजह से दुनिया भर में तेल, खाद और हीलियम जैसी जरूरी चीजों की सप्लाई कम हो गई है। इससे अमेरिका और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ा है। सांसदों ने यह भी आरोप लगाया कि ट्रंप ने अपने पुराने और वफादार सहयोगियों का अपमान किया, उन पर दबाव डाला है और उन्हें नीचा दिखाया है।

ट्रंप ने ईरान के खिलाफ कार्रवाई बच्चों के भविष्य में निवेश जैसी, हमले तेज करने की दी चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आने वाले हफ्तों में ईरान के खिलाफ हमले और तेज करने की बात कही और चेतावनी दी है कि ये हमले अभी कुछ हफ्तों तक और चलेगा। ट्रंप ने कहा कि हम अगले दो से तीन हफ्तों में उन पर बहुत जोरदार हमला करने वाले हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान के खिलाफ इन हमलों को बच्चों के भविष्य में निवेश बताया। देश के नाम अपने संबोधन में स्थानीय समयानुसार बुधवार को ट्रंप ने कहा कि ईरान के खिलाफ ऑपरेशन एक महीने से थोड़ा ज्यादा चला है, लेकिन अमेरिका ने पहले ही उस चीज को खत्म कर दिया है जिससे बड़ा खतरा बताया था। उन्होंने कहा, 'हम इस सैन्य ऑपरेशन में 32 दिनों से हैं और देश को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है और असल में अब कोई खतरा नहीं है।' उन्होंने कैंपेन की रफ्तार में तेजी को दिखाने के लिए

इसकी तुलना पिछले अमेरिकी युद्धों के समय से की। ट्रंप ने कहा, 'पहले विश्व युद्ध में अमेरिका की भागीदारी एक साल, सात महीने और पांच दिन तक चली। दूसरा वर्ल्ड वॉर तीन साल, आठ महीने और 25 दिन तक चला। कोरियाई युद्ध तीन साल, एक महीने और दो दिन तक चला। वियतनाम युद्ध 19 साल, पांच महीने और 29 दिन तक चला और इराक युद्ध आठ साल, आठ महीने और 28 दिन तक चला।

ईरान ऑपरेशन को बहुत तेज बताते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ने ऐसी रफ्तार से नतीजे दिए हैं जो मॉडर्न लड़ाई में बहुत कम देखी गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'लड़ाई के इतिहास में कभी किसी दुश्मन को कुछ हफ्तों में इतना साफ, भयानक और बड़े पैमाने पर नुकसान नहीं हुआ।' उन्होंने कहा कि लड़ाई का कम समय सैन्य ताकत और रणनीतिक स्पष्टता दोनों को दिखाता है।

ट्रंप ने कहा, 'हम अमेरिका और दुनिया के लिए ईरान के खतरे को खत्म करने की कगार पर हैं।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'हम तब तक काम करते रहेंगे, जब तक हमारे मकसद पूरी तरह पूरे नहीं हो जाते। हमने जो प्रक्रिया की है, उसकी वजह से मैं कह सकता हूं कि हम बहुत जल्द अमेरिका के सभी मकसद पूरे करने की राह पर हैं।'

उन्होंने ईरान को यह भी चेतावनी दी है कि अगर कोई समझौता नहीं हुआ, तो हम उनके हर बिजली बनाने वाले प्लांट पर बहुत जोरदार हमला करेंगे और शायद एक साथ। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस लड़ाई को अमेरिका के लिए बेहतर और सुरक्षित भविष्य पक्का करने की कोशिश बताया है। ट्रंप ने कहा, 'यह आपके बच्चों और आपके नाती-पोतों के भविष्य में एक सच्चा निवेश है।

उन्होंने दोहराया कि ईरान को न्यूक्लियर हथियार हासिल करने से रोकने के लिए जंग जरूरी है। हालांकि ट्रंप के अपने इंटेलिजेंस चीफ ने पिछले साल माना था कि तेहरान ऐसा नहीं चाहता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने संबोधन के आखिरी में कहा, 'जंग पहले ही जीत ली गई है और लगभग खत्म हो चुकी है। हम अमेरिका और दुनिया के लिए ईरान के खतरनाक खतरे को खत्म करने की कगार पर हैं।'

यूएन चीफ ने भारत की शालिनी बहुगुणा को पापुआ न्यू गिनी में रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया

न्यूयार्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर काम कर चुकीं शालिनी बहुगुणा को पापुआ न्यू गिनी में निवासी समन्वयक (रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर) नियुक्त किया है। यूएन महासचिव गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बुधवार को कहा कि उनके पास अंतरराष्ट्रीय संगठन के साथ काम करने का दशकों का अनुभव है। एक रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर के रूप में वह पापुआ न्यू गिनी में संयुक्त राष्ट्र की सर्वोच्च अधिकारी होंगी और वहां चल रहे 192 कार्यक्रमों के समन्वय का नेतृत्व करेंगी। रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर किसी देश में यूएन के सबसे ऊंचे रैंक के अधिकारी

होते हैं, जो संयुक्त राष्ट्र प्रोग्राम पर काम करने वाले संगठनों की टीमों का नेतृत्व करते हैं। यूएन के मुताबिक, हाल ही में शालिनी बहुगुणा ने यूनिसेफ के साथ काम किया और एक्सेंचर के साथ पार्टनरशिप में एक एआई रणनीति विकसित की। इससे पहले, वह तंजानिया में यूनिसेफ की रिप्रजेंटेटिव थीं, जहां उन्होंने बच्चों के अधिकारों और देश के विकास की प्राथमिकता को आगे बढ़ाया। वह इथियोपिया और म्यांमार में यूनिसेफ की डिप्टी रिप्रजेंटेटिव और नाइजीरिया में सामाजिक नीतियों और लिंग की प्रमुख रह चुकी हैं। शालिनी बहुगुणा ने भारत के विकास, पानी और सफाई के मुद्दों पर एक एनजीओ के लिए काम करने के साथ अपना करियर शुरू किया था और बाद में भारत सरकार और विश्व बैंक के वॉटर सेक्टर रिफॉर्म प्रोग्राम के साथ काम किया। ब्रिटेन के अंतरराष्ट्रीय विकास विभाग (डीएफआईडी) के साथ काम करने के दौरान उन्हें चीन, इंडोनेशिया और अफगानिस्तान भी जाना पड़ा। इसके अलावा उन्होंने तंजानिया में यूनिसेफ की प्रतिनिधि के रूप में बच्चों के अधिकारों और देश की विकास प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाया। शालिनी ने दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी श्री राम कॉलेज से ग्रेजुएशन किया। उनके पास ब्रिटेन की स्वानसी यूनिवर्सिटी से डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स और इंटरनेशनल डेवलपमेंट में मास्टर डिग्री है। उनके पास अंतरराष्ट्रीय संगठनों, विशेष रूप से विकास, मानवीय और शांति स्थापना के क्षेत्रों में 20 से अधिक वर्षों का अनुभव है। उन्होंने एशिया और अफ्रीका के विभिन्न देशों में जटिल और सांस्कृतिक रूप से विविध टीमों का नेतृत्व किया है।

क्लब जाकर ईरान युद्ध की खुफिया जानकारी लीक कर रहे अमेरिकी सैनिक?

सैन डिएगो , एजेंसी। सैन डिएगो अमेरिका के बड़े सैन्य केंद्रों में से एक है, जहां कई बड़े नौसैनिक और सैन्य ठिकाने हैं, और आम तौर पर ऐसे इलाकों के पास स्ट्रिप क्लब और बार भी होते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हालिया राष्ट्र के नाम संबोधन में इस बात को साफ कर दिया है कि ईरान युद्ध अभी जारी रहेगा। ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि आने वाले हफ्तों में अमेरिका ईरान पर और तगड़े हमले करने वाला है। इससे पहले यह खबरें थीं कि अमेरिका जल्द ही ईरान में जमीनी अभियान शुरू कर सकता है और इसके लिए ट्रंप ने हजारों अमेरिकी सैनिकों की तैनाती शुरू कर दी है। अब इन सैनिकों को लेकर एक हैरतअंगेज खबर सामने आई है। अमेरिका की एक जानी मानी टिकटॉकर ने अपनी एक वीडियो में दिखाया है कि किस तरह अमेरिकी सैनिक इस जंग से निराश हो गए हैं और इस निराशा में वह खुफिया जानकारियां भी लीक कर देते हैं। पेशे से क्लब में डांस करने वाली एक टिकटॉकर ने दावा किया है कि कई अमेरिकी जवान अपनी तैनाती से जुड़ी बातें लोगों को बता रहे हैं। वायरल वीडियो में सैन डिएगो की डांसर चार्म डेज, जिनके करीब नौ लाख फॉलोअर्स हैं, ने बताया कि पास के सैन्य ठिकानों से आने वाले कई सैनिक क्लब में आते हैं और खूब पैसे लुटाते हैं। वायरल वीडियो में क्या दावा? वीडियो में चार्म ने बताया, 'मैंने हाल में देखा है कि बहुत सारे सैन्य लोग आ रहे हैं और अपना सारा पैसा खर्च कर रहे हैं। वे थोड़े उदास लगते हैं। कहते हैं 'हम मजे करेंगे', लेकिन साफ दिखता है कि कुछ ठीक नहीं है। फिर बताते हैं कि 'हम अगले हफ्ते अभियान शुरू करने वाले हैं'।' डांसर आगे कहती है, 'इनमें से कई बहुत अच्छे हैं, लेकिन इतने कम उम्र के लड़कों को देखना और फिर उन्हें अलविदा कहना मुझे भावुक कर देता है।' बता दें कि सैन डिएगो अमेरिका के बड़े सैन्य केंद्रों में से एक है, जहां कई बड़े नौसैनिक और सैन्य ठिकाने हैं, और आम तौर पर ऐसे इलाकों के पास स्ट्रिप क्लब और बार भी होते हैं। ग्राउंड ऑपरेशन की तैयारी तेज इस वीडियो के बाद अब यह चर्चा तेज हो गई है कि अमेरिका ईरान में बड़े स्तर पर ग्राउंड ऑपरेशन शुरू करने की तैयारी कर रहा है। संभावित अमेरिकी जमीनी अभियान की अटकलों के बीच, अमेरिका ने मंगलवार को आक्रमण पोत यूएसएस ट्रिपोली को हिंद महासागर में तैनात कर दिया है। अमेरिकी केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) ने यह जानकारी दी है। सेंटकॉम द्वारा जारी एक तस्वीर में 45,000 टन वजनी युद्धपोत को हिंद महासागर में नौवहन करते हुए दिखाया गया, हालांकि ईरान से इसकी सटीक दूरी का खुलासा नहीं किया गया। अमेरिका के रक्षा विभाग द्वारा 26 मार्च को साझा की गयी तस्वीरों के अनुसार, ट्रिपोली पर 31वें समुद्री अभियान दल के लगभग 1,800 नौसैनिक तैनात हैं। कुछ फोटोज में मरीन 'जहाज रक्षा अभ्यास' में भाग लेते नजर आए। अमेरिकी नौसेना के आंकड़ों के मुताबिक यह पोत लगभग 1,850 नौसैनिकों के साथ करीब 1,200 नाविकों के दल को ले जाने में सक्षम है। इसी बीच, सैन्य जमावड़े के तहत लगभग 2,200 नौसैनिकों के साथ 11वां नौसैनिक अभियान दल को भी पश्चिम एशिया की ओर भेजे जाने की खबर है। इसके अलावा 82वीं वायुसेना इकाई के करीब 1,000 सैनिकों को क्षेत्र में तैनात किए जाने की सूचना है।

नासा ने ऐतिहासिक आर्टेमिस-2 मानवयुक्त चंद्र मिशन का किया शुभारंभ

फ्लोरिडा, एजेंसी। नासा का आर्टेमिस 2 चंद्र मिशन अमेरिका के फ्लोरिडा से प्रक्षेपित हुआ। इसमें चार अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर 50 से अधिक वर्षों में पहली बार चंद्रमा के चारों ओर मानवयुक्त उड़ान भरी गई। स्पेस लॉन्च सिस्टम रॉकेट जिसके शीर्ष पर ओरियन अंतरिक्ष यान लगा था, बुधवार को शाम 6:35 बजे (ईस्टर्न टाइम) नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से प्रक्षेपित किया गया। यह आर्टेमिस कार्यक्रम के तहत नासा का पहला मानवयुक्त मिशन है। चार सदस्यीय दल में नासा के अंतरिक्ष यात्री रीड वाइसमैन, विक्टर ग्लोवर और क्रिस्टीना कोच शामिल हैं। साथ ही कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी के अंतरिक्ष यात्री जेरेमी हैनसेन भी दल का हिस्सा हैं। लॉन्च काउंटडाउन को टी-10 मिनट के समय पर थोड़ी देर के लिए रोका गया था, जिसके बाद कुछ मिनटों में इसे फिर से शुरू कर दिया गया। आर्टेमिस 2 मिशन गहरे अंतरिक्ष अभियानों के लिए आवश्यक कई क्षमताओं का प्रदर्शन करेगा। नासा के अनुसार, इसका उद्देश्य ओरियन के जीवन-समर्थन प्रणालियों को सत्यापित करना और अंतरिक्ष यात्रियों को आर्टेमिस III और आगामी चंद्र मिशनों की सफलता के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण संचालन का अभ्यास करने का अवसर देना है। दल चंद्रमा के दूरस्थ हिस्से से लगभग 7,400 किलोमीटर आगे तक यात्रा करेगा और फिर पृथ्वी पर लौटेगा। यह मिशन अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी से पहले से कहीं अधिक दूर और चंद्रमा के पहले से कहीं अधिक निकट ले जाएगा, जैसा कि पिछले आधे शताब्दी में कभी नहीं हुआ। पुनः प्रवेश (री-एंट्री) इस मिशन के सबसे चुनौतीपूर्ण चरणों में से एक होगा। ओरियन के पृथ्वी के वायुमंडल में लगभग 25,000 मील प्रति घंटे की गति से प्रवेश करने की उम्मीद है, जहां उसे लगभग 5,000 डिग्री तापमान का सामना करना पड़ेगा, इसके बाद यह प्रशांत महासागर में

उतरेगा। मिशन के दौरान, अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष यान के प्रदर्शन का मूल्यांकन करेंगे, आपातकालीन प्रक्रियाओं का अभ्यास करेंगे और चंद्रमा के दूरस्थ हिस्से की तस्वीरें लेंगे। यह दल कई ऐतिहासिक उपलब्धियों का भी प्रतिनिधित्व करता है। इस मिशन में पहली महिला, पहला अफ्रीकी-अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री और चंद्रमा की ओर यात्रा करने वाला पहला कनाडाई शामिल है। आर्टेमिस 2 को नासा की व्यापक योजना के शुरुआती कदम के रूप में देखा जा रहा है, जिसका उद्देश्य चंद्रमा पर दीर्घकालिक मानव उपस्थिति स्थापित करना और अंततः अंतरिक्ष यात्रियों को मंगल ग्रह तक भेजना है। आर्टेमिस कार्यक्रम अपोलो मिशनों के बाद शुरू किया गया है, जिनके तहत 1968 से 1972 के बीच 24 अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर भेजा गया था, जिनमें से 12 ने उसकी सतह पर कदम रखा था। नासा इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए चंद्रमा पर एक दीर्घकालिक आधार (लूनर बेस) स्थापित करना चाहता है और इस दशक के अंत तक चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर मिशनों की योजना बना रहा है। इसके बाद मंगल की ओर आगे बढ़ेगा।

महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर का संकेत हैं ये 10 लक्षण

भारत में ब्रेस्ट कैंसर के बाद सबसे ज्यादा महिलाएं सर्वाइकल कैंसर का शिकार होती हैं। महिलाओं के गर्भाशय के सबसे निचले हिस्से में (गर्भाशय और योनि को जोड़ने वाला हिस्सा) सर्विक्स होता है। इसी सर्विक्स में होने वाले कैंसर को सर्वाइकल कैंसर कहते हैं। 35-40 साल की उम्र के बाद जब महिलाओं के पीरियड्स अनियमित होते हैं या ब्लड ज्यादा निकलता है, तो वो इसे सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देती हैं। मगर ये सर्वाइकल कैंसर का शुरुआती संकेत हो सकता है। ये एक खतरनाक कैंसर है क्योंकि सर्वाइकल से फैलते हुए ये कैंसर लिवर, ब्लैडर, योनि, फेफड़ों और किडनी तक पहुंच जाता है। हालांकि ये कैंसर बहुत धीरे-धीरे बढ़ता है, लेकिन कुछ शुरुआती लक्षणों से इसे पहचाना जा सकता है।

सर्वाइकल कैंसर के लक्षण

- पीरियड्स अनियमित हो जाना
- पीरियड्स में सामान्य से ज्यादा खून निकलना
- सफेद पदार्थ का निकलना
- शारीरिक संबंध के बाद खून निकलना
- पेट के निचले हिस्से में दर्द या सूजन
- बार-बार यूरिन आना
- बहुत अधिक थका हुआ महसूस करना
- अक्सर हल्का बुखार और सुस्ती रहना
- भूख न लगना या बहुत कम खाना
- सीने में जलन और लूज़ मोशन आदि

आसान है सर्वाइकल कैंसर की जांच

ज्यादातर मामलों में एडवांस स्टेज में ही इसका पता चल पाता है, लेकिन पैप स्मीयर टेस्ट से इसके बारे में पता लगाया जा सकता है। ये जांच हर शहर में आसानी से उपलब्ध है। इसके जरिए कैंसर शुरू होने से पहले की अवस्था को आसानी से पहचाना जा सकता है। जागरूकता के अभाव में ज्यादातर स्त्रियां यह जांच नहीं करवातीं और अंततः सर्विक्स कैंसर की शिकार हो जाती हैं। अगर शुरुआती दौर में ही उपचार शुरू किया जाए तो इसे आसानी से दूर किया जा सकता है।

क्यों होता है सर्वाइकल कैंसर

लगभग 98 प्रतिशत मामलों में एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) वायरस के फैलने से सर्विक्स कैंसर होता है। आनुवंशिकता इसकी प्रमुख वजह है। अब तक किए गए अध्ययनों के अनुसार फैमिली हिस्ट्री होने पर स्त्रियों में सर्विक्स कैंसर की आशंका बढ़ जाती है। गर्भाशय में चोट लगने से भी ऐसी समस्या हो सकती है। सिगरेट में मौजूद निकोटिन को भी इसके लिए ज़िम्मेदार माना जाता है इसलिए सिगरेट पीने वाली महिलाओं में ये समस्या देखी जाती है। कुपोषण और पर्सनल हाइजीन की कमी होने पर भी यह समस्या हो सकती है। यह एसटीडी यानी सेक्सुअली ट्रांस्मिटेड डिज़ीज़ है, इसलिए कम उम्र में या असुरक्षित सेक्स और एक से ज्यादा पार्टनर्स के साथ संबंध को इसका प्रमुख कारण माना जाता है।

दोपहर बाद आलस आने के कारण और उससे उबरने के तरीके

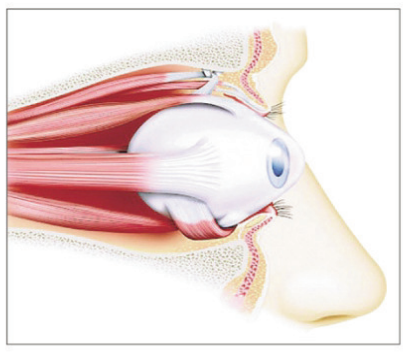

दोपहर में नींद आना

दोपहर के बाद कई कोशिशों के बावजूद आप अपनी नींद पर काबू नहीं कर पाते हैं और आपको आलस आता है। इसका असर आपके काम पर पड़ता है। अधूरी नींद, अवसाद, ओवरईटिंग, व्यायाम न करना, कुछ बीमारियां आदि प्रमुख कारण हैं जिनके कारण आपको दोपहर बाद आलस आता है। आगे की स्लाइडशो में विस्तार से जानिये उन प्रमुख कारणों के बारे में जिनके कारण आपको नींद आती है और इससे उबरने के तरीके भी जानिए।

नींद पूरी न करना

रात में देर से सोने और सुबह जल्दी उठने के कारण पूरे दिन नींद आना सामान्य बात है। बहुत कम नींद लेना सेहत और एकाग्रता दोनों पर असर डालता है। इसलिए एक वयस्क को रात में कम से कम 7 से 8 घंटे की नींद लेनी चाहिए। शहरी जीवनशैली के बीच शरीर की इस सबसे आसान व प्राकृतिक जरूरत को पूरा करना मुश्किल होता जा रहा है। इसके कारण दोहपर के बाद आलस आता है।

ब्रेकफास्ट न करना

सुबह के वक्त नाश्ता करने से हमें न केवल एनर्जी मिलती है बल्कि इसके कारण हम पूरे दिन ऊर्जावान रहते हैं। लेकिन अगर आपने सुबह के वक्त नाश्ता नहीं किया है तो इसके कारण दोहपर के बाद आपको नींद सतायेगी। इसलिए सुबह का नाश्ता करना न भूलें।

ओवरईटिंग के कारण

लंच में अधिक और अस्वस्थ खाने के कारण दोपहर के बाद आलस आना स्वाभाविक है। इसके अलावा दोपहर में आपने क्या खाया इसके कारण भी दोपहर बाद आलस आता है। इसलिए लंच में ऐसा खाना खायें जो आसानी से पच जाये। सलाद, हरी सब्जियों, फलों का अधिक मात्रा में सेवन करें। मीट, मछली, मसालेदार आदि हैवी फूड के सेवन से बचें।

हाइपोथाइरॉयडिज्म के कारण

थाइरॉएड एक ऐसी ग्रंथि है, जो मेटाबॉलिज्म को काबू में रखती है, इस प्रक्रिया के तहत शरीर भोजन को पचा कर ऊर्जा में बदलता है। जब यह ग्रंथि असक्रिय हो जाती है तो इसे हाइपोथाइरॉएडिज्म कहते हैं। इसके कारण मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है, और व्यक्ति को थकावट होती है और उसका वजन बढ़ने लगता है। अगर कोई व्यक्ति इस समस्या से ग्रस्त है तो उसे दोपहर बाद आलस आयेगा।

तनाव और अवसाद के कारण

तनाव का सबसे नकारात्मक असर हमारी नींद पर पड़ता है। अगर कोई व्यक्ति तनाव और अवसाद से ग्रस्त है तो इसके कारण उसे अच्छी नींद नहीं आएगी, थकावट, सिरदर्द और भूख न लगने जैसी समस्यायें भी होंगी। इसलिए अगर तनाव से ग्रस्त हैं तो इससे उबरने की कोशिश करें।

व्यायाम न करना

अगर आप व्यायाम करने में आलस करेंगे तो पूरा दिन आलस में ही बीतेगा। दोपहर के बाद नींद आने के प्रमुख कारण है। इसलिए सुबह के वक्त व्यायाम के लिए 30-40 मिनट जरूर निकालें।

दोपहर के आलस को कैसे करें दूर

दोपहर के बाद नींद आने की समस्या को आप आसानी से दूर कर सकते हैं। हो सके तो ऑफिस में ही 30 मिनट की पॉवर नैप लें, 40 मिनट से अधिक समय तक एक जगह कुर्सी पर न बैठें, थोड़ा सा टहले, लंच के बाद टहलें, ब्रेकफास्ट जरूर करें, व्यायाम को अपनी दिनचर्या बनाएं, नींद आने पर कॉफी का सेवन करें, भरपूर नींद लें और समय-समय पर चिकित्सक से परामर्श लें।

रेसिपी

ढींगरी डोलमा

- **तेल:** 2 टीस्पून ■ **जीरा:** 1/2 टीस्पून
- **अदरक:** लहसुन का पेस्ट- 1 टीस्पून
- **प्याज:** 85 ग्राम ■ **टमाटर:** 90 ग्राम
- **लाल मिर्च:** 1/4 टीस्पून ■ **काली मिर्च:** 1/2 टीस्पून ■ **मशरूम:** 200 ग्राम
- **स्क्रैंबल्ड पनीर:** 250 ग्राम ■ **गर्म मसाला:** 1/4 टीस्पून ■ **नमक:** 1 टीस्पून
- **धनिया:** गार्निश के लिए
- **अदरक:** गार्निशिंग के लिए

विधि

डींगरी डोलमा बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में दो चम्मच ऑयल डालकर गर्म करें । अब इसमें ½ चम्मच जीरा, 1 चम्मच अदरक लहसुन का पेस्ट डाल कर 2 से 3 मिनट तक फ्राई करें। अब इसमें 50 ग्राम प्याज डालकर फ्राई करें। प्याज के नरम हो जाने पर इसमें 90 ग्राम टमाटर डालकर पकाएं। इसके बाद इसमें ½ चम्मच लाल मिर्च, ½ चम्मच काली मिर्च पाउडर डालकर मिक्स करें। अब इसमें 200 ग्राम मशरूम डालकर धीमी आंच पर 10 मिनट तक पकाएं। अब इसमें 250 ग्राम स्क्रैंबल पनीर डालकर अच्छे से मिक्स करें। अब इसमें ½ चम्मच गरम मसाला व एक चम्मच नमक डालकर 5 मिनट तक पकाएं। ढींगरी डोलमा तैयार है, इसे धनिया व अदरक के साथ सजाकर सर्व करें।

सेवई उपमा

- **सेवई भुनी हुई:** 1 कप ■ **प्याज (बारीक कटा हुआ:** 1/4 कप ■ **टमाटर (बारीक कटा हुआ:** 1/4 कप ■ **हरी मिर्च बारीक कटी हुई:** 2 ■ **ताजा मटर के दाने:** 1/4 कप ■ **हल्दी पाउडर:** 1/4 छोटा चम्मच टीस्पून ■ **राई :** 1/4 छोटा चम्मच टीस्पून ■ **नमक :** स्वादानुसार ■ **तेल :** 1 बड़ा चम्मच टेबलस्पून ■ **हरा धनिया (बारीक कटा हुआ:** 1 बड़ा चम्मच टेबलस्पून ■ **पानी :** 2 कप

विधि

सेवई उपमा बनाने के लिए, कड़ाही में तेल गर्म कर उसमें राई का तड़का लगाएं। जब राई चटकने लगे तब उसमें प्याज और हरी मिर्च डालें। बीच-बीच में चम्मच से हिलाते हुए धीमी आंच पर प्याज को सुनहरा होने तक सेकें। जब प्याज भुन जाए तब उसमें हल्दी पाउडर, टमाटर और मटर के दाने डालकर मिलाएं और ढककर धीमी आंच पर पकाएं। जैसे ही टमाटर और मटर के दाने पक जाएं तब इसमें भुनी हुई सेवई, नमक और 2 कप पानी डालकर मिलाएं। अब मध्यम आंच पर, ढककर, पानी के सूखने और सेवई के गलने तक पकाएं। पानी सूखने के बाद गैस बंद करें। अगर सेवई गलने के बाद भी पानी न सूखा हो तो ढक्कन हटाकर तब तक पकाएं जब तक पानी सूख न जाए। तैयार है सेवई उपमा, इसे हरे धनिए और टमाटर स्लाइस से सजाकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमी (प्रेमिका से)- मुझे समझ में नहीं आता कि भगवान ने तुम्हें इतना सुंदर बनाने के साथ-साथ इतना मूर्ख क्यों बनाया?

प्रेमिका- ताकि हम दोनों का मिलन हो सके।

प्रेमी- वह कैसे?

प्रेमिका- मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हे पसंद किया...! समझे।

□ □ □

प्रेमी अपने साथ पढ़ रही प्रेमिका से- प्रिये! देखों मैं धोखा खा गया।

प्रेमिका- कैसे, कब और हुआ क्या?

प्रेमी- मैंने तुम्हें मोबाइल दिलाने के लिए घर वालों से झूठ बोलकर किताबों के नाम से पैसे मँगाए थे। उन्होंने किताबें ही भेज दीं।

□ □ □

प्रेमी (प्रेमिका से)- अभी यहाँ तुम्हारे पास आते समय रास्ते में कहीं मेरी कलम कहीं खो गई।

प्रेमिका- मेरी तो आज तक कभी कोई चीज नहीं खोई।

प्रेमी- क्यों झूठ बोल रही हो? प्रेम दिवस के दिन ही तो तुम कह रही थी कि मेरा दिल न जाने कहाँ खो गया है।

□ □ □

काकुरो पहेली - 650

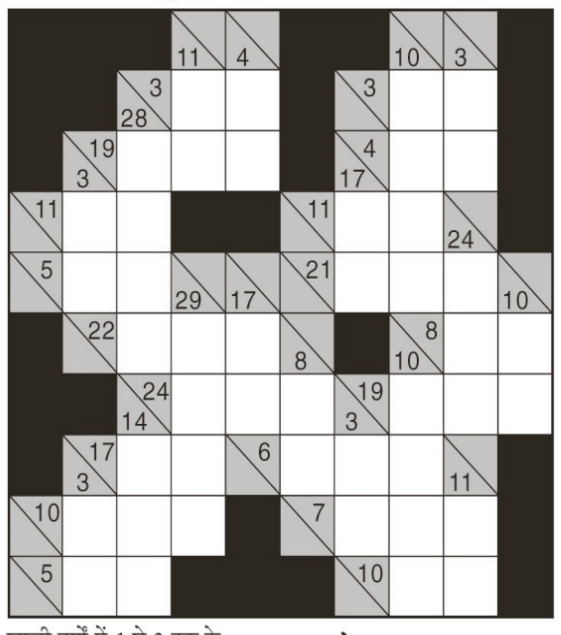

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

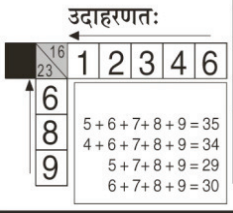

काकुरो - 649 का हल

■	17	15	■	■	■	■	■	■
16	9	7	10	■	10	11	6	4
15	8	5	2	11	9	2	3	2	1
■	4	3	1	4 6	1	3	4 24	1	3
■	■	4 6	3	1	16	5	8	3	■
■	7 10	1	4	2	8 8	1	7	25	17
11	9	2	4 11	3	1	23 17	9	6	8
9	1	3	5	16 12	7	9	11 13	2	9
■	■	7	4	3	21	8	4	9	■
■	■	11	2	9	■	17	9	8	■

फिल्म वर्ग पहेली- 650

1		2		3	■	4		5	
	■		■	6	7		■		■
8			9	■	10		11		12
	■	■	13		■	■		■	
■	14	15		■	16	17		■	
18	■			19			■	20	■
21			■		■	22			23
	■	24	25	■	26		■	27	
■	28	■	29			■	30	■	■
31				■	32			■	33

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, वैजयंती की फिल्म-४
२. 'मेरो गाम काथा पारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली फिल्म-२
४. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'रूठ कर हम उन्हें भूल जाने लगे' गीत वाली फिल्म-३
५. फिल्म 'आज का अर्जुन' में 'लक्ष्मी' की भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-३
७. राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा की फिल्म-२
९. 'मेरे चेहरे पे' गीत वाली फिल्म-३
११. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१२. अमोल, राखी की 'जो राह चुनी तूने राही' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कभी खुशियों की सरगम' गीत वाली अमिताभ, अरबाज, डिम्पल की फिल्म-४
१६. वी. शांताराम की प्रेमकुमार, मास्टर सुशांत, रंजना, गौरी कामथ अभिनीत फिल्म-२
१७. 'प्यार कर इकरार कर' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय, अमीषा की फिल्म-४
१८. अक्षय कमार, प्रीति जिंटा की फिल्म-३
१९. 'लल्ला लल्ला लोरी दूध की' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने निभाई है-३
२३. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२५. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
२६. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो अक्सर याद आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेई, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत रामगोपाल वर्मा की एक सस्पेंस फिल्म-३
३०. 'माई हार्ट इज बीटिंग गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. संजीव कुमार, वहीदा रहमान की 'ऐ मेरी आँखों के पहले सपने' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'चलो एक बार फिर से अजनबी बन जायें' गीत वाली फिल्म-४
६. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
८. 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
१०. जीतेंद्र, आदित्य, संगीता की १९९३ की एक फिल्म-५
१३. ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१४. 'किसी को किसी' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता की फिल्म-३
१६. शाहरूख, पूजा भट्ट, रम्या की फिल्म-३
१९. विवाह से पूर्व टीना अंबानी का सरनेम क्या था-३
२१. अमोल, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'सरकाय लेओ' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
२४. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२६. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२
२७. संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम की 'तेरे दिल की तू' गीतवाली फिल्म-२
२९. 'मैं लव तुम से' गीत वाली तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
३१. सुनील दत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके ब्रजबाला' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली राज बब्बर, राखी, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
३३. धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की 'ओ ऐसी कोई बात' गीत वाली फिल्म-१

फिल्म वर्ग पहेली- 649

क्या	क	ह	ना	■	जं	ग	■	मि	■
■	सू	■	र	जा	जी	■	हे	ल	न
अ	र	बा	ज	■	र	ह	मा	न	■
भि	■	गी	■	अ	■	व	■	■	चा
मा	ला	■	दे	व	■	स	सु	रा	ल
न	■	डॉ	■	ता	ल	■	हा	■	बा
■	जा	न	व	र	■	र	ग	बा	ज
दि	ल	■	र	■	गैं	ग	■	जी	■
ल	■	अं	दा	ज	■	■	सं	ग	म
गी	त	■	न	■	कां	टे	■	र	■

सूडोकु -650

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -649 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

शब्द पहेली - 650

1	2		3	■	4	■	5		6	7
■		■		■	8			■	9	
10	■	■	11			■		■		
12		13		■	14		■	15	16	
	■		■	17		■	18	■		■
19	20		21		■	22		23		24
■		■		■	25		■		■	
26			■	27		■	28			
	■	■	29	■	30			■	■	
31	32	■	33			■		34		■
35				■		■	36			

बाएँ से दाएँ

1. धरोहर, थाती-4
5. अकबर के नवरत्नों में से एक-4
8. गुणगान-3
9. प्रेम (अंग्रेजी-2)
11. भरोसा, विश्वास-3
12. दुःख, परेशानी, कष्ट-4
14. हिंदू कैलेंडर में एक माह-2
15. गागर, घड़ा-3
17. जांघ-2
19. असावधान-5
22. करतूत, होशियारी-5
25. डूबा हुआ, समाप्त-2
26. तीक्ष्ण, तेज-3
27. अधर्म, अपकृत्य-2
28. मनमौजी, चंचल-4
30. हत्या, वध-3
31. पंख-2
33. मायका-3
35. व्यापार, व्यवसाय (उर्दू-4)
36. कृपा, रहम (उर्दू-4)

ऊपर से नीचे

2. फूलों का हार-2
3. वेश्या, कोठे पर नाचनेवाली-4
4. शांति, सुख-चैन-3,2
5. अस्वस्थ, मरीज-3
6. दम, ताकत-2
7. भगवान राम के पुत्र-2,2
10. उन्मत, मदमस्त-4
13. दिलीप कुमार व वैजयंती माला की फिल्म (3)
16. बोलने का तरीका-3
17. रास्ता-2
18. पराया-2
20. परीक्षा-3
21. वचन-2
22. खेती-2
23. अभिमान-3
24. फिल्म 'मैंने प्यार किया' मैं सलमान खान की मां-2,2
25. बलपूर्वक उठा ले जाना-5
26. ईश्वर, राजा-4
28. मन को अच्छा लगने वाला-4
29. शाप से पीड़ित-3
32. अवकाश, मंजूरी-2
34. संध्या-2

शब्द पहेली -649 का हल

■	रा	ज	कु	मा	र	■	म	नो	ह	र
दो	र	■	ली	■	ख	न	न	■	र	वा
ल	■	जा	न	व	र	■	न	ल	■	य
न	न	य	■	■	खा	र	■	की	म	त
खा	■	दा	■	ना	व	■	ड	■	दा	■
ना	र	द	मु	नी	■	प	र	व	री	श
■	स्ता	■	ख	■	स	द	■	र्ध	■	क
भ	र	ना	■	म	भा	■	■	मा	हि	र
या	■	का	का	■	भ	हा	प	न	■	कं
न	न	■	त	ना	व	■	ह	■	दा	द
क	म	जो	र	■	न	ग	र	वा	सी	■

लोकमाता देवी अहिल्या बाई पर बनी मप्र संस्कृति विभाग की फिल्म को दिल्ली फिल्म फेस्टिवल में मिला सम्मान

एजेंसी

भोपाल। देश की राजधानी दिल्ली में मध्य प्रदेश संस्कृति और पर्यटन विभाग द्वारा देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती के अवसर पर निर्मित फिल्म लोकमाता देवी अहिल्या बाई को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ दिल्ली-2026 के दौरान 'सिनेमा के माध्यम से इतिहास संरक्षण में योगदान से सम्मानित किया गया। दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) तरनजीत सिंह संधू, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और कला, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने गत दिनों 'नाइट ऑफ ऑनर्स' समारोह में फिल्म की निर्देशक डिंपल दुगर को सम्मानित किया। आईएफएफडी, दिल्ली सरकार (एनसीटी) की एक आधिकारिक सांस्कृतिक पहल है। इसका आयोजन दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम द्वारा किया जाता है। मप्र संस्कृति विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) शिव शेखर शुक्ला ने उक्त जानकारी दी। उन्होंने इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ दिल्ली-2026 में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर पर आधारित फिल्म को मिले सम्मान को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान मध्य प्रदेश की समृद्ध संस्कृति और विरासत की वैश्विक पहचान का प्रतीक है। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के अवसर पर सात मिनट की प्रभावशाली एनीमेशन फिल्म, उन्हें श्रद्धांजलि स्वरूप निर्मित की गई है। इसमें उनके सुशासन, धर्म संरक्षण, न्यायप्रियता और मंदिरों के पुनर्निर्माण की गौरवगाथा को सजीव रूप में प्रस्तुत किया गया है।

गोल्फ पर्यटन अवसंरचना में 2 अरब डॉलर का निवेश होगा: शेखावत

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने घोषणा की कि इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) की ओर से गोल्फ पर्यटन अवसंरचना में 2 अरब डॉलर (18 हजार करोड़ रुपये से अधिक) का निवेश किया जाएगा। शेखावत ने यह बात नई दिल्ली में आईजीपीएल की आधिकारिक फ्रेंचाइजी के शुभारंभ के अवसर पर कही। यह कदम देश को दुनिया के प्रमुख गोल्फ पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। मंत्री ने कहा कि यह निवेश प्रतिबद्धता केवल खेल को बढ़ावा देने तक सीमित नहीं है बल्कि यह 'ब्रांड इंडिया' में एक रणनीतिक निवेश है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के सपने को साकार करने के लिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे का विकास अनिवार्य है, जो वैश्विक निवेश को आकर्षित कर सके और रोजगार के नए अवसर पैदा करे।शेखावत ने बताया कि मंत्रालय राज्य सरकारों और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ मिलकर गोल्फ सर्किट विकसित करने पर काम कर रहा है। आईजीपीएल के साथ यह तालमेल भारत की वैश्विक पर्यटन प्रतिस्पर्धात्मकता को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगा।

होर्मुज स्ट्रेट में रुकावटों से गंभीर आर्थिक और ऊर्जा अस्थिरता पैदा हुई : नौसेना प्रमुख

नई दिल्ली। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष पर चिंता जताते हुए माना है कि होर्मुज स्ट्रेट में रुकावटों से गंभीर आर्थिक और ऊर्जा अस्थिरता पैदा हुई है। साथ ही समुद्र में अब सिर्फ तेल और एनर्जी तक ही प्रतिस्पर्धा सीमित नहीं रही, बल्कि अब उन संसाधनों की ओर बढ़ रही है, जो भविष्य की ग्रोथ को आकार देगी। उन्होंने कहा कि समुद्री डकैतों तक आधुनिक तकनीक बिना रोक-टोक पहुंचने से नार्को तस्करी जैसे खतरे भी ज्यादा मुश्किल हो गए हैं। मुंबई में आईओएस सागर के दूसरे एडिशन के फ्लैग ऑफ सेरेमनी में एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में अलग-अलग तरह की 3,700 से ज्यादा समुद्री घटनाएं हुई हैं। इसके अलावा इस क्षेत्र में 2025 के दौरान एक बिलियन अमेरिकी डॉलर से ज्यादा कीमत के मादक पदार्थों की जब्ती हुई है। इतने मुश्किल समुद्री माहौल में बहुत ज्यादा मुकाबला करने की बात कही गई है। आईओएस सागर के जरिए एक जैसे मकसद और मिलकर काम करने के लिए 16 एक जैसी सोच वाले समुद्री देशों का एक साथ आना बहुत कम और अहम है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष पांचवें हफ्ते में है। समुद्री जलमार्ग होर्मुज में रुकावटों से इस इलाके में गंभीर आर्थिक स्थितियां और ऊर्जा अस्थिरता हुई है।

केन्द्रीय कृषि निदेशक ने मप्र के रायसेन में राष्ट्रीय कृषि महोत्सव की तैयारियों का लिया जायजा

रायसेन। मध्य प्रदेश के रायसेन जिला मुख्यालय स्थित दशहरा मैदान में आगामी 11 अप्रैल से 13 अप्रैल तक राष्ट्रीय स्तर का कृषि महोत्सव प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन किया जा रहा है। केन्द्रीय कृषि विभाग के निदेशक (किसान कल्याण एवं विस्तार) अविनाश लावनिया ने रायसेन पहुंचकर कार्यक्रम की तैयारियों का निरीक्षण किया। इसके उपरांत उन्होंने कार्यक्रम हेतु नियुक्त नोडल अधिकारियों की बैठक लेकर अधिकारीवार तैयारियों की समीक्षा की। इस अवसर पर तथा रायसेन कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा उनके साथ मौजूद रहे। केन्द्रीय कृषि विभाग के निदेशक अविनाश लावनिया ने कृषि महोत्सव प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रत्येक चरण की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि इसमें देश के विभिन्न राज्यों और प्रदेश के सभी जिलों से उन्नतशील किसान सम्मिलित होंगे। साथ ही कृषि उपकरण एवं यंत्रों का निर्माण करने वाली कम्पनियां भी इसमें सहभागिता करेगी।

अमरावती को आंध्र प्रदेश की राजधानी के रूप में वैधानिक मान्यता, राज्यसभा में विधेयक पारित

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्य सभा द्वारा आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित कर दिया गया। यह महत्वपूर्ण विधेयक अमरावती को आंध्र प्रदेश की स्थायी राजधानी के रूप में वैधानिक मान्यता प्रदान करने के लिए है। यह विधेयक इस संबंध में आंध्र प्रदेश विधानसभा द्वारा पारित प्रस्ताव को कानूनी आधार भी प्रदान करता है। लोकसभा द्वारा इस विधेयक को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है। विधेयक पारित होने से पूर्व सदन में इस पर चर्चा आयोजित की गई। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि इस संशोधन के माध्यम से यह प्रावधान किया जा रहा है कि निर्दिष्ट अवधि के समाप्त होने के पश्चात आंध्र प्रदेश राज्य की राजधानी अमरावती होगी। साथ ही, अधिनियम में एक स्पष्ट स्पष्टीकरण जोड़ा जा रहा है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि अमरावती को ही राज्य की वैधानिक राजधानी के रूप में मान्यता प्राप्त हो। इसके अतिरिक्त, आंध्र प्रदेश विधानसभा द्वारा 28 मार्च को पारित संकल्प को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से भी यह संशोधन आवश्यक है। इससे अमरावती का नाम राज्य की राजधानी के रूप में सम्मिलित किया जा सकेगा और किसी प्रकार की विधिक शंका या विवाद की स्थिति नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि एक स्पष्ट और स्थिर राजधानी किसी भी राज्य के प्रशासनिक ढांचे के लिए अत्यंत आवश्यक होती है। इससे शासन व्यवस्था में पारदर्शिता आती है, निर्णय लेने की प्रक्रिया सुदृढ़ होती है और विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में गति आती है। अमरावती को वैधानिक रूप से राजधानी का दर्जा मिलने से राज्य में निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा, बुनियादी ढांचे का विकास तीव्र गति से होगा और समग्र आर्थिक प्रगति को बल मिलेगा।

गृह राज्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार आंध्र प्रदेश के समग्र और संतुलित विकास के लिए पूर्णत प्रतिबद्ध है। यह संशोधन विधेयक 'विकसित भारत' के संकल्प की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और आंध्र प्रदेश को विकास की मुख्यधारा में और सशक्त बनाएगा। उन्होंने इस महत्वपूर्ण विधेयक पर अपने विचार रखने वाले सभी संसद सदस्यों का आभार भी व्यक्त किया। सदन में आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2026 पर व्यापक और सारगर्भित चर्चा हुई है। सभी सदस्यों ने राज्य के हित, उसके भविष्य और विकास को ध्यान में रखते हुए अपने सुझाव दिए हैं।

गृह राज्यमंत्री ने कहा कि जैसा कि विदित है, आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 के तहत राज्य के पुनर्गठन के समय राजधानी के संबंध में प्रावधान किए गए थे। उस समय यह व्यवस्था की गई थी कि हैदराबाद एक निश्चित अवधि तक संयुक्त राजधानी के रूप में कार्य करेगा और उसके बाद आंध्र प्रदेश के लिए एक नई राजधानी विकसित की जाएगी, लेकिन अधिनियम में स्थायी राजधानी के संबंध में स्पष्ट वैधानिक उल्लेख नहीं था, जिसके कारण समय-समय पर व्याख्यात्मक और प्रशासनिक अस्पष्टता उत्पन्न हुई।

भारत ने यूएन शांति सैनिकों पर हमलों की निंदा की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूनिफिल) के तहत तैनात शांति सैनिकों पर हालिया हमलों की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत ने कहा कि वह लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है और वर्तमान में यूनिफिल में लगभग 600 भारतीय सैनिक तैनात हैं, जो वैश्विक शांति और सुरक्षा में योगदान दे रहे हैं। भारत ने हाल में यूनिफिल में तैनात शांति सैनिकों पर हुए हमलों में मारे गए 'ब्लू हेलमेट्स' को श्रद्धांजलि अर्पित की और सभी पक्षों से अपील की कि वे संयुक्त राष्ट्र मिशन की पवित्रता और शांति सैनिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। भारत ने कहा कि एक प्रमुख और लंबे समय से शांति सैनिक भेजने वाले देश के रूप में और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2589 के अनुरूप, वह शांति सैनिकों के खिलाफ अपराधों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित किए जाने की मांग करता है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब दक्षिणी लेबनान में यूनिफिल के शांति सैनिकों पर हाल में कई हमले हुए हैं। 30 मार्च को एक प्रोजेक्टाइल विस्फोट में एक शांति सैनिक की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हुआ। हालिया घटनाओं में सड़क किनारे विस्फोट और अन्य हमलों में कई शांति सैनिकों के मारे जाने की भी खबरें सामने आई हैं। इन घटनाओं के बीच क्षेत्र में इज़राइल और लेबनान के विद्रोही संगठन हिज़्बुल्लाह के बीच तनाव बढ़ा हुआ है, जिससे यूनिफिल मिशन के लिए सुरक्षा चुनौतियां और गंभीर हो गई हैं।

'बिहार की दुर्गति में सभी की भूमिका', तेजस्वी यादव की टिप्पणी पर पप्पू यादव का जवाब

एजेंसी

पटना । पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने तेजस्वी यादव के 'बिहार सबसे गरीब राज्य' वाले बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि इस दुर्गति में सभी की भूमिका है। सभी ने बिहार को लूटा है। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने केरल में एक चुनावी रैली के दौरान बयान दिया कि 'बिहार देश का सबसे गरीब राज्य' है। इस पर पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने कहा, 'बिहार दुनिया के सबसे गरीब क्षेत्रों में से एक बना हुआ है। बिहार पलायन, बेरोजगारी, अशिक्षा और बीमारियों के मामले में ऊंचे स्थान पर है। ज्यादातर फैक्टरियां बंद पड़ी हैं। इस दुर्गति में सभी की भूमिका है। सभी ने बिहार को लूटा है। '

उन्होंने कहा, 'बिहार में 20-25 साल एनडीए की सरकार रही है और 20-25 साल वे लोग (राजद) भी सत्ता में रहे हैं। अब 'सूप बोले तो बोले छलनी भी बोल' रही है। हमाम में सब नंगे हैं। '

इसी बीच, पप्पू यादव ने नालंदा में हुई भगदड़ की घटना पर प्रतिक्रिया

दी। उन्होंने कहा, 'मैं नालंदा जा रहा हूं। मौतों के लिए कुप्रबंधन और सामाजिक अव्यवस्था दोनों जिम्मेदार हैं। यह कोई एक बार की घटना नहीं है। जहानाबाद में भी ऐसी ही एक घटना हुई थी और पूरे देश में ऐसी भगदड़ें हो रही हैं। राज्य में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है। कहां क्या हो रहा है, इससे सरकार को कोई मतलब नहीं है। ' उन्होंने कहा, 'आयोजकों और मंदिर प्रशासन के खराब प्रबंधन और श्रद्धालुओं के साथ उनके व्यवहार सभी देखते हैं। लूटने की प्रवृति अनैतिक तरीके से चल रही होती है। नतीजा होता है कि लोगों में संतोष नहीं होता है। भगवान के जल्दी दर्शन की प्रवृति से भी घटनाएं घटती हैं। यह (नालंदा भगदड़) कोई छोटा-मोटा मुद्दा नहीं है। मैंने लोकसभा में यह मुद्दा उठाया। ' पप्पू यादव ने यह भी कहा कि आज हमारा समाज गंदी सोच का हो चुका है। समाज में 80-85 प्रतिशत सूखा नशा खुल चुका है। लोगों में अश्लील वीडियो देखने की प्रवृति होती है। वे बेटी को भी बेटी नहीं समझते हैं। मुझे समाज की हालत पर तरस आता है, जहां अपराध, उत्पीड़न और शोषण खुलेआम होते हैं और भीड़ उन्हें रिकॉर्ड भी करती रहती है।

संसद से केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026 पारित

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026 को ध्वनि मत से पारित कर दिया। राज्य सभा से इस विधेयक को मंजूरी मिल गई थी। इसी के साथ संसद के दोनों सदनों यह विधेयक पारित हो गया। यह विधेयक केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में वरिष्ठ स्तर के पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया को स्पष्ट और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से लाया गया है।

लोकसभा में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026 पर चर्चा के बाद जवाब देते हुए केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि यह विधेयक देश की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करेगा। उन्होंने बताया कि इस कानून के लागू होने से केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल और राज्य पुलिस बलों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा, जिससे सुरक्षा से जुड़े मामलों में तेजी और दक्षता आएगी।

उन्होंने कहा कि इस विधेयक से संघीय ढांचे को मिलेगा बल मिलेगा, क्योंकि इससे सीएपीएफ, राज्य

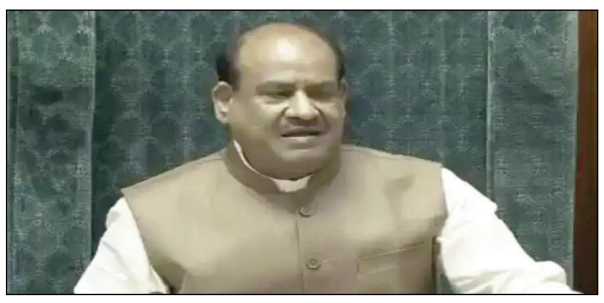

पुलिस और राज्य प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल स्थापित होगा और देश की सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत बनेगी। वहीं, विपक्ष के नेताओं ने इस विधेयक का विरोध किया। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि यह विधेयक अधिकारियों के मनोबल को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि सरकार नियमों के जरिए न्यायिक फैसलों को दरकिनार कर रही है।महुआ मोइत्रा ने सीएपीएफ में आत्महत्या के मामलों का मुद्दा भी उठाया। समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि सरकार ने यह विधेयक सीएपीएफ प्रतिनिधियों से बिना पर्याप्त परामर्श के पेश किया है।

मुख्यमंत्री योगी से सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वोंग की मुलाकात, निवेश, स्किल डेवलपमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर में सहयोग बढ़ाने पर सहमति

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सिंगापुर गणराज्य के भारत में उच्चायुक्त साइमन वोंग ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर दोनों पक्षों के बीच उत्तर प्रदेश और सिंगापुर के मध्य निवेश, कौशल विकास, आधारभूत संरचना तथा सांस्कृतिक सहयोग को और सुदृढ़ करने पर सार्थक चर्चा हुई।उच्चायुक्त वोंग ने गत फरवरी माह में मुख्यमंत्री योगी की सिंगापुर यात्रा को अत्यंत सफल बताते हुए कहा कि इस दौरे ने न केवल सिंगापुर, बल्कि आस-पास के देशों के औद्योगिक जगत में भी उत्तर प्रदेश के प्रति सकारात्मक और भरोसेमंद संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक समुदाय उत्तर प्रदेश को एक नए अवसर और संभावनाओं के केंद्र के रूप में देख रहा है, जो भारत-सिंगापुर संबंधों को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।उच्चायुक्त ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीते नौ वर्षों में प्रदेश में कानून-व्यवस्था, आधारभूत संरचना एवं औद्योगिक विकास के क्षेत्र में हुए व्यापक सुधारों की प्रशंसा की। उन्होंने उल्लेख किया कि उत्तर प्रदेश में

कार्यरत सिंगापुर की कंपनियों ने यहां के निवेश वातावरण को अनुकूल बताया है और अपने निवेश के विस्तार की दिशा में सक्रिय रूप से योजनाएं बना रही हैं। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि आगामी महीनों में सिंगापुर के औद्योगिक जगत का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश का दौरा करेगा, जो राज्य में निवेश के विविध अवसरों का अवलोकन करते हुए बड़े निवेश प्रस्तावों को मूर्त रूप देने की दिशा में आगे बढ़ेगा। सिंगापुर द्वारा प्रदेश के युवाओं के लिए कौशल विकास (स्किलिंग) के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर भी कार्य किया जा रहा है। इससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। सांस्कृतिक सहयोग के संदर्भ में कुशीनगर, सारनाथ जैसे बौद्ध पर्यटन स्थलों की अपार संभावनाओं का उल्लेख करते हुए दोनों पक्षों ने पर्यटन क्षेत्र में संभावनाओं को आकार देने पर सहमति व्यक्त की। इससे प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है। बैठक में यह भी रेखांकित किया गया कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा के साथ-साथ झांसी, वाराणसी सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इससे उत्तर प्रदेश के संतुलित एवं समावेशी विकास को और गति मिलेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज 'रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म' के मंत्र के साथ देश की सबसे तीव्र गति से विकसित होती अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों को सुरक्षित, पारदर्शी एवं उद्योग-अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

ब्रह्मपुत्र के तट को मुंबई के मरीन ड्राइव की तर्ज पर विकसित किया जाएगा : नितिन गडकरी

एजेंसी

गुवाहाटी। केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता नितिन गडकरी ने कहा कि ब्रह्मपुत्र नद के किनारे को मरीन ड्राइव, मुंबई की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, जिससे क्षेत्र की सुंदरता और पर्यटन क्षमता को बढ़ावा मिलेगा।

गडकरी ने यह बात गुवाहाटी के फैंसी बाजार में भाजपा उम्मीदवार विजय गुप्ता के समर्थन में आयोजित चुनाव प्रचार के दौरान कही। जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार असम में बुनियादी ढांचे के विकास और शहरी सौंदर्यीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ब्रह्मपुत्र के तट को आधुनिक और सुव्यवस्थित रूप से विकसित करने से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्थानीय लोगों को बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं भी मिलेंगी।केंद्रीय मंत्री ने सरकार की

विभिन्न विकासात्मक पहलों का उल्लेख करते हुए मतदाताओं से भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करने की अपील की, ताकि राज्य में विकास की गति बनी रहे।

विद्या भारती संस्थान शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में एक आदर्श मार्गदर्शक है : धर्मेंद्र प्रधान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि विद्या भारती संस्थान शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में एक आदर्श मार्गदर्शक है। धर्मेंद्र प्रधान ने यह बात आज नई दिल्ली स्थित विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के केंद्रीय कार्यालय में नव-निर्मित 'विद्या भारती भवन' के लोकार्पण के दौरान कही। इसका उद्देश्य भारतीय जीवन मूल्यों पर आधारित शिक्षा, संस्कार एवं राष्ट्र निर्माण के संकल्प को सशक्त करना है। मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री ने कहा, नई शिक्षा नीति में शामिल कई प्रावधान, जैसे अपनी भाषा में पढ़ाई और कौशल विकास विद्या भारती के पुराने अनुभवों और प्रयासों से प्रेरित होकर लागू की गई हैं। शिक्षकों को बेहतर बनाने के विद्या भारती के मॉडल को नीति में महत्व दिया गया है। अखिल भारतीय महामंत्री देशराज शर्मा कहा कि विद्या भारती आज विश्व का एक विशाल शैक्षिक संगठन बन चुका है। वर्तमान में छात्र, पूर्व छात्र, आचार्य, पूर्व आचार्य एवं कार्यकर्ताओं का एक विशाल परिवार प्रतिदिन शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करते हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में विद्या भारती द्वारा डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर एवं भविष्य में टीवी

चैनल प्रारंभ करने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। आनंदमूर्ति गुरु मां ने कहा कि नवीन केंद्रीय कार्यालय के माध्यम से संगठन अपने कार्यों को और अधिक गति प्रदान करेगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक सुरेश सोनी ने कहा कि शिक्षा में केवल भौतिक संरचना नहीं बल्कि भावनात्मक, मानवीय एवं संवेदनशील विकास पर बल देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए शिक्षा को मूल्याधारित, राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पित एवं संवेदनशील बनाना जरूरी है। विद्या भारती दिल्ली प्रांत के विद्यार्थियों ने शास्त्रीय नृत्य, भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर आधारित नाट्य प्रस्तुति, समूहगान एवं लोकनृत्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति, परंपरा एवं राष्ट्रभाव का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर 'विद्या भारती भवन' के निर्माण में योगदान देने वाले आर्किटेक्ट, इंजीनियर, कांट्रेक्टर एवं समर्पित कार्यकर्ताओं को सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ प्रचारक एवं अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश सोनी, विद्या भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष डॉ. रविन्द्र कान्हेरे, आनंदमूर्ति गुरु माँ (गन्नौर, हरियाणा), अखिल भारतीय महामंत्री देशराज शर्मा, संगठन मंत्री गोविंद महंत, सह संगठन मंत्री यतींद्र एवं रामअवाकर, उच्च शिक्षा के संगठन मंत्री रघुनंदन सहित देशभर से आए प्रांतीय, क्षेत्रीय एवं अखिल भारतीय पदाधिकारी, प्रबंध समिति सदस्य, आचार्य एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

आकाशवाणी ने सबसे बड़े सांस्कृतिक आंदोलन श्री राम मंदिर निर्माण को देखा है और सजीव प्रसारण भी किया : मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आकाशवाणी लखनऊ के 89वें स्थापना दिवस समारोह में कहा कि आकाशवाणी ने आजादी के बाद का सबसे बड़े सांस्कृतिक आंदोलन श्री राम मंदिर निर्माण को देखा है और उसका सजीव प्रसारण भी किया है। आकाशवाणी द्वारा भाषा की शुद्धता के साथ प्रमाणिक और निष्पक्ष समाचार दिये जाते हैं। इसमें पीत पत्रकारिता नहीं होती है। उन्होंने आकाशवाणी की 88 साल की गौरवशाली परंपराओं को नमन करते हुए खुशी जताई कि आकाशवाणी के स्थापना दिवस पर संस्था से विभिन्न रूपों में जुडे सभी पुराने लोगों और अन्य विशिष्टजनों को सम्मानित किया गया है।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आकाशवाणी लखनऊ के 89वें स्थापना दिवस पर आयोजित सम्मान समारोह एवं सांस्कृतिक संध्या के भव्य शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रसार प्रसारी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव द्विवेदी और महानिदेशक राजीव कुमार जैन व आकाशवाणी केंद्र की प्रमुख एस पांडेय, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी उपस्थित

रहे। आकाशवाणी लखनऊ के 89वें स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लखनऊ के आकाशवाणी केंद्र ने 88 वर्ष का शानदार सफर तय किया है। दो अप्रैल 1938 में संयुक्त उप्र के प्रमुख पंडित गोविंद वल्लभ पंत ने इस केंद्र का शुभारंभ किया था और आज इस केंद्र के 89वें स्थापना दिवस पर उनका स्मरण करता हूं। आकाशवाणी द्वारा देश व समाज के प्रति निभायी जा रही जिम्मेदारी का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आजादी की लड़ाई में आकाशवाणी ने देश और समाज के हित में कार्य किया। आकाशवाणी सुबह सुबह एक मधुर धुन से कार्यक्रम शुरु करती थी और वंदेमातरम का गायन होता था, लेकिन कांग्रेस पार्टी के मौलाना जौहर अली ने वंदे मातरम के गायन का विरोध किया तो कांग्रेस ने भी विरोध किया। आकाशवाणी ने भारत छोड़ो आंदोलन में अपनी अग्रणी भूमिका निभायी और आजादी के बाद भी अपनी भूमिका को अधिक मजबूती प्रदान की। आजादी के बाद सबसे बड़ा सांस्कृतिक आंदोलन श्री राम मंदिर आंदोलन आकाशवाणी ने देखा और सजीव प्रसारण किया है। अब अयोध्या में हर देशवासी श्री राम मंदिर के दर्शन कर रहा है, इतिहास कहां से कहां पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' के ध्येय को आत्मसात करते हुए आकाशवाणी लखनऊ ने दशकों से जन-जन तक प्रामाणिक सूचनाएं पहुंचाने के साथ ही हमारी समृद्ध लोक-संस्कृति, कला और राष्ट्रीय चेतना को सहेजने व संवारने में भी अपनी महती भूमिका का निर्वहन किया है। आकाशवाणी के कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि बचपन में हमने पहली आवाज आकाशवाणी की ही सुनी थी। आकाशवाणी कृषि, लोक कला, लोकभाषा, लोक संस्कृति, लोक गायन, लोक वाद्यों सहित विभिन्न विषयों पर ज्ञानवर्धक जानकारी देती थी और जिन गांवों में पगडंडी नहीं होती थी, बिजली नहीं होती थी, वहां भी आकाशवाणी पहुंची थी। तब स्मार्ट फोन छोड़िये लैंडलाइन भी बहुत कम होते थे।

संसद की कार्यवाही 13 दिनों के लिए स्थगित, 16 से 18 अप्रैल तक महिला आरक्षण पर चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही 16 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी गई। 13 दिनों के अंतराल के बाद संसद के बजट सत्र की कार्यवाही 16 अप्रैल को सुबह 11 बजे फिर शुरू होगी। यह बैठक 18 अप्रैल तक चलेगी। माना जा रहा है कि इस बैठक में महिला आरक्षण को लागू कराने के लिए विधेयक लाया जाएगा।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज कहा कि उन्हें संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू की ओर से अनुरोध प्राप्त हुआ है। उसके अनुसार सरकारी कार्य से 16 अप्रैल को फिर बैठेंगे। उन्होंने कहा कि इस दौरान प्रश्नकाल, शून्यकाल और प्राइवेट मेंबर टाइम नहीं होगा। स्पीकर ने लोकसभा की कार्यवाही 16 अप्रैल को 11 बजे तक के लिए स्थगित करने की घोषणा की। इससे पहले, राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित करते हुए उपसभापति हरिवंश ने कहा कि कार्यवाही 16 अप्रैल को 11 बजे तक के लिए स्थगित की जाती

है। उल्लेखनीय है कि इस साल 28 जनवरी को शुरू हुआ बजट सत्र 02 अप्रैल को समाप्त होना था। लेकिन सरकार महत्वपूर्ण विधेयक लाने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक सरकार का पूरा फोकस अब 'महिला आरक्षण कानून' को जल्द से जल्द जमीन पर उतारने पर है। इसके लिए लोकसभा की मौजूदा सीटों की संख्या को 543 से बढ़ाकर 816 करने की तैयारी है। दरअसल, वर्ष 2023 में संसद ने भारी बहुमत से महिला आरक्षण बिल को पास किया था लेकिन उस कानून में एक पेंच फंसा था। नियम के मुताबिक, देश में अगली जनगणना और परिसीमन के बाद ही महिला आरक्षण लागू हो सकता था। इस प्रक्रिया में लंबा वक्त लग सकता है। अब सरकार इसी अड़चन को दूर करना चाहती है। इस संशोधन विधेयक से नई जनगणना का इंतजार किए बिना, साल 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही परिसीमन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके। सरकार चाहती है कि महिलाओं को जल्द उनका हक मिले। इस संशोधन के जरिए लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को बढ़ाकर 816 किया जा सकता है। यानी सीटों की संख्या में सीधे 50 फीसदी की बढ़ोतरी। अगर ऐसा होता है तो बढ़ी हुई सीटों में से एक-तिहाई यानी लगभग 273 सीटें सीधे महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी।

आईपीएल में आज दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला मुम्बई से

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार को अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स की टीम का मुकाबला पांच बार की विजेता हार्दिक पांड्या की मुम्बई इंडियंस से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमों का लक्ष्य जीत हासिल करना रहेगा। मैच दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा। इस मैच में दिल्ली को घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा पर इसके बाद भी उसकी दावेदारी कमजोर नजर आती है। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच 37 मुकाबले हुए है जिसमें से मुम्बई ने 21 जबकि दिल्ली ने 16 जीते हैं। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में मुकाबला काफी कड़ा है, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स को थोड़ी बढ़त हासिल है, क्योंकि उसने 13 में से 7 मैच जीते हैं। इन दोनों ही टीमों के बीच पिछले आईपीएल सत्र में दो मुकाबले हुए थे जो कि दोनों ही मुंबई इंडियंस ने जीतकर अपने नाम किए। इनके बीच हुए अंतिम मुकाबले की तो वो मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में हुआ था जिसमें मुम्बई ने जीत दर्ज की।

दिल्ली की पिच बल्लेबाजों के अनुकूल हैं। ऐसे में यहां अधिक स्कोर वाला मैच होने की संभावना है। छोटी बाउंड्री से भी रन अधिक बनने की संभावना है। यहां लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम अधिक लाफ में रहती है1 इस मैच में दिल्ली की बल्लेबाजी केएल राहुल के अलावा अक्षर पटेल और डेविड मिलर पर निर्भर करेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव, टी नटराजन, मुकेश कुमार के पास रहेगी। वहीं मुम्बई की बल्लेबाजी रोहित शर्मा के अलावा रयान रिकेलटन तिलक वर्मा पर आधारित रहेगी। गेंदबाजी की जिम्मेदारी ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह के पास रहेगी।

टीम इस प्रकार है

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), पथुम निसांका, नीतीश राणा, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर, विपराज निगम, लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव, टी नटराजन, मुकेश कुमार

मुम्बई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, रयान रिकेलटन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, शेरफेन रदरफोर्ड, नमन धीर, शार्दुल ठाकुर, मयंक मारकंडे, एएम गजनफर, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह

प्रधानमंत्री ने संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टी20 विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करने वाले क्रिकेटर संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जब टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरुरत थी तब वह अच्छा प्रदर्शन कर भरोसे पर खरे उतरे। प्रधानमंत्री ने केरल दौरे से पहले सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा कि सैमसन का दबाव में भी शांत रहना सबसे बड़ी खूबी है। उनका आत्मविश्वास और जोश बड़े मुकाबलों के दौरान अपने शीर्ष स्तर पर था। यही एक एक सच्चे खिलाड़ी के सबसे विशेष गुण हैं। ऐसा खिलाड़ी उस समय और अच्छा प्रदर्शन करता है जब टीम को उसकी अधिक जरुरत रहती है।

प्रधानमंत्री ने सैमसन का उदाहरण देते हुए कहा, आजकल आईपीएल चल रहा है। लोगों के लिए संजू के प्रदर्शन से सीखने लायक बहुत कुछ है। जैसा कि हमने सैमसन के प्रदर्शन में देखा है। विश्व कप में जैसे-जैसे टूर्नामेंट में मुश्किल हालात आए, नॉकआउट चरण आया, उनका प्रदर्शन अचानक से अपने बेहतरीन स्तर पर पहुंच गया। शुरू से अंत तक, उनका ध्यान, उनका आत्मविश्वास और उनका जोश लगातार बढ़ता गया। यही एक सच्चे खिलाड़ी की पहचान है। जब टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। सैमसन ने विश्वकप की 5 पारियों में 80.25 की औसत और 199.37 के स्ट्राइक रेट से कुल 321 रन बनाए। उन्होंने 27 चौके और 24 छक्के लगाए और टी20 विश्व कप में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी बने। सैमसनअपने पहले दो मैचों में कोई बड़ा स्कोर नहीं बना पाए थे पर इसके बाद भी वह निराश नहीं हुए , ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर 8 के अहम मैच में उन्होंने एक बेहतरीन पारी खेलकर भारतीय टीम को बड़ी जीत दिलायी।

अंगक्रिश, उनादकट ऑरेंज व पर्पल कैप की दौड़ में शीर्ष पर पहुंचे

मुम्बई (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों हार का सामना करना पड़ा है पर इस मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करने वाले उसके बल्लेबाज अंगक्रिश रघुवंशी ऑरेंज कैप की रैस में अब सबसे आगे हो गये हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाज जयदेव उनादकट नंबर एक पर पहुंच गये हैं। 19वें सत्र में लगातार दो अर्धशतक लगाने वाले केकेआर के रघुवंशी ने अब तक सबसे अधिक रन बनाये हैं। वहीं सनराइजर्स के कप्तान ईशान किशन एक बार फिर दूसरे स्थान पर रहे। पर्पल कैप की बात करें तो सनराइजर्स के जयदेव उनादकट नंबर एक पर हैं।

अंगक्रिश ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल 2026 के अपने पहले ही मुकाबले में 51 रनों की पारी खेलने के बाद दूसरे मैच में सराइजर्स के खिलाफ 52 रन बनाए। अब उनके नाम 2 मैचों में सबसे अधिक 103 रन हो गए हैं, जो उन्होंने 51.50 की औसत और 177.59 के स्ट्राइक रेट से बनाए हैं। वहीं ईशान किशन अपने दूसरे मैच में 14 रन ही बना पाए, जिस कारण से वह सूची में दूसरे स्थान पर आ गये हैं। वहीं हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन ने अर्धशतक लगाकर शीर्ष 5 में स्थान बनाया। अब वह रोहित शर्मा और रायन रिकल्टेन के ऊपर तीसरे स्थान पर हैं। वहीं सनराइजर्स के तेज गेंदबाज उनादकट ने केकेआर के खिलाफ 3 विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल की है। उनके नाम अब आईपीएल 2026 में कुल 4 विकेट हो गई है। वहीं कोलकाता के ब्लेसिंग मुजाराबानी के भी 4 विकेट हैं पर बेहतर इकॉनमी रेट के चलते उनादकट नंबर-1 पर हैं। पर्पल कैप की दौड़ में शीर्ष-5 गेंदबाजों में आरसीबी के जैकब डफी, दिल्ली कैपिटल्स के टी नटराजन और गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध कृष्णा भी शामिल हैं।

आईपीएल में आज होगा गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स में मुकाबला

अहमदाबाद (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार शाम को गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेंगी। गुजरात की कप्तानी जहां शुभमन गिल के पास है। वहीं रॉयल्स की कमान युवा रियान पराग संभालेंगे। इस सत्र में गुजरान की टीम को जहां अपने पहले ही मैच में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं रॉयल्स ने अपना पहले ही मैच जीता था। ऐसे में जहां गुजरात सत्र की पहले जीत दर्ज करने उतरेगी। वहीं राजस्थान अपनी जीत के सिलसिले को बरकरार रखना चाहेगी। इन दोनों ही टीमों के बीच पिछले आईपीएल सीजन दो मुकाबले हुए थे जिसमें से एक गुजरात ने जबकि एक राजस्थान ने जीता था। इनके बीच अंतिम मुकाबला जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला गया था जिसमें राजस्थान रॉयल्स की टीम ने जीत हासिल की थी।

वहीं यहां के मैदान की बात करें तो इसपर बड़े स्कोर बनते हैं और पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम लाभ में रहती है। यहां पिछले पांच में से तीन मुकाबले पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीते हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो ही टीमों ने अबतक कुल 8 मैच खेले हैं। जिसमें से गुजरात टाइटंस ने 6 जबकि राजस्थान ने 2 मैच जीते हैं।

गुजरात टाइटंस की बात करें तो टीम की बल्लेबजा कप्तान शुभमन के अलावा साईं सुदर्शन, जोस बटलर राहुल तेवतिया जैसे बल्लेबाजों पर निर्भर करेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा राशिद खान, कगिसो रबाडा के पास रहेगी। टीम के पास वाशिंग्टन सुंदर जैसा ऑलराउंडर भी है। वहीं अगर राजस्थान रॉयल्स टीम की बात करें तो उसके पास कप्तान रियान के अलावा यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी के पास रहेगी। वैभव ने पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी की थी और ये सिलसिला वह इस मैच में भी बनाये रखना चाहेंगे। वहीं गेंदबाजी की जिम्मेदारी जोफ्रा आर्चर संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई के पास रहेगी।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साईं सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

राजस्थान रॉयल्स : रयान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नंद्रे बर्गर, संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई, बृजेश शर्मा।

रहाणे ने आलोचकों को दिया करारा जवाब

कोलकाता । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली हार के बाद अपने आलोचकों पर जमकर निशाना साधा है। रहाणे के अनुसार उनके खिलाफ अभियान चल रहा है और एक प्रकार का भ्रम फैलाया जा रहा है। रहाणे ने ये बात तब कही जब कम स्ट्राइक रेट को लेकर बीच पत्रकार वार्ता में उनसे सवाल किया गया। केकेआर को हैदराबाद के हाथों आईपीएल 2026 में लगातार दूसरी बार हार मिली है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स ने 226 रन बनाए जिसके सामने केकेआर की पूरी टीम 161 रनों पर ही सिमट गयी। रहाणे ने कहा, साल 2020 से अब तक का मेरा सबसे स्ट्राइक-रेट काफी अच्छा रहा है। मुझे लगता है कि जो लोग मेरे बारे में बात कर रहे हैं, वे शायद मेरा खेल नहीं देख रहे हैं। उन्हें मेरा खेलना पसंद नहीं है, वे मुझे खेलते हुए देखना पसंद नहीं करते। मुझे जितनी सफलता मिली है, मुझे लगता है कि वे मुझसे जलते हैं पर मैं इससे ज्यादा परेशान नहीं हूं। साथ ही कहा कि कभी-कभी एक बल्लेबाज के तौर पर आपको लय नहीं मिलती पर मैं एक अलग तरह की पारी खेलना चाहता हूं। उन्होंने साथ ही कहा, उनके विरोधियों को उम्मीद नहीं थी कि रहाणे इतना बेहतर खेलेगा। इसलिए मुझे खुशी है कि वे मेरे बारे में बात कर रहे हैं, नेगेटिव या पॉजिटिव - जो भी हो, मैं सच में खुश हूं कि वे बात कर रहे हैं।

अभिषेक आईपीएल मे 100 छक्के लगाने वाले सनराइजर्स के दूसरे खिलाड़ी बने

कोलकाता । सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच में अपनी पारी के दौरान चार छक्के लगाने के साथ ही एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। अब अभिषेक आईपीएल में 100 से अधिक छक्के लगाने वाले सनराइजर्स के दूसरे बल्लेबाज बन गये हैं ।वहीं पहले नंबर पर डेविड वार्नर हैं। अभिषेक के नाम अब 101 छक्के हैं जबकि वार्नर ने अब तक 143 छक्के लगाये हैं। अभिषेक ने पारी की शुरुआत करते हुए 21 गेंदों पर 48 रन बनाए जिसमें 4 चौके और 4 छक्के शामिल थे। इसके साथ ही उन्होंने हैदराबाद की से अपना 100 छक्का लगाया। ब्लेसिंग मुजारबानी की गेंद पर वरुण चक्रवर्ती ने उनका कैच पकड़ा।

मैं आईपीएल चेयरमैन होता तो संजीव गोयनका पर प्रतिबंध लगा देता : ललित मोदी

लंदन । आईपीएल के संस्थापक रहे ललित मोदी ने कहा है कि जिस प्रकार लखनऊ सुपर जाएंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने टीम के कप्तान ऋषभ पंत से व्यवहार किया है। ऐसे में अगर वह आईपीएल चेयरमैन होते तो गोयनका पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही उनसे टीम का मालिकाना अधिकार भी वापस ले लेते। ललित मोदी ने ये बात दिल्ली कैपिटल्स से पहला ही मैच हारने के बाद गोयनका के कप्तान ऋषभ पंत और सहयोगी स्टाफ से मैदान में ही हो रही बातों को देखकर कही है। प्रशंसकों को इसी के साथ ही आईपीएल 2024 याद आ गया जब गोयना इसी प्रकार से केएल राहुल पर भड़क गये थे। इसके बाद राहुल ने सुपर जाएंट्स टीम छोड़ दी थी। अब ऋषभ के साथ वही व्यवहार हुआ है। जिससे प्रशंसक नाराज हैं। ऐसे में मोदी ने गोयनका को आईपीएल से प्रतिबंधिक करने के साथ ही मालिकाना अधिकार वापस लेने की मांग की है। वहीं इस मामले की आलोचना इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने इस भी की है। उन्होंने कहा, 'टूर्नामेंट में इस प्रकार की बातों के लिए जगह नहीं है।' वॉन के इस पोस्ट पर मोदी ने लिखा कि अगर वह अभी भी आईपीएल कमिश्नर होते तो वह संजीव गोयनका को प्रतिबंधित करने के साथ ही टीम का मालिकाना अधिकार भी वापस ले लेते। ललित ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मैंने तुमसे कहा था कि संजीव जो लखनऊ सुपर जाएंट्स के मालिक है उनके व्यवहार से मुझे शर्म आ रही है। मैंने आईपीएल प्रशंसकों और खिलाड़ियों दोनों के लिए बनाया था। ऐसा हर साल हर बार नहीं होना चाहिए। साथ ही कहा कि आईपीएल नियमों में इसका नियम भी है जिससे बीसीसीआई को लागू करना चाहिये।' वहीं दूसरी ओर इस मामले को बढ़ता देख लखनऊ सुपर जाएंट्स ने इस बातचीत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जारी किया है। वीडियो में बहसबाजी जैसी बात नहीं दिख रही है। संजीव, ऋषभ और सहायोगी स्टाफ के साथ हंसते हुए बातें करते हैं। फ्रैंचाइजी ने इसका एक वीडियो भी जारी किया है।'

अभिषेक शर्मा ने मैच के दौरान किया अश्लील शब्दों का इस्तेमाल, एक डिमेरिट पॉइंट सहित लगा भारी जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा को गुरुवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (चयक्र) के खिलाफ मैच के बाद इंडियन प्रीमियर लीग द्वारा पुष्टि की गई एक कार्रवाई के तहत एक डिमेरिट पॉइंट और मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

अभिषेक इस मैच में शानदार फॉर्म में लौटे और उन्होंने 21 गेंदों में 48 रन बनाए जिसमें 4 छक्के और 4 चौके शामिल थे। जहां मैच में उनके प्रदर्शन ने फैंस को रोमांचित कर दिया। वहीं उनके व्यवहार ने अधिकारियों को निराश कर दिया। IPL के आधिकारिक बयान में उस घटना का ठीक-ठीक जिक्र नहीं किया गया था, लेकिन इसमें बताया गया कि इस ओपनिंग बल्लेबाज ने आर्टिकल 2.3 के तहत लेवल 1 का अपराध स्वीकार किया है, जो मैच के दौरान जोर से अश्लील शब्दों का इस्तेमाल करने से संबंधित है।

अपने आधिकारिक बयान में IPL ने कहा, 'सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा पर गुरुवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अपनी टीम के मैच के दौरान IPL की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उन्हें एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया है। उन्होंने आर्टिकल 2.3 के तहत लेवल 1 का अपराध स्वीकार किया और मैच रेफरी की कार्रवाई को मान लिया। आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के मामलों में, मैच रेफरी का फैसला अंतिम और बाध्यकारी होता है।'

इस कार्रवाई का मतलब है कि शर्मा अपनी मैच की कमाई का एक चौथाई हिस्सा गंवा देंगे और अब उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट जुड़ गया है। हालांकि IPL के अनुशासनात्मक ढांचे के भीतर लेवल 1 के अपराध सबसे कम गंभीर माने जाते हैं, लेकिन बार-बार उल्लंघन करने पर कड़ी सजा मिल सकती है, जिसमें निलंबन भी शामिल है।

KKR vs SRH मैच

हेनरिच क्लासेन (52) के जुझारू अर्धशतक और नीतिश कुमार रेड्डी (दो विकेट और 39 रन) के हरफनमौला खेल के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 65 रन से हराकर मौजूदा सत्र में जीत का खाता खोला। सनराइजर्स ने 8 विकेट पर 226 रन बनाने के बाद जयदेव उनादकट (21 रन पर तीन विकेट), इशान मलिंगा (14 रन पर दो विकेट) और 'प्लेयर ऑफ द मैच' रेड्डी (17 रन पर दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी से केकेआर की पारी को 16 ओवर में 161 रन पर समेट दिया।

एक दशक बाद जिम्बाब्वे का दौरा करेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम इसी साल सितंबर में जिम्बाब्वे का दौरा करेगी। इस दौरे में ऑस्ट्रेलिया तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम एक दशक के बाद जिम्बाब्वे जा रही है। इससे पहले वह साल 2014 में जिम्बाब्वे गयी थी। सीरीज 15 सितंबर को शुरू होगी, जबकि दूसरा और तीसरा मैच 18 और 20 सितंबर को खेला जाएगा। ये सभी मैच हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे। वहीं इस दौरे को लेकर जिम्बाब्वे बोर्ड उत्साहित हैं। उसका मानना है कि इससे टीम को आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 की तैयारी का अवसर मिलेगा। टी20 विश्कप के मेजबानों में दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के साथ जिम्बाब्वे, भी शामिल है। जिम्बाब्वे क्रिकेट के मैनेजिंग डायरेक्टर गिवमोर माकोनी ने कहा कि यह दौरा टीम के लिए एक अहम मोड़ पर आया है। उन्होंने कहा, हमें ऑस्ट्रेलिया का जिम्बाब्वे में फिर से स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। यह एक बेहद रोमांचक एकदिवसीय सीरीज होने की उम्मीद है। शीर्ष स्तर की टीम के खिलाफ मैच से ही हमारी टीम आगे बढ़ेगी। ये टीम के विकास के लिए भी बहुत जरूरी हैं। पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 नजदीक आ रहा है, ऐसे में यह दौरा हमें अपनी तैयारियों को मजबूत करने का एक अच्छा अवसर देता है। हम दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के साथ मिलकर इस टूर्नामेंट की मेज़बानी की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, यह हमारे प्रशंसकों के लिए भी एक अच्छा अवसर है कि वे अपने घर पर ही विश्व स्तरीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का आनंद उठा सकें। हमें उम्मीद है कि हरारे स्पोर्ट्स क्लब में हमें अपने प्रशंसकों का जोरदार समर्थन मिलेगा। हाल के दिनों में जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को कई बार टक्कर दी है। इसी साल फरवरी में हुए टी20 विश्व कप में जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम को 23 रनों से हराया था। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया की 50 ओवरों की टीम को भी जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने पिछले मैच में हार का सामना करना पड़ा था। सितंबर 2022 में टाउन्सविले में खेले गए इस मैच में ऑस्ट्रेलिया तीन विकेट से हार गयी थी। ऑस्ट्रेलिया के जिम्बाब्वे दौरे पर सभी मुकाबले हरारे में खेले जाएंगे। पहला एकदिवसीय 15 सितंबर, दूसरा 18 सितंबर और तीसरा 20 सितंबर को खेला जाएगा।

आईपीएल में टीमों को बढ़ाने पर विचार कर रहा बीसीसीआई : अरुण धूमल

-टूर्नामेंट की गुणवत्ता से समझौता नहीं करेंगे

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) साल 2008 में शुरु होने के बाद से ही लगातार छाया हुआ है। यहां तक कि आज आईपीएल दुनिया में सबसे बड़ी क्रिकेट लीग है। इसके मैचों का प्रसारण दूनिया भर में होता है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की सबसे अधिक कमाई आईपीएल से ही होती है। ऐसे में बोर्ड अब इसमें टीमें बढ़ाने पर विचार कर रहा है। आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल के अनुसार बोर्ड टीमों की संख्या बढ़ाने का कोई भी फैसला, टूर्नामेंट की गुणवत्ता से समझौता करते हुए नहीं लेगा। धूमल ने कहा, टीम बढ़ाने का फैसला इस बात पर निर्भर करेगा कि इसके लिए कितना समय मिलता है। निवेशकों की इसमें कितनी रुचि है क्योंकि आईपीएल में निवेश पर असाधारण रिटर्न मिल रहा है। मैचों की संख्या बढ़ाने के पहले कई बातों का ध्यान रखना होता है। साथ ही कहा कि अगर इस लीग को नियमित रूप से आयोजित किया जाना है, तो नई व्यवस्था होगी। आईसीसी कार्यक्रम में कम द्विपक्षीय मैच रखने होंगे। तभी लीग क्रिकेट बढ़ सकता है। साथ ही कहा कि जब बोर्ड ने प्रसारण अधिककार 48,390 करोड़ रुपए में बेचे थे, तो योजना यह थी कि धीरे-धीरे मैचों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसके अनुसार साल 2023 और 2024 में 74 मैच, 2025 और 2026 में 84 मैच, और अंत में साल 2027 तक 94 मैच खेले जाने थे पर ये योजना अभी रुकी हुई है। साल 2026 में भी 74 मैच ही खेले जाएंगे। इसके पीछे को कारण आईसीसी का मौजूदा भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) है, जो अप्रैल 2027 तक चलेगा, इससे मैचों के बीच बहुत कम खाली समय मिलता है। धूमल ने आईपीएल के विस्तार को लेकर कहा, लीग को 74 से 94 मैचों तक ले जाने के लिए हमें एक बड़ी विंडो की जरूरत है। ज़्यादातर अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर पहले से ही बुक है। मार्च के बीच से मई के आखिर तक का समय ही हमारे पास सीमित उपलब्ध है। वहीं जून में बारिश शुरु हो जाती है। तब नंमिंट को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता है। अगर हम मौजूदा विंडो में ही 74 से 94 मैच करवाने की कोशिश करेंगे तो हमें अधिक डबल-हेडर करवाने पड़ेंगे। जो कि प्रसारण कर्ता के लिए फायदे का सौदा नहीं होते। हमें सभी के हितों का ध्यान रखना होता है। इसीलिए हमने अब तक 74 मैच ही रखे हैं।

टाइगर वुड्स ने राइडर कप से नाम वापस लेने के साथ ही खेल से ब्रेक लिया, इलाज के लिए विदेश जाएंगे

न्यूयार्क । विश्व के नंबर एक दिग्गज रहे गोल्फर टाइगर वुड्स फिट नहीं होने के कारण राइडर कप गोल्फ टूर्नामेंट में भाग नहीं लेंगे। वुड्स ने खराब सेहत का हवाला देते हुए खेल से ब्रेक लेने की भी घोषणा कर दी है। वुड्स ने कहा है कि वह इलाज के लिए विदेश जा रहे हैं। वह पिछले कुछ समय से गोल्फ से जुड़ी गतिविधियों से दूर थे पर गुरुवार को उन्होंने औपचारिक रूप से राइडर कप की कप्तानी ठुकरा दी साथ ही कहा कि वह इलाज के लिए विदेश जा रहे हैं। उन्हें अदालतन ने इलाज के लिए देश से बाहर जाने की अनुमति भी दे दी है। वुड्स को पिछले सप्ताह नशे में गाड़ी चलाने के संदेह के कारण गिरफ्तार किया गया था हालांकि कुछ घंटे बाद ही उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया था। इसी कारण उन्हें विदेश जाने से पहले अदालत से अनुमति लेनी पड़ी हैं। वुड्स ने एक बयान जारी कर कहा कि वह 'इलाज कराने और अपने स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए' अनिश्चित काल के लिए खेल से दूर जा रहे हैं। उनके वकील डगलस डंकन ने दायर एक याचिका में न्यायाधीश से वुड्स को उपचार के लिए विदेश जाने की अनुमति देने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि वुड्स को इलाज के लिए विदेश इसलिए जाना पड़ रहा है क्योंकि अमेरिका में उनके लिए अपनी निजता बनाये रखना संभव नहीं है।

पीटरसन बोले, इस बार मुंबई इंडियंस सहित ये चार टीमें पहुंच सकती हैं प्लेऑफ में

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान क्रिकेटर केविन पीटरसन ने कहा है कि इस बार मुंबई इंडियंस , दिल्ली कैपिटल्स , राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स आईपीएल के प्लेऑफ में पहुंच सकती हैं। पीटरसन पिछले सत्र में दिल्ली कैपिटल्स के मेंटर रहे हैं। उनका मानना है कि है ये सब टीमों के खिलाड़ियों की फिटनेस पर भी काफी कुछ निर्भर करेगा। पीटरसन ने सोशल मीडिया में लिखा, इस सत्र में अब तक के प्रदर्शन के आधार पर उन्हें इन चारों ही टीमों के प्लेऑफ में पहुंचने की प्रबल संभावना है। हैरान की बात है कि पीटरसन ने इस सूची में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को शामिल नहीं किया है जबकी आरसीबी गत सत्र की विजेता रही है। आरसीबी ने इस सत्र में भी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शानदारजीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी। पीटरसन के अनुसार आरसीबी के मिडिल क्रम का फॉर्म और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के फिट नहीं होने के कारण वह उसे इस बार दावेदार नहीं मानते हैं। उन्होंने सोशल मीडिय में लिखा, आरसीबी को लेकर मेरी चिंता उनके मध्य के ओवर और स्पिनर्स हैं और हेजलवुड की फिटनेस भी इसमें अहम है क्योंकिं अंत में गेंदबाज ही जीत दिलाते हैं। वहीं पीटरसन ने कहा कि इस बार जिस प्रकार से 200 से ज्यादा के लक्ष्य को भी टीमें आसानी से हासिल कर रही हैं। उससे साफ है कि इस सत्र में कोई भी लक्ष्य सुरक्षित नहीं है। उनके अनुसार टॉस बहुत ज्यादा अहम हो गया है। उन्होंने साथ ही कहा, इस सत्र की सबसे अजीब बात यह है कि बल्लेबाजों को यह नहीं पता कि पहली पारी में जीत के लिए उन्हें कितने रन बनाने होंगे। इसस खिलाड़ी के अनुसार 5 बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स , तीन बार की विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और 2016 की टाइटल विजेता सनराइजर्स हैदराबाद को बदलावों के साथ ही असाधारण खेल दिखाना होगा।

मैं कभी एक्टिंग में नहीं आना चाहते था, मुझे म्यूजिक ज्यादा पसंद है

अक्षय कुमार और वामिका गब्बी की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत-बंगला' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म को यूए-16 की रेटिंग के साथ रिलीज की अनुमति मिली है। फिल्म में बंगाली एक्टर जिशु सेनगुप्ता ने भी अहम किरदार निभाया है। अब उन्होंने फिल्म में अक्षय कुमार और डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ काम करने को किसी सपने के सच होने जैसा बताया है। बातचीत में जिशु सेनगुप्ता ने कहा, डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ काम करना उनके लिए सपने का सच होने जैसा है, क्योंकि जब वे सीरियस फिल्म बनाते हैं, तब सेट पर गंभीरता का पैमाना अपने आप सेट हो जाता है और जब वे कॉमेडी फिल्म बनाते हैं तो सेट पर कॉमेडी के नए आयाम स्थापित हो जाते हैं। मेरी पहली मुलाकात इनसे सीसीएल में हुई थी, जब मैंने उनके साथ काम करने की इच्छा जाहिर की थी। हालांकि समय ज्यादा लग गया, लेकिन उनके साथ काम करना मेरे लिए गर्व की बात है। डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ सेट पर काम करने के अनुभव पर जिशु सेनगुप्ता ने कहा, 'पहले कुछ दिन अजीब लगता है, मैं नर्वस नहीं था, लेकिन समझ नहीं पा रहा था क्योंकि सेट पर एक के बाद दूसरा शॉट हो रहा था और नहीं पता कि सीन में कोई कमी तो नहीं है। मैंने पूछा तो पता चला कि सब कुछ परफेक्ट है। जब सब कुछ परफेक्ट होता तो डायरेक्टर कुछ नहीं बोलते और जब कमी होती तो वे सामने से आकर बोलते थे। उन्होंने बताया कि डायरेक्टर सेट पर सबकी सुनते थे। अक्षय सर कुछ बताते तो वो तुरंत मान जाते थे।' 'भूत-बंगला' के लिए 'हां' करने के सवाल पर अभिनेता ने कहा कि भले ही फिल्म में बहुत सारे किरदार हैं, लेकिन हर किरदार का अपना अस्तित्व है और अलग कहानी है। मेरे लिए अच्छा किरदार बहुत मायने रखता है और यही कारण है कि मैंने फिल्म को करने के लिए 'हां' की।

फिल्मों में अपने करियर की शुरुआत को लेकर अभिनेता का कहना है कि वो कभी भी एक्टिंग में नहीं आना चाहते थे, क्योंकि उनके पिता थिएटर एक्टर थे। उन्होंने कहा, 'मेरी मां नहीं चाहती थी कि मैं फिल्मों में आऊं और न ही मैं आना चाहता था। मुझे म्यूजिक ज्यादा पसंद है और खुद का बैंड भी है, लेकिन किस्मत पता नहीं कैसे सिनेमा में ले आई।' अभिनेता ने खुलासा किया कि वे कभी अपनी खुद की फिल्में नहीं देखते हैं।

'भूल भुलैया 2' न सही तो 'भूत बंगला' से सपना सच हो गया'

बातचीत के दौरान वामिका ने इस फिल्म को लेकर अपनी खुशी, 'भूल भुलैया 2' से जुड़ा एक पुराना किस्सा, अक्षय और प्रियदर्शन की आपसी समझ, सेट पर अनुशासन और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बात की। काफी वक्त से कॉमेडी फिल्म करना चाहती थी वामिका कहती हैं, 'मैं काफी समय से कह रही थी कि मुझे ऐसी फिल्म करनी है। मैं 'गरम मसाला', 'भूल भुलैया', 'हलचल' और 'भागम भाग' जैसी फिल्मों को देखकर बड़ी हुई हूं। हमेशा सोचती थी कि काश मैं भी ऐसी एक फिल्म का हिस्सा बनूं। जब पता चला कि प्रियदर्शन सर और अक्षय सर साथ में फिल्म कर रहे हैं तो मेरे लिए यही बात अपने आप में बहुत बड़ी थी।'

'भूल भुलैया 2' करते-करते रह गई थी

वामिका ने बातचीत के दौरान यह भी बताया कि वह पहले भी इस कॉमेडी स्पेस का हिस्सा बनने के करीब पहुंच चुकी थीं। उन्होंने कहा, 'जब 'भूल भुलैया 2' बन रही थी, तब मैंने भी उस फिल्म के लिए ऑडिशन दिया था। मैंने ऑडिशन दिया था, फिल्म करने के काफी करीब भी पहुंच गई थी लेकिन किसी वजह से यह होते-होते रह गया। अब देखो, मैं 'भूत बंगला' कर रही हूं। जो सपना इतने साल का था, वो आखिरकार पूरा हुआ।'

कभी-कभी लगता था, सेट पर दो पुराने दोस्त खड़े हैं

सेट पर अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की आपसी समझ कैसी थी पूछा जाने पर वामिका ने कहा, 'इनको देखकर कभी-कभी मुझे लगता था कि दो पुराने दोस्त साथ खड़े हैं, जो एक-दूसरे के साथ मजाक कर रहे हैं। वहीं कभी-कभी ऐसा लगता था जैसे गुरु और शिष्य के बीच कोई अनकही समझ चल रही हो। प्रियदर्शन सर कुछ कहते थे और अक्षय सर तुरंत समझ जाते थे। उनकी यह समझ सेट पर सामने देखना अपने आप में बहुत दिलचस्प था।'

अक्षय समय पर है तो आप देरी नहीं कर सकते

अक्षय कुमार के अनुशासन पर बात करते हुए वामिका ने कहा, 'सेट पर समय से पहुंचने का दबाव तो होता था। जब आपको पता हो कि अक्षय सर सेट पर समय से आते हैं, अनुशासित हैं, तो आप आराम से या देर से नहीं पहुंच सकते। लेकिन वह दबाव नकारात्मक नहीं होता। वह आपको प्रोफेशनल बनाता है।'

अक्षय सर के साथ एक्शन फिल्म करूंगी

बातचीत के अंत में वामिका ने यह भी कहा कि 'भूत बंगला' के बाद अब उनकी इच्छा अक्षय कुमार के साथ एक्शन फिल्म करने की भी है। फिल्म 'भूत बंगला' को वामिका गब्बी अपने लिए यादगार मानती हैं। वह कहती हैं, 'मेरे लिए ये सिर्फ एक फिल्म नहीं थी। ये बहुत खास अनुभव था। जिस तरह की फिल्में मुझे पसंद हैं, उसी तरह की फिल्म में काम करना, प्रियदर्शन सर जैसे निर्देशक और अक्षय सर जैसे कलाकार के साथ काम करना यादगार रहा है।

धनुष के साथ काफी कंफर्टेबल महसूस करती हैं संयुक्ता

धनुष के साथ फिल्म 'वाथी' में अपने अभिनय से सुर्खियां बटोरने वाली अभिनेत्री संयुक्ता इस साल कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं। हालांकि, एक्ट्रेस ने फिर से धनुष के साथ काम करने की संभावनाओं के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि क्यों धनुष के साथ वो काफी कंफर्टेबल महसूस करती हैं।

बातचीत में जब संयुक्ता से पूछा गया कि वह किस अभिनेता के साथ दोबारा काम करना चाहेंगी? इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि मैं उन सभी मलयालम अभिनेताओं के साथ काम करना चाहूंगी, जिनके साथ मैंने काम किया है। साथ ही धनुष के साथ भी मैं दोबारा काम करना चाहूंगी। वह शानदार अभिनेता हैं। जब वो कोई स्क्रिप्ट चुनते हैं, तो आप समझ जाते हैं कि वो अच्छी कहानी है। 'वाथी' में धनुष के साथ काम करने के अनुभव को याद करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि उनके साथ काम करना बहुत बढ़िया था। मेरा मतलब है मुझे यकीन है कि आपने इसे देखा होगा। उनके साथ एनर्जी लेवल अलग ही होता है। वो कम बोलने वाले, बेहद पढ़ने वाले व्यक्ति हैं। वो अपने काम में मग्न रहते हैं।

कैमरे के सामने उनका शांत स्वभाव, पर्दे पर उनकी ताकत को दिखाता है। ऐसा लगता है जैसे वो अपना सारा जोश कैमरे के सामने वाले उस एक पल के लिए बचाकर रखते हैं। जब निर्देशक एक्शन कहते हैं, तो वो अपना पूरा जोर लगा देते हैं। वेंकी अटुलुरी द्वारा निर्देशित पीरियड एक्शन ड्रामा 'वाथी' 2023 में रिलीज हुई थी। यह उस साल की सबसे अधिक कमाई करने वाली तमिल फिल्मों में से एक है।

प्रियदर्शन की 100वीं फिल्म में नजर आएंगे मोहनलाल

मलयालम सिनेमा के दिग्गज अभिनेता मोहनलाल और डायरेक्टर प्रियदर्शन एक बार फिर साथ आ रहे हैं। यह प्रियदर्शन के करियर की 100वीं फिल्म होगी। खास बात यह है कि मोहनलाल ने ही प्रियदर्शन की पहली फिल्म में लीड रोल निभाया था और अब वे उनकी 'सेंचुरी' वाली फिल्म का भी हिस्सा बनेंगे। यह फिल्म एक 'म्यूजिकल ड्रामा' होगी, जिसे आशीर्वाद सिनेमाज के बैनर तले बनाया जाएगा। हालांकि इस प्रोजेक्ट का नाम अभी तय नहीं हुआ है। मोहनलाल ने सोशल मीडिया पर एक नोट लिखकर फिल्म पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा, 'कुछ उपलब्धियां किसी एक व्यक्ति की नहीं होतीं। मेरे प्रिय मित्र प्रियन (प्रियदर्शन) अपनी 100वीं फिल्म की ओर कदम बढ़ा रहे हैं और मेरे पास शब्द नहीं हैं कि यह मेरे लिए क्या मायने रखता है। 100 फिल्में सिर्फ एक नंबर नहीं हैं, बल्कि कहानियों से भरा एक जीवन है। मैं इस सफर का हिस्सा बनकर खुद को सम्मानित महसूस कर रहा हूं।'

एंथोनी पेरुम्बावूर करेंगे प्रोड्यूस

इस फिल्म को मोहनलाल के करीबी और मशहूर प्रोड्यूसर एंथोनी पेरुम्बावूर प्रोड्यूस कर रहे हैं, जबकि बिनू जॉर्ज अलेक्जेंडर को-प्रोड्यूसर होंगे। फिल्म की कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी साझा नहीं की गई है,लेकिन मेकर्स ने साफ किया है कि यह प्रियदर्शन की सिग्नेचर कॉमेडी फिल्मों से अलग एक म्यूजिकल फिल्म होगी। फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है।

भारतीय सिनेमा में बनेगा नया रिकॉर्ड

यह फिल्म भारतीय सिनेमा में एक नया रिकॉर्ड सेट कर सकती है। बहुत कम ऐसा देखा गया है कि जिस अभिनेता ने किसी डायरेक्टर की पहली फिल्म में काम किया हो, वही उसकी 100वीं फिल्म में भी मुख्य भूमिका निभाए। मोहनलाल और प्रियदर्शन की जोड़ी ने पिछले चार दशकों में 'बोइंग बोइंग', 'चित्रम', 'कालापानी' और 'ओप्पम' जैसी कई क्लासिक फिल्में दी हैं।

पुराने दोस्त हैं प्रियदर्शन और मोहनलाल

प्रियदर्शन ने अपने करियर की शुरुआत 1980 के दशक में की थी। उन्होंने न केवल मलयालम बल्कि बॉलीवुड में भी 'हेरा फेरी', 'भूल भुलैया' और 'हंगामा' जैसी सुपरहिट फिल्में दी हैं। मोहनलाल के साथ उनकी जोड़ी को मलयालम इंडस्ट्री की सबसे सफल जोड़ी माना जाता है। उनकी पिछली बड़ी फिल्म 'मरक्कर: लॉयन ऑफ द अरेबियन सी' थी, जिसने नेशनल अवॉर्ड जीता था।

मुझे स्टोरी और लोगों की भावनाएं उत्साहित करती हैं

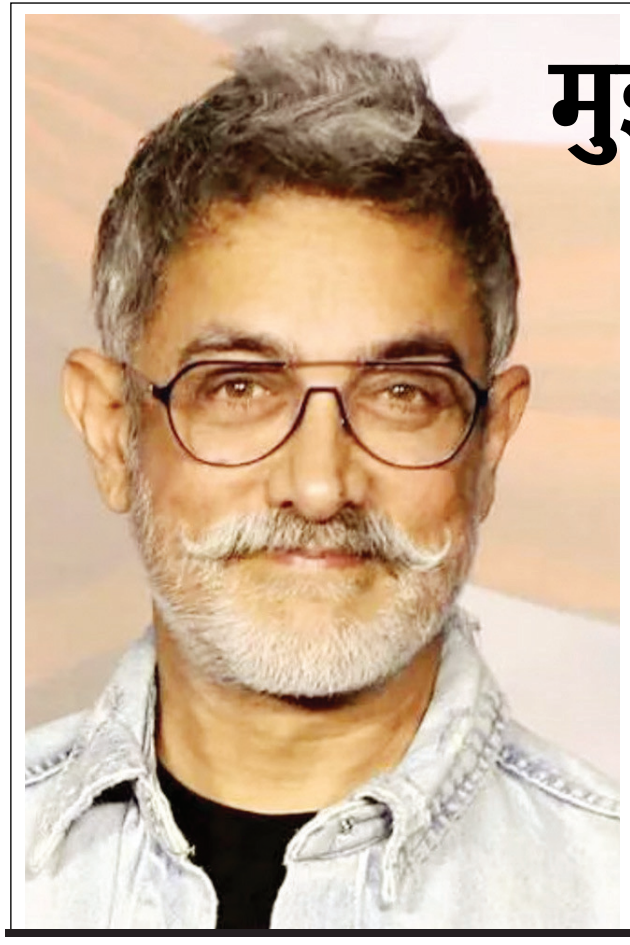

आमिर खान ने फिल्मों में ना सिर्फ अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया बल्कि जब उन्होंने बेहतरीन फिल्में बनाईं, तो कहा जाने लगा कि आमिर हर काम बड़े तरीके से करते हैं। यहीं से उन्हें मिस्टर परफेक्शनिस्ट का टैग भी मिला। लेकिन आमिर कहते हैं कि उनके लिए सफलता का पैमाना बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने कितने करोड़ कमाए, इससे तय नहीं होता। हाल ही में इंटरनैशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ दिल्ली) में आए आमिर खान ने कहा, 'मेरे लिए पैसों की अहमियत उतनी ही रही है, जितना मैं उसको इस्तेमाल कर सकता हूं। आमिर खान कहते हैं कि मुझे उत्साह पैसों से नहीं बल्कि कहीं और से मिलता है। वह कहते हैं, 'मेरे पिता फिल्ममेकर थे, तो अक्सर लोग सोचते हैं कि एक फिल्ममेकर का बेटा है तो पैसे वाले परिवार से है। लेकिन हमारे लिए वो समय आर्थिक तौर पर बहुत मुश्किल वक्त था। मेरे पिता फिल्ममेकर बहुत अच्छे थे, लेकिन वो बिजनेसमैन अच्छे नहीं थे। इसलिए ऐसा बिल्कुल भी नहीं है कि मैं पैसे वाली फैमिली से हूं तो मेरे लिए पैसों की वैल्यू नहीं है। मुझे स्टोरी उत्साहित करती हैं, मुझे लोगों को हंसाना, अपने काम से उनकी आंखों में खुशी के आंसू देखना, उनके दिल का छूना एक्साइट करता है।'

'मैंने शेड्यूल बनाकर बचपन नहीं जीया'

आजकल के बच्चे पढ़ाई, ट्यूशन, टेनिस क्लास, म्यूजिक क्लास में ही पूरा दिन निकाल देते हैं। उनका पूरा दिन का शेड्यूल पहले से ही पैक रहता है। आमिर कहते हैं, 'मेरा क्रिकेट या फुटबॉल क्लास का कोई शेड्यूल नहीं था। मैं क्रिकेट खेलता था, मैं फुटबॉल खेलता था, उनकी क्लास नहीं लेता था। मेरी मां ने भी कभी भी मेरे लिए ऐसा करने के लिए कोई शेड्यूल नहीं बनाया था। लेकिन आज ये शेड्यूल का हिस्सा बन गया है। हमें एक तो पहले से ही पढ़ाई से तकलीफ होती थी। स्कूल से एक बजे घर आते थे, मुझे टेनिस में रुचि थी, तो मैं टेनिस खेलता था, लेकिन जैसे ही मैं फ्री हो गया और मैं टेनिस के लिए नहीं गया हूं तो मैं बिल्डिंग के नीचे जाता था, और बोलता था स्वीटी, केवल, विकी, दरअसल मैं अपने दोस्तों का नाम लेता था, और वो भी मुझे मेरे नाम से बुलाते थे (हंसते हुए) उस समय शेड्यूल फॉलो नहीं करते थे, हम एक साथ जुटते थे और खेलने लग जाते थे।'

'नॉलेज ऑनलाइन मिल रही है तो उसे क्लास में क्यों पढ़ाएं'

आमिर को लगता है कि आज की शिक्षा प्रणाली को बदलने की जरूरत है। वह कहते हैं, 'मुझे सच में लगता है कि शिक्षा के क्षेत्र में सचमुच एक बदलाव की जरूरत है। जब आप घर बैठे ही जान सकते हैं कि कितने ग्रह हैं, हमारा सौरमंडल कैसा है, राजा शिवाजी के समय क्या हुआ था, उस समय लीडर कैसे थे, ये सब चीजें हमें स्कूल में पढ़ाई जाती है। मुझे नहीं पता कि आज ये जमाने में ये कितना उपयुक्त है। आज जो नॉलेज है वो मेरी उंगलियों पर है। मुझे जानना है कि किसी व्यक्ति का जन्म कब हुआ था, तो मैं वह तुरंत देख सकता हूं। मुझे अपने दिमाग में वो नॉलेज जमा ही क्यों करनी है, जब उसकी अभी जरूरत ही नहीं है। एक जमाने में जरूरत थी, तो स्कूल में नॉलेज मिलती थी। नॉलेज तो अब फ्री हो गई है, लेकिन उस नॉलेज का प्रयोग कैसे करना है, इसकी ट्रेनिंग हम नहीं दे रहे हैं। हम स्कूल में बच्चों को चीजों को समझना नहीं सिखा रहे हैं, कैसे लोगों का ध्यान रखें और कैसे अच्छा इंसान बने ये सिखाने की जरूरत है।

आज डे ड्रीमिंग बहुत जरूरी

आमिर का कहना है कि आज के दौर में डे ड्रीमिंग बहुत जरूरी है। वह कहते हैं, 'आजकल तो हर आदमी ज्यादातर समय फोन पर ही रहता है। हम डे ड्रीमिंग की कला को खोते जा रहे हैं। जब भी हम फ्री होते हैं, हमारा फोन हमारे हाथ में आ जाता है और हम अलग-अलग एप्स पर कुछ शॉर्ट्स देखने लगते हैं। वो बहुत मजेदार भी होते हैं लेकिन वो आपके दिमाग और समय को ऑब्जर्व कर रहे होते हैं। एक वक्त था जब फोन नहीं था, तो जब हम गाड़ी में बैठे होते थे और सिर्फ सोच रहे होते थे। बाहर जिंदगी को गुजरते हुए देख रहे होते थे। ये थी डे ड्रीमिंग। मुझे लगता है कि डे ड्रीमिंग बहुत जरूरी है। यह आपके दिमाग को कई चीजों को एक्सप्लोर करने और उन्हें गहराई से समझने का मौका देता है। आज हमारे पास खुद के बारे में या किसी भी चीज के बारे में सोचने का वक्त ही नहीं है। हमारे चारों तरफ बस डेटा घूम रहा है।'

हल्के में ना लें छोटे बच्चों में सोशल एंग्जाइटी

12 से 36 महीने तक की आयु सीमा के दौरान एक बच्चे का भावनात्मक और संज्ञानात्मक विकास होने लगता है, जिसके कारण उनके सोशल स्किल्स भी डेवलप होते हैं। यह वह वक्त होता है, जब बच्चा घर से बाहर निकलता है। डेकेयर से लेकर प्ले स्कूल आदि में जाने लगते हैं। ऐसे में वह घर के सदस्यों के अतिरिक्त दूसरे बच्चों व व्यस्क लोगों से मिलते हैं। कभी-कभी इस अवस्था में बच्चे सोशल फीयर्स भी जन्म लेने लगते हैं। हो सकता है कि वह दूसरों के साथ सामाजिक संपर्क होने पर सहज महसूस ना करें। शुरूआती दिनों में नई जगह पर सेट होने में बच्चे थोड़ा समय लगता है, लेकिन अपरिचित लोगों को उसे घबराहट या एंग्जाइटी होती है तो ऐसे में जल्द से जल्द बच्चे की मदद करनी चाहिए, अन्यथा आगे चलकर उसे इस सोशल एंग्जाइटी के कारण कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। तो चलिए जानते हैं कि टॉडलरहुड में सोशल एंग्जाइटी को किस तरह दूर किया जाए-

बच्चे की मदद करने से पहले आपको उनमें होने वाली सोशल एंग्जाइटी के कारणों के बारे में भी जानना चाहिए। वैसे अभी तक यह पूरी तरह क्लीयर नहीं है कि इतनी छोटी उम्र के बच्चों में सोशल एंग्जाइटी का वास्तविक कारण क्या है। हालांकि इसके लिए अधिकतर मामलों में जेनेटिक्स को कारण माना जाता है, क्योंकि यह एक बच्चे के स्वभाव और व्यक्तित्व में योगदान देता है। इसके अलावा, एक बच्चे का वातावरण भी उन्हें सोशल एंग्जाइटी का शिकार बना सकता है। मसलन, अगर घर में पहले से ही कोई बड़ा बच्चा इस तरह की समस्या से पीड़ित हो तो छोटा बच्चा भी उसे देखकर काफी कुछ सीख जाता है। वैसे एक अध्ययन में यह भी पाया गया कि छोटे बच्चे अपनी मां से भी सोशल एंग्जाइटी बिहेवियर सीख सकते हैं। मां द्वारा अनजाने में ही अशाब्दिक संकेत बच्चे को यह सिखा सकते हैं कि अजनबी या अपरिचित व्यक्ति चिंता का एक स्रोत हैं।

यूं करें मदद

अब सवाल यह उठता है कि इतनी कम उम्र के बच्चों की आप किस तरह मदद कर सकती हैं ताकि उनकी सोशल एंग्जाइटी को कम किया जा सके।

- सबसे पहले तो पैरेंट्स घर में हेल्दी सोशल इन्टरैक्शन करें। इससे बच्चा देखता और सीखता है कि बाहरी दुनिया व अजनबी लोगों से बहुत अधिक डरने की आवश्यकता नहीं है।
- बच्चे को नए लोगों से घुलने-मिलने का मौका दें और उन्हें इसके लिए प्रोत्साहित करें। लेकिन कभी भी उसके साथ जबरदस्ती ना करें। इससे बच्चे पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।
- अगर आपका बच्चा पहली बार बाहर जा रहा है तो ऐसे में पहले घर पर उसकी रिहर्सल करने से बच्चे के मन के डर को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मसलन, अगर आप उन्हें डेकेयर या प्ले स्कूल ले जा रही हैं तो पहले घर पर रोल प्ले करें। इससे बच्चे को स्कूल के माहौल की काफी जानकारी पहले ही हो जाती है।
- बच्चे की सोशल एंग्जाइटी को कम करने के लिए पहले खुद को शांत रखें। इससे बच्चे को लगता है कि नई जगहों पर जाना या नए लोगों से मिलने-जुलने में कोई डर नहीं है।
- बच्चे को लेकर ओवर-प्रोटेक्टिव ना हों। इससे उनका आत्मविश्वास बूस्ट अप नहीं होता। जिसके कारण वह अपने मन के डर को दूर नहीं कर पाते।
- अगर किसी भी उपाय से आपको पर्याप्त रूप से लाभ ना हो तो ऐसे में आप प्रोफेशनल हेल्प भी ले सकते हैं।

रसोई में रखी खाने की ये चीजें नहीं होती कभी खराब, लंबे समय तक कर सकते हैं स्टोर

बाजार से खाने-पीने की चीजें खरीदकर घर लाते ही सबसे पहले लोग उसे खराब होने से बचाने के लिए स्टोर करने का सही तरीका खोजते और अपनाते हैं। खाने-पीने की चीजें अक्सर जल्दी खराब हो जाती हैं, यही वजह है कि लोग उसे जल्दी खाकर खत्म कर देते हैं। पर क्या आप जानते हैं आपकी किचन में मौजूद खाने पीने की कई ऐसी चीजें हैं, जिन्हें उनके पोषण तत्वों के साथ लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है। आइए जानते हैं किचन में मौजूद ऐसी ही कुछ खाने की चीजों के बारे में जिनकी नहीं होती कभी एक्सपायरी।

सफेद चावल

सफेद चावल को अनिश्चित काल तक स्टोर करके रखा जा सकता है। एक शोध की मानें तो सफेद चावल 30 वर्षों तक अपने पोषक तत्व और स्वाद को बनाए रख सकते हैं।

सरसों के दाने

अगर आप अच्छे ब्रांड के सरसों दाने इस्तेमाल करते हैं तो खुला रहने के बावजूद आप इन्हें एक वर्ष से अधिक समय तक भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

ड्राई बीन्स

अध्ययन के अनुसार, बीन्स का सेवन व्यक्ति 30 साल बाद भी खाने के लिए कर सकता है। बीन्स आपातकालीन भोजन के लिए प्रोटीन से भरपूर भोजन का एक बेहतर विकल्प माना गया है। बीन्स को अच्छी तरह से एयर टाइट कंटेनर में लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है।

चीनी

लंबे समय तक स्टोर की जाने वाली चीजों में चीनी का भी नाम शामिल है। चीनी भी लंबे समय तक अपने पोषण से भरपूर गुणों को खोए बिना स्टोर की जा सकती है। इसके लिए आप चीनी को किसी एयरटाइट कंटेनर में बंद करके लंबे समय तक के लिए रखें।

नमक

नमक को भी चीनी की ही तरह लंबे समय के लिए अपनी गुणवत्ता खोए बिना स्टोर किया जा सकता है। नमक को ठीक से स्टोर करने से न तो इसमें कभी गुलठियां पड़ती हैं और न ही कभी इसमें कीड़े लगते हैं।

बैचलर पार्टी के लिए खुद को इस तरह करें रेडी

फैशन एक्सपर्ट बताते हैं कि यह एक आसान तरीका है बैचलर पार्टी में खुद को तैयार करने का। इन दिनों बैचलर पार्टी में थीम पार्टी काफी चलन में हैं। मसलन, गर्ल्स की पजामा पार्टी आदि। ऐसे में पार्टी में शामिल होने वाली सभी लड़कियां नाइट सूट में नजर आ सकती हैं।

वो जमाने लद गए, जब केवल पुरूष ही शादी से पहले बैचलर पार्टी किया करते थे। आज के दौर में लड़कियां भी बैचलर पार्टी करना पसंद करती हैं। जिसमें वह अपनी फ्रेंड्स के साथ मिलकर आखिरी बार अपने बैचलर हुड को एन्जॉय करती हैं। वैसे शादी से पहले की जाने वाली यह बैचलर पार्टी लड़कियों के लिए बेहद खास होती है और इसलिए वह इसकी काफी सारी तैयारियां भी करती हैं। इन सभी तैयारियों के बीच एक तैयारी यह भी होती है कि बैचलर पार्टी के लिए खुद को किस तरह रेडी किया जाए। तो चलिए आज हम आपको बैचलर पार्टी के लिए खुद को स्टाइल करने के कुछ तरीकों के बारे में बता रहे हैं-

फैशन एक्सपर्ट बताते हैं कि यह एक आसान तरीका है बैचलर पार्टी में खुद को तैयार करने का। इन दिनों बैचलर पार्टी में थीम पार्टी काफी चलन में हैं। मसलन, गर्ल्स की पजामा पार्टी आदि। ऐसे में पार्टी में शामिल होने वाली सभी लड़कियां नाइट सूट में नजर आ सकती हैं। इसके अलावा, अगर आप चाहें तो कोई कलर कोड या डेस कोड को भी अपनी पार्टी का हिस्सा बना सकती हैं। इससे सिर्फ आपको ही रेडी होने में आसानी नहीं होगी, बल्कि हर गेस्ट खुद को आसानी से स्टाइल कर पाएगा। साथ ही इसमें आप सभी को काफी मजा भी आएगा।

कंफर्ट को दें प्राथमिकता

बैचलर पार्टी वास्तव में ढेर सारी मौज-मस्ती करने के लिए होती है। इसलिए ऐसे में आप चाहे जो भी पहनें, लेकिन आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि उसमें आप खुद को कंफर्टेबल महसूस कर पाएं ताकि आप खुलकर एन्जॉय कर सके। जरा सोचिए कि अगर आपने बैचलर पार्टी के लिए हैवी लॉन्ग गाउन कैरी किया तो फिर आप पार्टी में खेले जाने वाले गेम्स को किस तरह एन्जॉय करेंगी। इसलिए आपका आउटफिट लाइटवेट और कंफर्टेबल होना चाहिए। फैशन एक्सपर्ट के अनुसार, अपनी बैचलर पार्टी को रॉकिंग बनाने और उसमें अपने स्टाइल का जलवा बिखेरने के लिए आप अपने लुक में एक एक्स फैक्टर एड कर सकती हैं। अगर आपका कलर कोड या डेस कोड सेम नहीं है तो भी आप अपनी एसेसरीज को एक जैसा रखने की कोशिश करें। मसलन, आप किसी खास तरह के हेडबैंड या कैप्स आदि को अपने स्टाइल का हिस्सा बनाएं। इससे आप सभी फ्रेंड्स अलग-अलग दिखकर भी एक जैसी ही नजर आएंगी। यह देखने में काफी कूल लगेगा।

गर्मियों में इन्वर्टर का ऐसे रखें ख्याल

गर्मी के मौसम में जब आधी रात को अचानक से बिजली गुल हो जाए और इन्वर्टर भी खराब हो तो मानों कोई बहुत बड़ी विपदा आन पड़ी हो। ऐसी मुसीबत से लगभग हर कोई बचना चाहेगा। गर्मियों के मौसम में जगह-जगह घंटों तक बिजली का गुल होना आजकल आम बात है। कुछ शहरों में तो पूरे दिन बिजली का अता-पता नहीं रहता। ऐसे समय में लगभग सभी घर में इन्वर्टर का महत्व बहुत अधिक हो जाता है। लेकिन, कई बार इन्वर्टर और बैटरी खराब होने की वजह से गर्मी के मौसम में जान निकल जाती है। ऐसे में गर्मियों के मौसम में इन्वर्टर की बैटरी का ध्यान रखना बहुत जरूरी हो जाता है। अगर आप भी घर में इन्वर्टर का इस्तेमाल करती हैं तो आपको भी इस आर्टिकल को जरूर पढ़ना चाहिए। क्योंकि, इस लेख में हम आपको कुछ शानदार टिप्स बताने जा रहे हैं जिन्हें फॉलो करके गर्मियों के मौसम में इन्वर्टर की बैटरी को जल्दी खराब होने से आप बचा सकती हैं।

अधिक लोड न दें

अगर आपको इन्वर्टर और बैटरी को जल्दी खराब होने से बचाना है तो फिर आपको बैटरी पर अधिक लोड देने से बचना चाहिए। गर्मियों के मौसम में जरूरत से अधिक लाइट्स जलाने या पंखा चलाने से बचें। कई बार घर में लाइट नहीं होने पर महिलाएं इन्वर्टर से ही मिक्सी चलाने लगती हैं या फिर कई बार आयरन भी इन्वर्टर से ही करती हैं जिससे बैटरी जल्दी खराब हो जाती है। ऐसे में अगर आपको इन्वर्टर की बैटरी की हेल्थ को सही रखनी है तो उस पर अधिक लोड न दें। दिन में आप सभी लाइट्स को ऑफ कर सकती हैं।

एसिड लेवल चेक करते रहें

गर्मियों के मौसम में इन्वर्टर की बैटरी जल्दी खराब न हो इसके लिए समय-समय पर एसिड लेवल चेक करते रहना बहुत जरूरी है। कहा जाता है कि अगर बैटरी में एसिड लेवल सामन्य स्तर से कम है तो बैटरी में मौजूद कार्बन प्लेस्ट पर बुरा असर पड़ता है जिसकी वजह से बैटरी जल्दी खराब हो सकती है। (सोलर इन्वर्टर की देखभाल) ऐसे में समय-समय पर बैटरी में डिस्टिल्ड वाटर को डालते रहना चाहिए, जिससे बैटरी की लॉन्ग लाइफ बरक्रार रहे।

फुल चार्ज होने के बाद करें इस्तेमाल

लाइट नहीं होने पर इन्वर्टर का इस्तेमाल करते हैं और जब बैटरी एकदम से बैठ जाती है तो उसे फुल चार्ज होने में लगभग 5-6 घंटा लगता है। अगर फुल चार्ज होने से पहले ही इन्वर्टर की बैटरी का इस्तेमाल करते हैं तो बैटरी जल्दी खराब हो सकती है। कई बार फुल चार्ज नहीं होने पर वोल्टेज का प्रभाव भी कम रहता है। कई बार लाइट्स भी अप एंड डाउन होने लगती हैं। ऐसे में एक बार बैटरी बैठने के बाद जब तक फुल चार्ज नहीं हो जाए तब तक इन्वर्टर का इस्तेमाल न करें।

कनेक्शन पॉइंट की करें सफाई

आपको बता दें कि बैटरी में जिस जगह लाइट की तार जुड़ी होती है उस जगह कई बार कार्बन पकड़ लेता है जिससे बिजली का प्रभाव बहुत कम हो जाता है। ऐसे में सबसे पहले स्विच ऑफ करके कनेक्शन पॉइंट की सफाई कर लें। इस प्रक्रिया को महीने में एक से दो बार जरूर करें। इससे बैटरी जल्दी खराब होने से बच सकती है। कई लोग कनेक्शन पॉइंट को टर्मिनल पॉइंट भी बोलते हैं।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- इन्वर्टर की बैटरी को किसी नमी वाली जगह रखने से बचें।
- बैटरी को दीवार, दरवाजा आदि चीजों से एक से दो इंच दूर ही रखें।
- अगर आपको सफाई करने या फिर एसिड बदलने में डर लगता है तो आप किसी एक्सपर्ट की मदद ले सकती हैं।
- बैटरी को किसी भी चीज से ढककर न रखें।

कुछ हल्का खाने का मन हो तो बनाएं कॉर्न पुलाव

कॉर्न पुलाव बनाना बेहद ही आसान है। इसके लिए आप पहले एक कुकर लें और उसमें एक बड़ा चम्मच तेल डालकर गर्म करें। अब इसमें लौंग, काली मिर्च, दालचीनी, हरी इलायची डालकर एक मिनट के लिए चलाएं। अब इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर हल्का भूनें।

रविवार का दिन हो तो कुछ हल्का और टेस्टी खाने का मन करता ही है। दरअसल, छुट्टी के दिन हम सभी रिलैक्सिंग मूड में होते हैं और इसलिए किचन में बहुत अधिक वक्त बिताने का मन नहीं करता। हो सकता है कि आप भी यही सोच रही हों कि इस संडे क्या बनाया जाए। अगर आप भी कुछ हल्का और डिलिशियस खाना चाहती हैं तो कॉर्न पुलाव तैयार कर सकती हैं। चावल की मदद से बनने वाली यह डिश बनाने में जितनी आसान होती है, खाने में उतनी ही लाजवाब होती है। तो चलिए जानते हैं कि कॉर्न पुलाव बनाने के लिए आपको क्या करना होगा-

सामग्री- तीन चौथाई कप मकई के दाने उबले हुए, डेढ़ कप चावल करीबन आधे घंटे तक भिगोए हुए, 1 बड़ा चम्मच तेल, काली मिर्च 5-6, लौंग 4-5, दालचीनी एक छोटा टुकड़ा, हरी इलायची 3-4, 1 बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, प्याज 1 मध्यम कटा हुआ, नमक स्वाद अनुसार, हल्दी पाउडर, हरी मिर्च तिरछी कटी हुई

विधि- कॉर्न पुलाव बनाना बेहद ही आसान है। इसके लिए आप पहले एक कुकर लें और उसमें एक बड़ा चम्मच तेल डालकर गर्म करें। अब इसमें लौंग, काली मिर्च, दालचीनी, हरी इलायची डालकर एक मिनट के लिए चलाएं। अब इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर हल्का भूनें। अब इसमें प्याज, हरी मिर्च व हल्दी डालकर चलाएं। प्याज गोल्डन कलर के हो जाने के बाद इसमें चावल डालें और करीबन दो मिनट के लिए हिलाएं। अब इसमें पानी और कॉर्न डालें। साथ ही स्वादानुसार नमक डालकर मिक्स करें। लिड लगाकर कुकर का ढक्कन बंद कर दें। धीमी आंच पर दो सीटी आने तक इसे पकाएं। कॉर्न पुलाव बनाने वालों का कहना है कि इसे कई तरीकों से बनाया जा सकता है। मसलन, आप इसमें कॉर्न के अलावा अपनी पसंद की सब्जी जैसे मटर, टमाटर, शिमलामिर्च, पनीर आदि को भी मिक्स करके इस कॉर्न पुलाव को और भी ज्यादा हेल्दी और टेस्टी बना सकते हैं। वैसे सिर्फ कॉर्न व प्याज के साथ भी इसका टेस्ट गजब का आता है।

शुभ है वास्तु के अनुसार बोनसाई रखना

समय के साथ लाइफस्टाइल में भी काफी बदलाव आ रहे हैं। कई लोग नेचर में सुकून ढूंढते हैं इसके लिए लोग घरों में पेड़ पौधें लगाने लगे हैं। इन दिनों बोनसाई के पेड़ काफी ट्रेंडिंग में चल रहे हैं। लोग इस छोटे से पेड़ को अपने घर में रखना पसंद कर रहे हैं। कोई अपने शौक के लिए इसे रख रहा है तो कोई प्रकृति प्रेमी होनी की वजह से। लेकिन वास्तु के अनुसार इस पेड़ को रखना शुभ माना गया है। तो आइए जानते हैं कारण -

- कहते हैं अगर आपको बहुत गुस्सा आता है या आप फ्रस्टेट हो जाते हैं तो इससे आपको बहुत शांति मिलती है।

जी हां, इसे घर में रखने से आपका मन शांत रहेगा और आपको प्रोडक्टिव रहने में भी मदद करेगा।

- बोनसाई के पौधे घर की हवा को प्यूरीफाई करते हैं। यह घर की हवा में मौजूद टॉक्सिन को बाहर करते हैं। इससे सांस लेने में आसानी होती है और हवा को शुद्ध करता है।
- इस पेड़ को घर में रखने से आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। कई बीमारियों से आपको दूर रखता है। इतना ही नहीं यह आपके अंदर सकारात्मकता बढ़ाता है।
- कई बार लोग हड़बड़ी में कोई काम करके या निर्णय लेकर पछताते हैं। ऐसे में बोनसाई पेड़ आपकी मदद करेगा। ह आपको धैर्यवान, तनाव मुक्त रखेगा।